शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 06 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-274

बिहार पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने की घोषणा

22 नवंबर से पहले बिहार में हो जाएंगे चुनाव

पटना, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने बिहार की राजधानी पटना से घोषणा की है कि 22 नवंबर से पहले बिहार विधानसभा के चुनाव करा लिए जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में जो 17 नए नियम-प्रावधान लागू किए जा रहे हैं, वे पूरे देश में लागू होंगे। बिहार में हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य को पूरे देश में लागू किया जाएगा। चुनाव के पहले मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बिहार के विधानसभा चुनाव में मतदान केंद्रों (पोलिंग बूथ) पर ज्यादा लंबी कतार न लगे, इसके लिए प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक 12 सौ मतदाताओं की संख्या निर्धारित की गई है। यही नियम अब पूरे देश में लागू होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव में लागू होंगे 17 नए नियम-प्रावधान

अब मतदान केंद्रों पर होंगे अधिक से अधिक 1200 मतदाता

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार का विधानसभा चुनाव पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत बनने जा रहा है। बिहार चुनाव में जो नए नियम शुरू किए जाएंगे वह देश में आने वाले सभी चुनाव में लागू होंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने मतदान से पूर्व, मतदान के दौरान और मतगणना में किए गए 17 नए प्रावधानों के बारे में बताते हुए कहा कि यह पहली बार हुआ जब चुनाव से कुछ महीने पहले ही बूथ लेवल अफसर और एजेंट्स की ट्रेनिंग दिल्ली में सम्पन्न हुई है।

चुनाव आयुक्त ने कहा कि पहले वोटर आईडी मिलने में देरी होती थी लेकिन अब एसआईआर की फाइनल लिस्ट बनते ही 15 दिन में वोटर आईडी दे दी जाएगी। साथ ही इस आईडी में साफ कलर फोटो और बड़े अक्षरों में सीरियल नंबर भी लिखा जाएगा। अब हर बूथ पर केवल 1200 मतदाता होंगे, जिससे लंबी-लंबी कतार लगाने की समस्या खत्म होगी। इन मतदाताओं को बूथ के बाहर ही मोबाइल जमा करना होगा और वोट देने के बाद वापस मिलेगा। इसके अलावा प्रत्याशी अब बूथ के 100 मीटर के भीतर ही अपना पोलिंग बूथ लगा सकते हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग ने मॉक पोल में राजनीतिक दलों को पोलिंग एजेंट्स समय से भेजने का आग्रह किया है। साथ ही अब हर पोलिंग बूथ पर 100 प्रतिशत वेब कास्टिंग होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह साफ-साफ कहा कि चुनाव से पहले एसआईआर प्रक्रिया आवश्यक और सटीक कानूनी प्रक्रिया है। मतदाता सूची का पुनरीक्षण चुनाव के बाद हो, यह तर्क बिल्कुल न्याय संगत नहीं है। चुनाव आयोग ने कहा कि एसआईआर में गड़बड़ियां ठीक कर ली गई हैं। इसके लिए 1 अगस्त 2025 से 1 सितंबर 2025 तक दावे और आपत्ति भरने के लिए तारीख दी गई थी। चुनाव आयोग ने बताया कि कुछ दावे आए भी तो सिर्फ नाम हटाने के लिए क्योंकि मतदाता जागरूक हो गया है कि उसका नाम एक से ज्यादा विधानसभा में नहीं होना चाहिए।

पुनरीक्षित सूची से 3.6 लाख नाम कटे हैं। ये सभी मतदाता अयोग्य हैं। आयोग ने कहा कि अगर अब भी किसी राजनीतिक दल के प्रत्याशी को लगता है कि कोई योग्य मतदाता सूची में छूट गया है तो नामांकन दाखिले से पहले दावा और आपत्ति अपील कर सकता है। ईआरओ की निगरानी में इसका निस्तारण किया जाएगा। चुनाव आयोग ने फिर स्पष्ट किया कि आधार कार्ड नागरिकता प्रमाण नहीं है।

बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, हाल ही में बिहार में मतदाता सूची शुद्धिकरण का कार्य किया गया और हमारे सामने उपस्थित बूथ लेवल अधिकारियों ने न केवल अपने बूथों में मतदाता सूची शुद्धिकरण का कार्य किया, बल्कि बिहार के 90,217 बूथ लेवल अधिकारियों ने ऐसा कार्य किया जो पूरे देश में अनुकरणीय है। जैसे बिहार के वैशाली ने दुनिया को लोकतंत्र का मार्ग दिखाया। ▶10पर

विदेश में राहुल गांधी के राष्ट्र विरोधी बयानों पर देशभर में नाराजगी

विदेश में भारत का सम्मान घटाने वाला पहला नेता

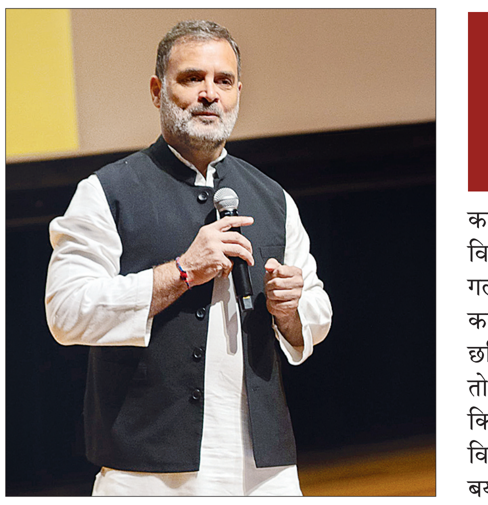

कांग्रेस पार्टी पर राहुल गांधी की दुर्बुद्धि हावी : रिजिजू

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के एक बार फिर विदेश में दिए गए राष्ट्र विरोधी भाषण पर पूरे देश में नाराजगी है। कोलंबिया में राहुल गांधी द्वारा लोकतंत्र को लेकर कही गई बातों को देश विरोधी बताते हुए भारत के लोग तीखी प्रतिक्रिया जाहिर कर रहे हैं। भाजपा भी राहुल गांधी के ऐसे बेजा आचरण को लेकर हमलावर है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी के नासमझ बयानों की कड़ी आलोचनी की है। रिजिजू ने कहा कि अब तक कोई भी विपक्ष का नेता विदेश जाकर देश या सरकार के खिलाफ बयान नहीं देता था, लेकिन राहुल गांधी पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने विदेश में जाकर भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के बारे में आपत्तिजनक बात कही है। रिजिजू ने कहा, इंदिरा गांधी से लेकर लाल कृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, सुषमा स्वराज, शरद पवार जैसे नेताओं ने विपक्ष के नेता पद को सुशोभित किया, लेकिन इन नेताओं ने विदेश में जाकर भारत का सम्मान बढ़ाया, भारत की निंदा नहीं की।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के जनरेशन जेड वाले नकलची-बयान को बेवकूफाना बताया और कहा कि जमीनी सच्चाई यही है कि नई पीढ़ी प्रधानमंत्री मोदी के साथ है और उसने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर रखा है। रिजिजू ने कहा, राहुल गांधी ने कोलंबिया में कहा कि भारत विश्व नेतृत्व नहीं कर सकता, यह बात पूरी तरह गलत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कई क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। अगर विदेशों में यह छवि जाए कि भारत के लोग राहुल गांधी जैसे हैं, तो देश की छवि खराब होगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में कई बुद्धिमान नेता और अच्छे विचारधारा वाले लोग हैं, लेकिन राहुल गांधी के बयानों से साफ प्रतीत होता है कि कांग्रेस पार्टी पर दुर्बुद्धि पूरी तरह हावी है।

किरेन रिजिजू ने कहा, देश का युवा भ्रष्टाचार और एक परिवार के कब्जे वाली राजनीति के खिलाफ है और खासकर कांग्रेस के खिलाफ है। रिजिजू ने देश में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि आज जो लोग कश्मीर को भारत से अलग करना चाहते हैं या पूर्वोत्तर को अलग करना चाहते हैं, वे खुद अभिव्यक्ति की आजादी का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई देश को तोड़ने की बात करता है, माओवादियों का समर्थन करता है या कश्मीर में अनुच्छेद 370 का समर्थन करता है, तो वह असली अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया कि जो लोग प्रधानमंत्री मोदी की लगातार निंदा करते हैं, वे असली आजादी का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और देश को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में कहा कि भारत के लोकतंत्र पर हमला हो रहा है, जो सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि भारत की विविधता और लोकतंत्र महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वर्तमान में लोकतंत्र पर व्यापक हमला हो रहा है, जो देश के लिए बड़ा जोखिम है। राहुल ने भाजपा-आरएसएस की विचारधारा पर भी हमला किया और इसे कायरता बताया।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऑक्टा एफएक्स पर ईडी का शिकंजा

800 करोड़ की आपराधिक आय चिंता का विषय

तकनीकी मदद जॉर्जिया से और संचालन दुबई से

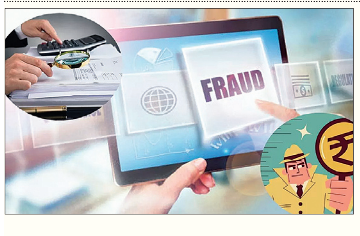

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मुंबई इकाई ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ऑक्टा एफएक्स की जांच कर रही है। इस पर भारत से 800 करोड़ रुपए की संदिग्ध आय अर्जित करने का आरोप है। इसके प्रमोटर रूस में हैं। इसकी तकनीकी सहायता जॉर्जिया से संचालित होती है। भारत में संचालन दुबई से होता है। सर्वर बार्सिलोना में हैं। ईडी की जांच सीमा पार के उन कार्यों के आधार पर हो रही है जो अपराध की आय को क्रिप्टोकरेंसी में बदलते हैं और अंतरराष्ट्रीय भुगतान गेटवे का उपयोग करते हैं। ईडी के अनुसार, ऑक्टा एफएक्स साइप्रस में स्थापित है। विदेशी मुद्रा, कमोडिटी और क्रिप्टोकरेंसी में काम करती है। इसने केवल नौ महीनों में अपने भारतीय कारोबार से लगभग 800 करोड़ रुपए की संदिग्ध आपराधिक आय अर्जित की। ईडी ने कहा, इनमें से कुछ लेन-देन भारत से ▶10पर

जोधपुर जेल से सोनम वांगचुक ने जारी किया अपना संदेश

लद्दाख हिंसा की स्वतंत्र न्यायिक जांच होनी चाहिए

जोधपुर, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। लद्दाख आंदोलन के नेता सोनम वांगचुक ने जोधपुर जेल से संदेश जारी करते हुए लद्दाख में हाल में हुई हत्याओं की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है। वांगचुक ने कहा है कि लद्दाख हिंसा की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच का आदेश दिए जाने तक वे हिरासत में रहने के लिए तैयार हैं। वांगचुक के वकील मुस्तफा हाजी और उनके वांगुचक के बड़े भाई त्सेतन दोरजे ने जोधपुर जेल में उनसे मुलाकात की और लद्दाख एवं देश के बाकी हिस्सों के लोगों तक उनकी बातें पहुंचाईं।

वांगचुक ने बयान में कहा, मैं शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से ठीक हूं और सभी की चिंता और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद। इतना ही नहीं उन्होंने लेह हिंसा में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जाहिर की है। उन्होंने कहा, मेरी हार्दिक संवेदना उन लोगों के परिवारों के साथ है जिन्होंने अपनी जान गंवाई और मेरी प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं जो घायल हुए हैं और गिरफ्तार हुए हैं। सोनम वांगचुक ने लद्दाख हिंसा की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। उन्होंने कहा, हमारे चार लोगों की हत्या की स्वतंत्र न्यायिक जांच होनी चाहिए और जब तक ऐसा नहीं होता, मैं जेल में रहने के लिए तैयार हूं। वांगचुक ने छठी अनुसूची का दर्जा और लद्दाख के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा देने की उनकी लंबे समय से चली आ रही मांगों में लेह अपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रति अपना समर्थन दोहराया।

वांगचुक ने कहा, लद्दाख के हित में सर्वोच्च निकाय जो भी कदम उठाएगा, मैं पूरे दिल से उनके साथ हूं। उन्होंने लोगों से शांति और एकता बनाए रखने और अहिंसा के सच्चे गांधीवादी तरीके से शांतिपूर्वक अपना संघर्ष जारी रखने का आग्रह किया। बता दें कि पिछले महीने लद्दाख और लेह में हिंसक प्रदर्शन हो गए थे। ▶10पर

स्थानीय लोगों और पुलिस की मिलीभगत का संदेह

त्रिपुरा के डिटेंशन सेंटर से 10 और घुसपैठिए भागे

अगरतला, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा के अगरतला शहर के पास नरसिंहगढ़ में स्थित डिटेंशन सेंटर से 10 बांग्लादेशी घुसपैठिए भाग गए। फरार होने वालों में एक नाबालिग भी शामिल है। घुसपैठिए तब भागे जब इन्हें बांग्लादेश वापस भेजे जाने (प्रत्यर्पण) की प्रक्रिया चल रही थी। पुलिस ने इस घटना पर केस दर्ज कर लिया है और भागे हुए लोगों को तलाशने के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। घुसपैठियों की फरारी में स्थानीय लोगों और पुलिस की मिलीभगत का अंदेशा जताया जा रहा है।

डिटेंशन सेंटर के चारों ओर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस उन सभी रास्तों पर कड़ी नजर रख रही है जहां से ये भाग सकते हैं। नजदीकी गाँवों और शहरों में पुलिस पेट्रोलिंग तेज कर दी गई है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें कोई संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 23^{0}
न्यूनतम : 21^{0}

पंडित धीरेंद्र शास्त्री की इस्लामी कट्टरपंथियों को चेतावनी

हिंदू राष्ट्र में सिर्फ आई लव महादेव चलेगा

सिर तन से जुदा बोलने वालों को छोड़ेंगे नहीं

रायपुर, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री रायपुर में कहा कि इस देश में केवल आई लव महादेव ही चलेगा। धीरेंद्र शास्त्री ने याद दिलाया कि यही वह धरती है जहां से उन्होंने पहली बार हिंदू राष्ट्र बनाने की घोषणा की थी। उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और बताया कि इसके लिए वह नवंबर में वृंदावन से दिल्ली तक पदयात्रा निकालेंगे।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने आई लव मोहम्मद के विवादित प्रदर्शनों पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा, आई लव मोहम्मद बोलना गलत नहीं है, लेकिन इस देश में आई लव महादेव ही चलेगा। जो हिंदुओं को छेड़ेगा, उसे नहीं छोड़ा जाएगा और जो सिर तन से जुदा की बात करेगा, उसे न तो देश का कानून छोड़ेगा और न ही हिंदू समाज। धीरेंद्र शास्त्री ने छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहे धर्मांतरण के मुद्दे पर भी कड़ा रुख अपनाया। कार्यक्रम के आयोजक बसंत अग्रवाल ने बताया कि पिछली बार जब शास्त्री जी रायपुर आए थे, तब लगभग 1000 परिवारों की घर वापसी करवाई गई थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी हजारों धर्मांतरण कर चुके लोग फिर से सनातन धर्म में वापस लौटेंगे। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने यह भी कहा, मैं मध्य प्रदेश के मुरैना में पाकिस्तान पर दिए अपने बयान पर अडिग हूं। वहां हमने कहा था कि पाकिस्तान घर वापसी कर लें और भारत के साथ मिल जाए। ▶10पर

अमेरिका में फिर हुई भारतीय युवक की नृशंस हत्या

हैदराबाद के चंद्रशेखर को डलास में मारी गई गोली

हैदराबाद में परिवार का बुरा हाल, एक माह में तीसरी घटना

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में हिंदू छात्रों के खिलाफ हमलों और हत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। पिछले दिनों हैदराबाद के 27 वर्षीय छात्र चंद्रशेखर पोल की अमेरिका के डलास में गोली मारकर हत्या कर दी गई। चंद्रशेखर एक गैस स्टेशन पर पार्ट-टाइम काम कर रहे थे। इस घटना से अमेरिकी पुलिस और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि पिछले एक महीने में अमेरिका में हिंदुओं छात्रों और लोगों की हत्या करने के कई मामले सामने आए है, लेकिन कार्रवाई की गति बहुत धीमी रही है।

चंद्रशेखर पोल साल 2023 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गए थे। शुक्रवार 3 अक्टूबर की रात को जब चंद्रशेखर डलास स्थित एक गैस स्टेशन पर काम कर रहे थे, तभी एक अज्ञात हमलावर ने चंद्रशेखर पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे चंद्रशेखर की मौके पर ही मौत हो गई। चंद्रशेखर के परिवार ने भारत सरकार से मदद की अपील की है ताकि उनका शव जल्दी वापस लाया जा सके। चंद्रशेखर पोल के माता-पिता ने राज्य और केंद्रीय सरकार से सुरक्षा की गारंटी मांगी है और उनके बेटे के शव को शीघ्र भारत लाने की मांग की है।

अमेरिकी पुलिस और स्थानीय प्रशासन की सुस्ती पर सवाल उठ रहे हैं। चंद्रशेखर पोल की हत्या के मामले में भी पुलिस अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई है। दांटन काउंटी मेडिकल एग्जामिनर द्वारा मृत्यु प्रमाणपत्र जारी किए जाने में देरी हो रही है, जिसके कारण शव के देश लौटने की प्रक्रिया में रुकावट आ रही है। भारत के ह्यूस्टन में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने इस मामले में सक्रिय रूप से परिवार के साथ सम्पर्क बनाए रखा है और जांच को लेकर अमेरिकी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और अन्य नेताओं ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है और पीड़ित परिवार को सभी प्रकार का समर्थन देने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और उनका शव जल्दी भारत लाने की प्रक्रिया में हर संभव सहायता करेगी। ▶10पर

कुकिंग प्रतियोगिता में केकेजी जोन ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

जायका सिर्फ पकवान नहीं, भावनाओं का संगम: पिंकी जैन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो कनेक्ट 2025 हैदराबाद में शनिवार को आयोजित जायका राष्ट्रीय कुकिंग प्रतियोगिता में केकेजी जोन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जीतो महिला विंग, बेंगलूरु साउथ की श्वेता बोकाडिया और जीतो लेडीज विंग, बल्लारी की ममता बागरेचा की जोड़ी ने अपनी अनूठी रचनात्मकता, लजीज पकवानों और आत्मविश्वास से निर्णायकों का दिल जीत लिया। निर्णायक मंडल में मशहूर शेफ अजय चोपड़ा और नीता मेहता शामिल थे। लगभग 90 चैप्टर्स से शुरू हुई इस यात्रा में हजारों प्रतिभागियों ने भाग लिया। पहले चैप्टर स्तर पर श्वेता बोकाडिया विजेता बनीं, फिर जोन स्तर पर 9 जोन्स की चैंपियन्स से मुकाबला हुआ। वहाँ भी श्वेता ने परचम लहराया और राष्ट्रीय स्तर पर ममता बागरेचा के साथ जोड़ी

बनाकर अंतिम मुकाबले में धमाकेदार जीत दर्ज की। पिंकी जैन, जीतो महिला विंग संयोजिका ने कहा कि जायका सिर्फ पकवान नहीं, भावनाओं का संगम है। यह प्रतियोगिता साबित करती है कि हमारे सदस्य साध-ारण जुनून को असाधारण उपलब्धि में बदल सकते हैं। यह जीत आत्मविश्वास और साहस का उत्सव है। प्रवीण बाफना, चेयरमैन, केकेजी जोन ने कहा कि जब हुनर और टीमवर्क साथ आते हैं तो कमाल होता है। श्वेता और ममता ने यह दिखाया कि केकेजी जोन का स्वाद पूरे भारत को भा सकता है। यह ट्रॉफी पूरे जोन का गर्व है। दिलीप जैन, चीफ सेक्रेटरी, केकेजी जोन ने कहा हर व्यंजन के पीछे धैर्य, अभ्यास और जुनून होता है। हर जीत के पीछे खड़ा होता है एक मजबूत समुदाय। हमारी विजेताओं ने दिल से पकाया और जोन ने दिल से साथ दिया, यही है सफलता की असली रेसिपी। बबीता रायसोनी, चेयरपर्सन, जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने बताया कि श्वेता की यात्रा यह सिखाती है कि विश्वास और लगन से असंभव भी संभव हो सकता है। बेंगलूरु की रसोई से लेकर हैदराबाद के राष्ट्रीय मंच तक, उन्होंने पूरे विंग का मान बढ़ाया है। यह जीत स्त्री-सशक्तिकरण की असली परिभाषा है। रंजीत सोलंकी, चेयरमैन, जीतो बेंगलूरु साउथ ने कहा अक्सर जीतो को व्यापार और नेटवर्किंग के लिए जाना जाता है, लेकिन जायका ने दिखाया कि यह मंच कला, संस्कृति और छुपी प्रतिभा का भी उत्सव है। हमारी महिलाएँ बोर्डरूम और किचन, दोनों जगह परचम लहरा सकती हैं। इस ऐतिहासिक जीत पर बधाइयाँ देने वालों में सोनाली दुग्गर, डायरेक्टर इन चार्ज, शीतल दुग्गर, चेयरपर्सन, जीतो महिला विंग एपेक्स, येश्मा जैन, वाइस चेयरपर्सन, ऋतु चोरड़िया, चीफ सेक्रेटरी, सरला भुटोरिया एवं शशि मांडोत, एपेक्स सेक्रेटरीज, कीर्ति संचेती, को कन्वीनर, केकेजी जोन, अर्चना, चेयरपर्सन, बल्लारी, रचना कनुंगा एवं जिग्ना मेहता, जायका कन्वीनर, निधि पालरेचा, चीफ सेक्रेटरी, जीतो बेंगलूरु साउथ और इंदु, मुख्य सचिव, बेल्लारी चैप्टर शामिल थे।

सत्य को पा लोगे तो सुख अपने आप मिल जाएगा: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि सुख जीवन की मंजिल नहीं, पड़ाव है। जीवन की आखरी मंजिल तो सत्य है। सुख की यात्रा का कोई अंत नहीं। सुख ढूंढते रहोगे तो सत्य को कभी न पा सकोगे। सत्य को पा लोगे तो सुख अपने आप मिल जाएगा। वस्तुतः सत्य इतना महान् है कि उसे पा लेने के बाद सुख की चाह ही नहीं बचती। सुख आता है, जाता है। सत्य कभी बदलता नहीं। सुख की यात्रा बाहर की तरफ जाती है। सत्य की यात्रा भीतर ले जाती है। वर्तुल में शून्य का बिन्दु और 360 अंश का बिन्दु एक ही होता है। सत्य की यात्रा का प्रारम्भ कहीं से भी हो अंत वहीं पर होता है जहां से प्रारम्भ हुआ था। जीवन का परम सत्य यही है आप अपने आप तक पहुंच जाओ। अपनी चेतना को उपलब्ध हो जाओ। हमारा जीवन इस मान्यता से चलता है कि जहां सुख है वहां सत्य है। सुख ही सत्य है। इसे थोड़ा बदलो क्योंकि

सच्चाई यह है कि जहां सत्य है वहीं सुख है। सत्य ही सुख है। सुख की दिशा में जाने वाली यात्रा सत्य तक ले जा सकती है यदि हम सत्य के प्रति जागरूक हो जाएं। सत्य की उपलब्धि ही जीवन की सबसे बड़ी सफलता है। जिस क्षण आप अपने आपके सम्पर्क में आते हो, आपको अपनी सर्वोत्तम शक्ति का साक्षात्कार होता है। शक्ति तो भीतर ही थी, पर उसे हम पहचान नहीं पाए थे। हमारी नजर सुख पर अटकी हुई थी। जीवन बुद्धि और भावनाओं के विसंवाद में बीत रहा था। सही निर्णय नहीं हो रहा था, क्योंकि सोचने की दिशा ही गलत थी। भीतर की शक्ति को पहच-ानने के लिए स्वीकार का भाव नहीं था। उसे बाहर लाने का प्रामाणिक प्रयास ही नहीं हुआ। सत्य के प्रति जागरूकता पैदा होने पर दृष्टिकोण बदल जाता है। आपको समझ आती है कि, जीवन को समझने का, स्वयं को पहचानने का, शक्ति के जागरण का, जीवन के परम सत्य को पाने का अवसर और योग्यता हमारे पास है। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक का लाभ सुआबाई शेषमल, नेमीचंद शेषमल परिवार ने लिया। बाहर गांव से पधारे अतिथिगण का श्री शंखेश्वर पार्श्व-राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने आभार व्यक्त किया।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में एक विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र एवं गुरु वंदन से हुई, जिससे वातावरण में आध्यात्मिकता का संचार हुआ। अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए गुरु भगवंतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और संगठनात्मक एकता व सेवा की भावना पर बल दिया।

तेरापंथ सभा भवन की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा एवं मंत्री विजेता रायसोनी ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कार्यक्रम में सह संयोजिका मधु बरलोटा ने गीतिका प्रस्तुत कर वातावरण को भावविभोर कर दिया, वहीं संयोजिका अलका लोढ़ा ने मुनि श्री का संक्षिप्त जीवन परिचय प्रस्तुत किया। मुनि श्री पुलकित कुमार ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीवन की सरलता तीन सूत्रों में है, रहना प्रसन्नता से, सहना और कहना मधुरता से। उन्होंने महापुरुषों के उदाहरण देते हुए बताया कि भगवान महावीर ने उपसर्गों को सहकर आत्मा की पहचान बनाई, जो हम सभी के लिए प्रेरणा है। मुनि श्री आदित्य कुमार ने भी सहनशीलता का महत्व स्पष्ट करते हुए कहा कि यह केवल मौन रहना नहीं, बल्कि परिस्थितियों में स्थिर रहकर आगे बढ़ने का साहस है। एपेक्स हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल कन्वीनर बिंदु रायसोनी ने संगठन के विभिन्न वर्टिकल्स जैसे जेबीएन, श्रमण आरोग्यम, सेवा, द ब्राइडल स्टोरी और बी2बी हा-उसहोल्ड बिजनेस मॉडल का उल्लेख करते हुए बताया कि ये पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सार्थक योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर एपेक्स श्रमण आरोग्यम कन्वीनर सुनीता गांधी, सरिता खीवेंसरा और चित्रा मेहता ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु एक रोचक वर्ग पहेली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समिति सदस्य साधना धोका, प्रेमा रांका, शिखा तातेड़ और सुर्यकला सियाल सहित करीब 80 सदस्यों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने प्रभावशाली अंदाज से किया और अंत में आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि आज का यह आयोजन हम सभी के लिए जीवन जीने की कला का संदेश लेकर आया है।

युवाचार्य महेंद्र ऋषि व श्री पुष्कर मुनि जी की जन्म जयंती मनाई

अगर सम्यग दर्शन नहीं है तो सब बेकार है: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में रविवार को श्रमण संज्ञीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी की 59वीं जन्म जयंती एवं वरिष्ठ उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी की जन्म जयंती मनाई गई। गुरुदेव ने फरमाया कि नव पद का सातवां दिवस सम्यग दर्शन है। अगर सम्यग दर्शन नहीं है तो सब बेकार है। अगर श्रद्धा विचार नहीं है तो सब बेकार है। मनुष्य को सम्यग दर्शन के माध्यम से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है। नव पद बहुत ही मंगलकारी होता है। इसमें उपाध्याय का ज्ञान गाथा और मुनियों का गुण गाथा सुनने को मिलता है। जब मनुष्य को ज्ञान आता है तो उसके सभी रास्ते खुलने लगते हैं। देव हो चाहे गुरु और श्रावक हो सभी के लिए मूल चीज सम्यग दर्शन होता है। जैसे जड़ बिना पेड़ नहीं होता है वैसे ही सम्यग दर्शन होता है। अगर यह नहीं है तो ज्ञान आना संभव नहीं है। मनुष्य कर्मों में फंसा हुआ है। जब यह ज्ञान होगा तो सबसे पहले कर्मों की निर्जरा होगी। उनको पहचानने वाला सच्चा बुद्धिमान होता है। अरिहंत ही

सभी के पूज्य होते हैं। बाकी सब देवता हैं। जो सच्चे साधु होते हैं वह गुरु भगवंत होते हैं। सम्यग जब आता है तो सारा मामला बदल जाता हैं। सम्यग कभी संसार में नहीं फंसता है। रहते संसार में ही हैं लेकिन उनकी विचारधारा बिल्कुल अलग होती है। ऐसे मनुष्य मोह माया में मग्न नहीं होते हैं। हमेशा जीवन को पार लगाने के बारे में सोचते हैं। ऐसा मानव जग में कमल के फूल की तरह रहता है। संसार में रहना तो कमल की तरह ही रहना। इसी को सम्यग दर्शन कहते है। जैसे नाव पानी में रहता है। पानी में नाव नहीं रहता है। यही सम्यग दर्शन है। संसार में रहकर भी अलग रहना ही सम्यग दर्शन है। सबसे अलग ही रहना चाहिए। मोह माया में नहीं फंसना चाहिए। मोह ग्रस्त मनुष्य ही सम्यग दर्शन को प्राप्त कर सकता है। ऐसा मानव पाप नहीं करता है। अगर पाप करता भी है तो भी डर के करता हैं। ऐसा मनुष्य दूसरों की बुराई नहीं अच्छाई देखता है। वह पहले अपनी बुराई देखता है फिर दूसरों का देखता है। ऐसे ही एक विशिष्ट उपाध्याय पुष्कर मुनि को हम याद कर रह हैं। वे ज्ञान दर्शन चारित्र के धारक थे। वे मेवाड़ के थे। मेवाड़ की भूमि महान लोगों की भूमि है। सूरजमल पालीवाल और बालीबाई के यहां उनका जन्म हुआ था। बचपन में वो कुछ समझ पाते कि उनकी मां दिवंगत हो गई। मां के जाते ही सारा मामला गड़बड़ हो जाता है। मां के बिना कुछ करना संभव नहीं होता है। घर संवारने का काम मां करती है। अगर वही नहीं तो सब बेकार है। मां की ममता की तरह दुनिया में कुछ नहीं। मां के जाने के बाद कुछ दिन वे ननिहाल में थे। पुष्कर गुरु जी के गुरु ताराचंद जी महराज थे। उन्होंने पुष्कर मुनि को देखा और 14 साल की उम्र में उनकी दीक्षा हुई। पुष्कर मुनि उसके बाद ज्ञान ध्यान में लगे और बाद में ज्ञानी बन गए। उनकी प्रतिभा और ज्ञान ध्यान से कई संतों ने दीक्षा ली। पुष्कर मुनि जी बहुत ही मस्त मौला थे। उनकी आवाज बहुत ही बुलंद थी। वे कभी तनाव में नहीं रहते थे। उन्होंने अपने ज्ञान से बहुतों को मोक्ष का मार्ग दिखाया। श्रमण संघ से वर्तमान युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी को भी हम याद कर रहे हैं। उनका जन्म महाराष्ट्र के एक गांव में हुआ था। वे पांच भाई थे। संस्कारी परिवार में जन्म मिलने से वे बहुत ही संस्कारी बने। आनंद ऋषि जी के संपर्क में आकर उन्होंने दीक्षा ली। आनंद ऋषि जी बहुत विद्वान थे। ऐसे महान गुणी संत से दीक्षा लेकर वह भी बहुत ज्ञानी बने। गुरु के सानिध्य में महेंद्र ऋषि बहुत ज्ञानी बने। कई सालों से वह तपस्या में लगे हैं। वे बहुत ही महान हैं और ऐसे ही शासन की सेवा में लगे रहे। ऐसे महान संतों के जीवन से हमे शिक्षा लेकर जीवन बदल लेना चाहिए। गुणगान सुनने से जीवन नहीं बदलेगा। बल्कि उसको जीवन में आत्मसात करने से जीवन बदलेगा। प्रवचन में शांति लाल डुंगरवाल, सुर्दशन मांडोत एवं डोड्डबल्लापुर से एक संघ जिसमें विशेषकर केसरीमल लुकड़, नेमीचंद हरण, अशोक कोठारी, महेंद्र लुकड़, रमेश कवाड़, केवलचंद काकरियां और बाबूलाल बाफना उपस्थित थे। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

देवनहल्ली में आईफोन इकाई होगी स्थापित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आईफोन और उनके स्पेयर पार्ट्स बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन के भारत प्रमुख रॉबर्ट वू ने रविवार को यहां मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और आगे के निवेश व अन्य मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास कावेरी में हुई इस बैठक में बड़े उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल, आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे, कौशल विकास मंत्री शरणप्रकाश पाटिल और बेंगलूरु ग्रामीण जिला प्रभारी मंत्री के.एच. मुनियप्पा मौजूद थे। फॉक्सकॉन ने अपनी आईफोन निर्माण इकाई के और विस्तार में रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। रॉबर्ट वू से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह

अच्छी बात है कि फॉक्सकॉन ने देवनहल्ली स्थित अपनी इकाई में औद्योगिक गतिविधियाँ शुरू कर दी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि इकाई के आगे विस्तार के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने कहा कि देवनहल्ली स्थित इकाई फॉक्सकॉन की दूसरी सबसे बड़ी इकाई है। यह वैश्विक स्तर पर एप्पल को एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। देवनहल्ली में निर्मित आईफोन का वैश्विक स्तर पर निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने कुल मिलाकर यहाँ 22,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव सेल्वाकुमार, आयुक्त गुंजन कृष्णा और कर्नाटक उद्योग मित्र के प्रबंध निदेशक डोड्डाबसवराजू भी उप-स्थित थे।

सोनडेकुप्पा गांव में किया वृक्षारोपण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में सोनडेकुप्पा डेयरी कार्पोरेशन मेंबर के सोम्मना की अध्यक्षता में अणुव्रत समिति के मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सुरेश चावत ने पौधे वितरित किए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता नेत्र विशेषज्ञ डॉ.दयानंद मूर्ति ने पर्यावरण को शुद्ध रखने एवं जल ही जीवन के बारे में विशेष वक्तव्य दिया। वृक्षारोपण के कार्य में अणुव्रत समिति के सौजन्य से सोनडेकुप्पा गांव में 100 से भी अधिक विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। इसमें विशेष रूप से आम, सुपारी, नारियल, लौंग, इलायची के पौधे वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में स्थानीय गांव वालों एवं विशिष्टजनों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। दासहरहल्ली से विशेष अतिथि प्रकाश गांधी और कैलाश बोहरा की उपस्थिति रही।

जब मानस पटल शुद्ध होता है तभी मन में आते हैं मुमुक्षु भाव: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में उपाध्याय श्री गुणवंत चंद्र जी के जन्म जयंती प्रसंग पर साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि जब मानस पटल शुद्ध होता है तभी मन में मुमुक्षु भाव आते हैं और धर्म आचरण में टिकता है। उपाध्याय मुनि गुणवंत ने संसार और परिवार के परिषह को निकट से देखा और जीवन को अध्यात्म की ओर मोड़ दिया। सिंह की तरह संयम लिया और सिंह की तरह ही पाला। दार्जिलिंग में देवीचंद जी और इंदिरा बाई के यहां जन्मे गुलाब कुमार ने प्लेग की बीमारी में अपने परिवार में अनेक मौतों में माता पिता बहनों का वियोग देखा। नानी केसर देवी ने बच्चों को संस्कार दिए और गुरु से जोड़ा। गुलाब कुमार ने 19 वर्ष की उम्र में संयम लिया और मुनि गुणवंत बन गए और तप और संयम से जीवन को श्रृंगारित किया। इस अवसर पर उपस्थित गुरु दर्शन यात्रा के दर्शनार्थियों को संबोधित करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि उपाध्याय मुनि गुणवंत संस्कृति और सभ्यता के रक्षक थे। पश्चिमी फूहड़ वस्त्रों से उन्हें बेहद चिढ़ थी। उनके प्रवचनों में आत्मा प्रधान होती थी। जीवन भर मुनि गुणवंत ने अनेक तप किए और लेट कर शयन नहीं किया। वे कर्मठ अध्यवसायी अप्रमादी, आद्यात्म योगी संत थे। ज्ञान और क्रिया की मिसाल वे चौथे आरे के संत समान थे। रसना विजेता ने अपने चारित्र सौरभ से अनेक उपासकों के जीवन में सही मोड़ दिया था। मैसूरु संघ सदस्यों ने भी साध्वी वृंद के दर्शन कर मैसूरु पधारने की विनती की। होसकोटे संघ ने भी होसकोटे आने की विनती की। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने गुरु दर्शन यात्रा को अच्छी पहल बताते हुए सामायिक को प्रधानता देने पर जोर दिया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

जनगणना के मुद्दे पर भ्रम बढ़ा

किसानों की समस्याओं पर तुरंत ध्यान दे सरकार: विजयेन्द्र

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि राज्य सरकार आर्थिक-सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण के नाम पर जाति जनगणना करा रही है और इससे भ्रम दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह बात डीसीएम डी.के. शिवकुमार के जवाब को देखकर ही स्पष्ट हो जाती है। आम आदमी के सामने 60 सवाल रखे गए हैं। सभी समाजों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि सतही तौर पर यह स्पष्ट है कि राज्य सरकार ने बिना किसी पूर्व तैयारी के यह फैसला जल्दबाजी में लिया है। इसमें दिव्यांगों को भी शामिल किया गया है। इसकी काफी आलोचना हुई है। उन्होंने पूछा कि राज्य सरकार या मुख्यमंत्री इतनी जल्दी में क्यों हैं। कांग्रेस पार्टी में नवंबर क्रांति-अक्टूबर क्रांति को लेकर चर्चा चल रही है। उन्होंने विश्लेषण किया कि राज्य में इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या राज्य की राजनीति में क्रांति और इस जाति जनगणना के बीच कोई संबंध है। सरकार आर्थिक-सामाजिक-शैक्षणिक न्याय प्रदान करे। समाज के सबसे कमजोर तबके को न्याय दिलाने को लेकर भाजपा में कोई भ्रम नहीं है। देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ऐतिहासिक फैसले की घोषणा की है। यह एक ऐसा फैसला है जो आजादी के बाद से किसी प्रधानमंत्री ने नहीं लिया। उन्होंने घोषणा की है कि पूरे देश में जाति जनगणना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में इस तरह का भ्रम पैदा करने की कोई जरूरत नहीं थी। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि सिद्धरामैया जल्दबाजी में हैं। दो महीने पहले उन्होंने मैसूरु में शक्ति प्रदर्शन किया था। सिद्धरामैया रैंप वॉक कर रहे थे। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे और डी.के. शिवकुमार के पास कोई पता नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ मंत्री नवंबर क्रांति-अक्टूबर क्रांति के बारे में सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। एआईसीसी के राष्ट्रीय महासचिव वेणुगोपाल कहते हैं कि नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा न करें। यहाँ तक कि कांग्रेस नेताओं ने भी यह नहीं कहा है कि नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव के बाद राज्य में कई राजनीतिक बदलाव होंगे। यह स्पष्ट है कि राज्य में उथल-पुथल मचेगी। उत्तरी कर्नाटक, खासकर कल्याण कर्नाटक में भारी बारिश के कारण किसान सड़कों पर उतर आए हैं। तोगड़ी, सोयाबीन और दालें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं। किसान परेशान हैं। गरीबों के घर बर्बाद हो गए हैं। उन्होंने कृषि मंत्री, राजस्व मंत्री और प्रभारी मंत्री की इस ओर ध्यान न देने के लिए आलोचना की। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार केवल बयानों तक सीमित न रहे, बल्कि किसानों की दुर्दशा पर भी ध्यान दे।

सामाजिक और जातिगत सर्वेक्षण पूरी तरह से अवैज्ञानिक: बी.वाई. राघवेंद्र

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद बी.वाई. राघवेंद्र ने हमला बोलते हुए कहा है कि राज्य की कांग्रेस सरकार जाति जनगणना के नाम पर गैर-हिंदुओं को लुभाने की कोशिश कर रही है। सामाजिक और जातिगत सर्वेक्षण पूरी तरह से अवैज्ञानिक है। खुद कांग्रेस के मंत्री ने इस सर्वेक्षण पर आपत्ति जताई थी। राज्य उच्च न्यायालय ने भी इस सर्वेक्षण में सभी प्रश्नों की जानकारी देने की आवश्यकता न होने का फैसला सुनाया है, और आलोचना की है कि लोगों की इसमें रुचि नहीं है। ऐसे में, वास्तव में जाति जनगणना कराने का क्या फायदा है।

संविधान की बात करने वाले कांग्रेसियों ने संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर को चुनाव में टिकट न देकर उन्हें संसद में प्रवेश करने से रोकने की साजिश रची थी। उन्होंने कांग्रेस पर पिछड़े वर्गों पर काका कालेकर रिपोर्ट को 40 साल तक अंधेरे में रखने का आरोप लगाते हुए इसे ऐतिहासिक विश्वासघात बताया। उन्होंने पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए जिम्मेदार और पिछड़े वर्गों के स्वामी का कानून लाने वाले डी. देवराज अरासु पर इतिहास को भूलने का आरोप लगाया। बी.एस. येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री रहते हुए सभी जातियों को समान वित्तीय सुविधाएँ प्रदान की थीं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि मंत्री मधु बंगारप्पा को उनके बारे में बात करने का अधिकार नहीं है। बी.एस. संगोली रायन्ना, जिन्होंने मडिवाला माचिदेवा, उप्पारा, आर्य वैश्य, विश्वकर्मा, अंबिगारा चौधरी, एडिगा, सविता सामाजिक विकास निगमों और कनकदास की जन्मस्थली बाड़ा की स्थापना की और उन्हें अनुदान प्रदान किया, ने धन उपलब्ध कराने के बावजूद काम नहीं किया। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि बी.एस. येदियुरप्पा को आना चाहिए था। सभी को समान शासन देने वाले येदियुरप्पा ने कभी जाति की राजनीति नहीं की। केंद्र सरकार अब टावर मुद्दे पर हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठी है। उन्होंने कहा कि शिवमोग्गा जिले में, जहाँ नेटवर्क की समस्या थी, 90 नए टावर पहले ही उपलब्ध कराए जा चुके हैं और वे काम करना शुरू कर चुके हैं। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य डी.एस.अरुण, डॉ. धनंजय सरजी, पार्टी जिला अध्यक्ष एन.के. जगदीश, प्रमुख नेता के.जी. कुमारस्वामी, चन्द्रशेखर मौजूद थे।

केम्पेगौड़ा स्मारक और शहरी डिजाइन कॉलेज के लिए 203 करोड़ रुपये निर्धारित: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि बेंगलूरु के संस्थापक नादप्रभु केम्पेगौड़ा के सम्मान में परियोजनाओं के लिए कुल 203 करोड़ निर्धारित किए गए हैं। विधानसभा में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि सभी केम्पेगौड़ा स्मारकों के विकास और जीर्णोद्धार के लिए 103 करोड़ आरक्षित किए गए हैं, जबकि केम्पेगौड़ा के नाम पर एक शहरी डिजाइन कॉलेज की स्थापना के लिए 100 करोड़ निर्धारित किए गए हैं। शिवकुमार ने बताया कि मगदी किले के जीर्णोद्धार का लगभग 50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए एक समर्पित समिति का गठन किया जाएगा। केम्पेगौड़ा की समाधि स्थल पर 10 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है और लगभग 90 प्रतिशत प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके लिए भी धनराशि निर्धारित कर दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि प्रस्तावित शहरी डिजाइन कॉलेज में लगभग 300 छात्र अध्ययनरत होंगे। सरकार विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वीटीयू) के पाठ्यक्रम को अपनाने के लिए उसके साथ बातचीत कर रही है। सुमनहल्ली के पास पाँच एकड़ में बनने वाले केम्पेगौड़ा भवन के लिए, वास्तुकारों को नवीन डिजाइन प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। बेंगलूरु में शहरी योजनाकारों की बढ़ती माँग पर प्रकाश डालते हुए, शिवकुमार ने कहा कि कॉलेज से स्नातक करने वाले छात्रों को ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) और नगर निकायों में रोजगार के लिए विचार किया जाएगा। शहरी विकास विभाग, केम्पेगौड़ा अथॉरिटी और जीबीए संयुक्त रूप से इस पहल के लिए धन मुहैया कराएँगे। उन्होंने आगे घोषणा की कि राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा को बेंगलूरु हवाई अड्डे पर केम्पेगौड़ा प्रतिमा के पास एक थीम पार्क विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रसिद्ध लेखक और कहानीकार प्रो. मोगल्ली गणेश का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रख्यात लेखक एवं वरिष्ठ कथाकार प्रो. मोगल्ली गणेश (64) का रविवार सुबह बीमारी के कारण निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी, तीन बेटियाँ और बड़ी संख्या में पाठक हैं। दिवंगत नेता का अंतिम संस्कार मांड्या जिले के मद्दुर तालुक के मदनायकनहल्ली में होगा। वे पिछले कई दिनों से कई अंगों के काम करना बंद कर देने की समस्या से जूझ रहे थे। उनका इलाज चल रहा था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, कन्नड़ एवं संस्कृति मंत्री शिवराज और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। 1 जुलाई, 1963 को चन्नपट्टना तालुक के संतेमो-गेनहल्ली में जन्मे डॉ. मोगल्ली गणेश एक प्रख्यात कन्नड़ कथाकार, निबंधकार, उपन्यासकार और वैचारिक विचारक थे। डॉ. मोगल्ली गणेश का निधन कन्नड़ साहित्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी रचनाएँ दलित भावनाओं, सामाजिक न्याय और देसी सोच को जीवंत करती हैं। उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार सहित कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। हम्पी कन्नड़ विश्वविद्यालय में लगभग 28 वर्षों तक प्राध्यापक रहे मोगल्ली गणेश ने अपनी अनूठी कहानी शैली से साहित्य जगत में अपनी पहचान बनाई। हम्पी कन्नड़ विश्वविद्यालय में सेवारत रहते हुए, उन्होंने 'कैन सूर्यानु हुचिधान मांधे? और 'अनादि' कविता संग्रहों से अपनी पहचान बनाई। साधारण ग्रामीण जीवन के अनुभवों ने उनके साहित्य को मिट्टी की खुशबू से भर दिया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गाँव में ही प्राप्त की और मैसूरु विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। बाद में, उन्होंने लोक अध्ययन में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। एक प्रखर दलित विचारक होने के कारण, उन्हें देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में आमंत्रित किया जाता था। बुगुरी, मंटिल, अट्टे, भूमि, कन्नेमाले, देवरा दारी, मोगल्ली कथागल, मोगल्ली गणेश के कहानी संग्रह हैं। अपनी साहित्यिक उपलब्धियों में, उन्होंने कहानियों, कविताओं, आलोचना और आत्मकथाओं में अपनी छाप छोड़ी। बुगुरी कहानी में उन्होंने एक बालक की मानसिकता और एक क्रूर संसार के आघात को अनोखे ढंग से चित्रित किया है। चावल की कहानी भूख, अपमान और स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि में साहित्य के माध्यम से फैली है। यह पाठकों में बचपन की यादें जगाती प्रतीत होती है। उनके अन्य कहानी संग्रह जैसे मंटिल, आटे, भूमि, कन्नमले, देवरा दारी और मोगल्ली कथा देसी जीवन की सूक्ष्मताओं को दर्शाते हैं। मोगल्ली गणेश ने हम्पी कन्नड़ विश्वविद्यालय में वरानाटा डॉ. राजकुमार अध्ययन पीठ के निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग मंत्री शिवराज ने प्रसिद्ध कन्नड़ कथाकार और आलोचक डॉ. मोगल्ली गणेश के निधन पर दुख व्यक्त किया है। कन्नड़ साहित्य में मोगल्ली गणेश का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपनी अनूठी शैली की कहानियों के जरिए साहित्य जगत में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने हम्पी में कन्नड़ विश्वविद्यालय में सेवा की और अपने काव्य संकलनों के माध्यम से अपना नाम बनाया। मोगल्ली गणेश ने हम्पी कन्नड़ विश्वविद्यालय में अपने दामाद डॉ. राजकुमार के नाम पर अध्ययन पीठ के निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। मंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि मोगल्ली गणेश के निधन से कन्नड़ साहित्य ने एक उत्कृष्ट लेखक खो दिया है, जिन्हें कर्नाटक साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

बेलगावी में पथराव के बाद स्थिति सामान्य

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उर्स के जुलूस के दौरान पथराव की घटना के बाद तनावपूर्ण स्थिति में पहुँचे बेलगावी शहर में पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप से स्थिति सामान्य हो गई है। पथराव की घटना शुक्रवार की रात बेल-गावी के खड़क गली में हुई। यह जुलूस महबूब सुबानी दरगाह के एक हिस्से के रूप में निकाला गया था। हालाँकि, जुलूस के अपने नियमित मार्ग को बदलकर खड़क गली में प्रवेश करने और जुलूस में शामिल लोगों द्वारा आई लव मोहम्मद के नारे लगाने के बाद तनाव शुरू हो गया। सूत्रों के अनुसार, कुछ युवकों ने कथित तौर पर मार्ग परिवर्तन पर सवाल उठाया और कुछ देर बाद जुलूस पर पथराव किया गया। पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रण में किया। सूत्रों ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुँचे और स्थिति को नियंत्रण में किया।

मैजेस्टिक स्टेशन पर बेंगलूरु मेट्रो ट्रैक पर कूदने के बाद यात्री को बचाया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नादप्रभु केम्पेगौड़ा (मैजेस्टिक) मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के पटरी पर कूदने के बाद बेंगलूरु की नम्मा मेट्रो सेवाएँ कुछ समय के लिए बाधित रहीं। यह घटना दोपहर करीब 3.17 बजे हुई जब एक व्यक्ति ग्रीन लाइन पर माधवरा जाने वाली ट्रेन के सामने कूद गया।

बीएमआरसीएल की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मेट्रो कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे बचाया और उसे आगे के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने उसकी पहचान का खुलासा नहीं किया और न ही उसकी स्थिति के बारे में कोई जानकारी दी। 30 मिनट के व्यवधान के बाद, दोपहर 3.47 बजे ट्रेन सेवाएँ बहाल कर दी गईं। इस दौरान, ग्रीन लाइन पर ट्रेनें केवल माधवरा और राजाजीनगर के बीच, और नेशनल कॉलेज तथा सिल्क इंस्टीट्यूट के बीच ही चलीं। शहर के मेट्रो नेटवर्क के सबसे व्यस्त इंटरचेंज पॉइंट्स में से एक, नादप्रभु केम्पेगौड़ा मेट्रो स्टेशन पर इसी तरह की घटनाओं की श्रृंखला में यह नवीनतम है। 11 अगस्त को भी इसी तरह की घटनाएँ हुईं जब एक यात्री पटरियों पर कूद गया। बार-बार हो रही इन घटनाओं के बाद बीएमआर-सीएल से मेट्रो प्लेटफार्मों पर सुर-क्षात्मक रेलिंग और सुरक्षा अवरोधक लगाने की माँग फिर से उठ रही है ताकि ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके और सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इस बीच, शहर पुलिस ने कहा कि उन्हें अभी तक बीएमआरसीएल से कोई शिकायत नहीं मिली है।

छुट्टियों के मौसम में पर्यटन स्थल और मंदिर भरे रहे

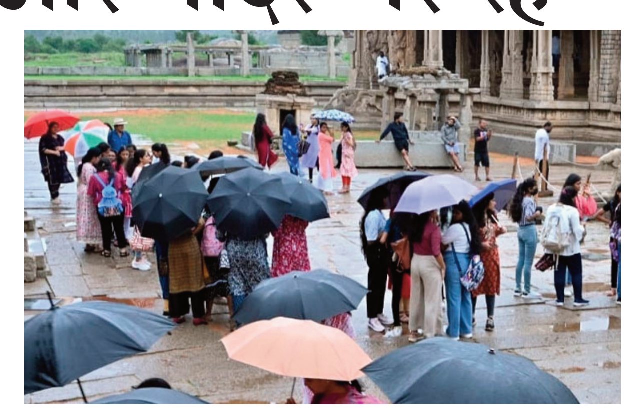

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दशहरा की छुट्टियों के चलते राज्य के पर्यटन स्थल और मंदिर पर्यटकों से खचाखच भरे हैं। आयुध पूजा, विजयादशमी और सप्ताहांत की छुट्टियों के साथ, लोग धार्मिक स्थलों और पसंदीदा स्थलों की यात्रा करके अपनी छुट्टियों का आनंद ले रहे हैं। त्योहार के बाद, कुछ लोग अपने गृहनगर गए हैं, जबकि अन्य अपने बच्चों की स्कूल की छुट्टियों के कारण धार्मिक स्थलों और दर्शनीय स्थलों पर गए हैं। काम के दबाव और ट्रैफिक जाम से थके लोग अपने मन को शांत करने और शहर की भागदौड़ से कुछ दिनों के लिए दूर जाने के लिए अपने परिवारों के साथ यात्राओं पर निकल पड़े हैं। गरीबों का ऊटी कहे जाने वाले कॉफी क्षेत्र में चिक्कमगलूरु, मदिकेरी, कोडागु, मैसूरु, धर्मस्थल, हासन, श्रृंगेरी, होरानाडु, गोकर्ण, मुरुदेश्वर, कुक्केसुब्रमण्यम, कतील, मेंगलूरु, उडुपी, बेलूर, हालेबिदु, हम्पी, मेंगलूरु शामिल हैं। मंत्रालय और अन्य पर्यटन स्थलों का दौरा किया गया और मंदिर श्रद्धालुओं से भरे रहे। वे नंदी हिल्स, मेकेदातु, शिवगंगे, देवरायणदुर्गा, गोरवनहल्ली और बेंगलूरु के आसपास के अन्य स्थानों की एक दिवसीय यात्रा पर भी गए। सुबह से ही बड़ी संख्या में पर्यटक चिक्कबल्लापुर जिले के नंदी हिल्स में सूर्योदय का सुंदर नजारा देखने के लिए उमड़ पड़े थे। बेंगलूरुव-ासी बाइक और कारों में बड़ी संख्या में यात्रा करते देखे गए। नंदी हिल्स में प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेने के बाद, वे पास के ईशा फाउंडेशन भी गए और सेल्फी लीं। पर्यटन स्थलों के सभी होटल, कमरे, होमस्टे, रिसॉर्ट भरे हुए थे और कारोबार जोरों पर था। राज्य के मुख्य राजमार्गों पर स्थित होटलों सहित बेंगलूरु-हासन राजमार्ग पर स्थित होटल पर्यटकों से भरे हुए थे। कुछ लोग सोमवार को काम पर जाने के लिए अपना सामान पैक करके बेंगलूरु की ओर निकल पड़े। जो लोग अपने गृहनगर गए थे, उन्होंने रविवार सुबह ही बेंगलूरु की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है, क्योंकि उन्हें शाम को बारिश और ट्रैफिक जाम की आशंका है। शाम को एक ही समय पर लोगों के आने से ट्रैफिक जाम होने की संभावना है। रविवार शाम गोरागुंटेपल्या और नेलमंगला में कुनिगल बाईपास पर ट्रैफिक जाम रहा। ऐसे में लोगों ने वैकल्पिक रास्ते अपनाएँ या जल्दी आकर बेंगलूरु पहुँचें। शहर की सड़कें, जहाँ हमेशा वाहनों की भीड़ रहती थी, पिछले चार दिनों से कम ही दिख रही हैं।

सितंबर में राज्य के वाणिज्यिक कर संग्रह में गिरावट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में चालू वित्त वर्ष में पिछले छह महीनों में वाणिज्यिक कर संग्रह 53,196.20 करोड़ रुपये रहा है। अगस्त में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करने वाले इस कर संग्रह में सितंबर में कमी आई है। वाणिज्यिक कर विभाग के अनुसार, सितंबर में 8,891.63 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है। यह अगस्त की तुलना में 175.42 करोड़ रुपये कम है। हालाँकि, पिछले साल सितंबर में हुए कर संग्रह की तुलना में इसमें वृद्धि हुई है। सितंबर में, वस्तु एवं सेवा कर से 6,653.52 करोड़ रुपये, कर्नाटक बिक्री कर से 2,134.66 करोड़ रुपये और व्यवसाय कर से 103.45 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है। पिछले महीने इन तीनों करों में कमी आई है। कर संग्रह में यह गिरावट केंद्र सरकार द्वारा सितंबर में जीएसटी स्लैब में संशोधन और कटौती के कारण हो सकती है। राज्य सरकार ने भी आपत्ति जताई थी कि जीएसटी संशोधन से राज्य को नुकसान होगा। अप्रैल से सितंबर तक, तीनों करों से 53196.20 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है। इसमें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से 39132.12 करोड़ रुपये, कर्नाटक बिक्री कर से 13275.18 करोड़ रुपये और व्यावसायिक कर से 788.90 करोड़ रुपये शामिल हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में वाणिज्यिक कर संग्रह 102585.52 करोड़ रुपये था। सरकार को इस वर्ष कर संग्रह में वृद्धि की उम्मीद है।

दार्जिलिंग में भूस्खलन का कहर, 17 से ज्यादा मौतें

मलबे में दबे दर्जनों, पीएम-सीएम ने जताया दुख

दार्जिलिंग, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। शनिवार को दार्जिलिंग जिले में लगातार भारी बारिश के कारण हुए विनाशकारी भूस्खलन में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है। यह संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि बचाव दल क्षतिग्रस्त घरों की तलाशी ले रहे हैं। भूस्खलन से कई घर ढह गए हैं, महत्वपूर्ण सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, और दूरदराज के कई गांवों का संपर्क टूट गया है।

उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने स्थिति को चिंताजनक बताते हुए प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर मृतकों की संख्या 17 बताई है। हालांकि, अलग-अलग एजेंसियां और अधिकारी अलग-अलग आंकड़े दे रहे हैं, एनडीआरएफ के आंकड़ों में अब तक नौ मौतों की पुष्टि हुई है, जबकि दो लोग अभी भी लापता हैं।

भूस्खलन से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में मिरिक झील क्षेत्र, सरसली, जसबीरगांव और धार गांव शामिल हैं। जिला प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रतिक्रिया दल और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल मिरिक झील क्षेत्र सहित सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और राहत अभियान चला रहे हैं।

भूस्खलन और सड़क धंसने के कारण मिरिक-सुखियापोखरी मार्ग जैसे महत्वपूर्ण पहाड़ी मार्गों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिससे कई अंदरूनी गांवों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण इलाका फिसलन भरा हो गया है, जिससे खोज और बचाव अभियान में भारी बाधा आ रही है। मिरिक के बिष्णुलाल गांव और जसबीर गांव के कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, और स्थानीय प्रशासन द्वारा अस्थायी राहत शिविर स्थापित किए गए हैं।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस भीषण आपदा पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, उत्तर बंगाल में अचानक 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश हुई, और साथ ही भूटान तथा सिक्किम से संकोश नदी में अत्यधिक पानी का प्रवाह हुआ, जिससे आपदाएं आईं। उन्होंने जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और तत्काल सहायता का वादा किया।इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दार्जिलिंग और कलिम्पोंग सहित उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने 6 अक्टूबर तक अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान जताया है, जिसके कारण अधिकारियों ने आने वाले दिनों में नए भूस्खलन और सड़कों के और जाम होने की चेतावनी दी है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने व्यक्त किया शोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह 'दुखद जनहानि' है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और बचाव कार्यों की सफलता की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दार्जिलिंग में हुई मौतों से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पीओके भारत के अभिन्न अंग, इसे वापस लेना होगा : मोहन भागवत

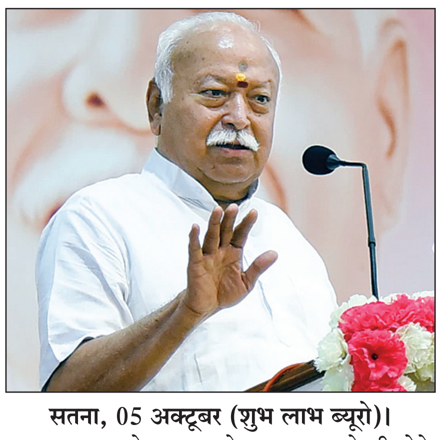

सतना, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने पीओके को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए इसे भारत नाम के एक घर का एक कमरा कहा, जिसमें अजनबी लोग घुस आए हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार, मध्य प्रदेश के सतना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कमरे को वापस लेना होगा।

आरएसएस प्रमुख ने अपनी बात को एक दृष्टांत से समझाया।

उन्होंने कहा, पूरा भारत एक घर है, लेकिन किसी ने हमारे घर का एक कमरा हटा दिया है जहां मेरी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे रहते थे। उन्होंने उस पर कब्जा कर लिया है। कल, मुझे उसे वापस लेना होगा। इस बयान पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं।

भागवत ने अविभाजित भारत के विचार पर भी बल दिया। उन्होंने सभा में मौजूद सिंधी समुदाय के लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा, 'कई सिंधी भाई यहां बैठे हैं।

मैं बहुत खुश हूं। वे पाकिस्तान नहीं गए; वे अविभाजित भारत गए। परिस्थितियों ने हमें उस घर से यहां भेजा है क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं हैं।

आरएसएस प्रमुख की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पीओके में स्थानीय लोग पाकिस्तानी शासन के खिलाफ व्यापक विद्रोह कर रहे हैं। आर्थिक राहत और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर हजारों निवासी अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के बैनर तले विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

एआई में दुनिया के शीर्ष 5 देशों में होगा भारत : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में आयोजित चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने संचार: उभरती प्रौद्योगिकियाँ विषय पर अपने विचार रखे। केन्द्रीय मंत्री ने सम्मेलन की थीम अशांत समय में समृद्धि की तलाश पर बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प के साथ भारत ने वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदला है।

सिंधिया ने कोविड महामारी के समय के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में उद्योग से लेकर शिक्षा तक सब कुछ एक छोटी सी माइक्रोचिप पर निर्भर था। भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदला और 76,000 करोड़ के 'भारत सेमीकंडक्टर मिशन' की शुरुआत की। इस मिशन के तहत विभिन्न राज्यों में सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन यूनिट्स स्थापित की जा रही हैं और 85,000 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक इस क्षेत्र में 1.6 लाख करोड़ से अधिक का निवेश हो चुका है, जिससे भारत आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्था बन रहा है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज का वैश्विक परिदृश्य संघर्ष, संरक्षणवाद, जलवायु संकट और मुद्रास्फीति जैसी चुनौतियों से भरा है, लेकिन भारत ने इस अनिश्चितता में भी 7.8% की जीडीपी वृद्धि हासिल की है। भारत अब न्याय और समानता की आवाज के रूप में ग्लोबल साउथ का केंद्रबिंदु बन चुका है। सिंधिया ने कहा, 'भारत केवल निवेश का गंतव्य नहीं है, यह विश्व के लिए दिशा, एक दृष्टि और मिशन है जो समृद्धि का मार्ग दिखाता है।'

भारत के पास आज 1.22 अरब टेलीफोन ग्राहक और 94.4 करोड़ ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ता हैं, जो पिछले दशक में पंद्रह गुना वृद्धि को दर्शाते हैं। भारत ने दुनिया का सबसे तेज 5 जी रोलआउट किया है, सिर्फ 22 महीनों में 99.8% जिलों को जोड़ा है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे यूपीआई, अब सालाना 260 अरब से अधिक लेनदेन कर रहा है, जो दुनिया के कुल डिजिटल लेनदेन का 46% है। सिंधिया ने कहा कि भारत ने समावेशन और सशक्तिकरण के माध्यम से नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने का गौरव हासिल किया है।सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत केवल एक दृष्टि नहीं, बल्कि एक मिशन है, जो संकटों को अवसरों में बदलने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में ओडिशा के झारसुगुड़ा में भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी 4 जी स्टैक लॉन्च किया गया है, जिसे सी-डॉट, टेजस नेटवर्क्स और टीसीएस के सहयोग से विकसित किया गया है। कश्मीर से कन्याकुमारी और भरूच से अरुणाचल तक 92,564 टावर देश के कोने-कोने में स्थापित किए जा चुके हैं।भारत अब उन पांच देशों में शामिल हो गया है, जो पूरी तरह से स्वदेशी टेलीकॉम इकोसिस्टम तैयार करने में सक्षम हैं। बीएसएनएल 17 साल बाद फिर से लाभ में आया है, और उसका ग्राहक आधार 78 लाख से बढ़कर 2.2 करोड़ तक पहुंच गया है। सभी टावर अब 5 जी में अपग्रेड किए जा सकते हैं।

पीएम मोदी ने नेपाल आपदा पर जताया दुख, भारत हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल में बारिश ने तबाही मचा रखी है, जिससे कई जगहों पर जलभराव हो गया है। बाढ़ और भूस्खलन में कई लोगों की जान चली गई है। इसे लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि नेपाल में भारी बारिश से हुई जनहानि और क्षति दुखद है। इस कठिन समय में हम नेपाल की जनता और सरकार के साथ हैं। एक मित्रवत पड़ोसी और प्रथम प्रतिक्रियादाता के रूप में भारत हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। नेपाल में शुक्रवार से लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से अलग-अलग जगहों पर भूस्खलन, बाढ़ और जलभराव जैसी स्थिति देखने को मिल रही है। भारत में दार्जिलिंग की सीमा से सटे इलाम जिले में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। इलाम के मुख्य जिला अधिकारी सुनीता नेपाल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि शनिवार को हुए भूस्खलन में तीन मकान ढह गए और अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है।उन्होंने कहा कि भूस्खलन में ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है, इसलिए मौत का आंकड़ा बढ़ने की संभावना है। इलाम जिला प्रशासन कार्यालय (डीएओ) ने जिले के स्थानीय प्रशासन से भूस्खलन और बाढ़ से हुए नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।अधिकारी सुनीता नेपाल ने कहा कि भूस्खलन की वजह से इलाम को दक्षिणी झापा जिले से जोड़ने वाला मेची राजमार्ग भी कई जगहों पर अवरुद्ध हो गया। जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शुक्रवार से भारी बारिश हो रही थी, लेकिन रविवार सुबह स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ।

मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को जारी एक नोटिस में कहा कि अधिकांश जिलों में बारिश कम हुई है और काठमांडू घाटी के ललितपुर जिले के कुछ हिस्सों में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। विभाग ने कहा, काठमांडू, मोरंग, सुनसरी, उदयपुर, सप्तरी, सिराहा, धनुषा, सरलाही, सिंधुली और रामेछाप जिलों के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो रही है।विभाग ने रविवार दोपहर और रात को पूर्वी कोशी प्रांत के पहाड़ी जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। भूस्खलन के कारण कई राजमार्ग को भी नुकसान पहुंचा है, जिसकी वजह से आवाजाही भी बाधित हो गई।नेपाल सरकार ने काठमांडू घाटी में आने-जाने वाले वाहनों के प्रवेश और निकास पर अभी भी प्रतिबंध जारी रखा है। मेट्रोपॉलिटन ट्रैफिक पुलिस डिवीजन के अनुसार, घाटी को जोड़ने वाले प्रमुख राजमार्ग, पृथ्वी राजमार्ग (काठमांडू को पश्चिमी नेपाल से जोड़ता है), बीपी राजमार्ग (राजधानी को दक्षिण-पूर्वी नेपाल से जोड़ता है) और अरानिको राजमार्ग (काठमांडू को चीनी सीमा से जोड़ता है) पूरी तरह से अवरुद्ध हो गए हैं।वहीं, देश की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने एक वीडियो संदेश जारी कर नागरिकों से घर के अंदर रहने और जब तक बहुत जरूरत न हो, यात्रा करने से परहेज करने की अपील की है। इसके अलावा उन्होंने नागरिकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है।

आयोग ने बिहार में काटे 38 लाख मतदाताओं के नाम : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने मोदी सरकार के इशारे पर बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर 38 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए हैं। इससे 23 लाख महिलाएं और 15 लाख पुरुष वोट देने के अधिकार से वंचित हो गए हैं।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के नाम पर भारी फर्जीवाड़ा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बिहार में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं लेकिन करीब 23 लाख महिलाओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए।अब ये महिलाएं आगामी विधानसभा चुनावों में वोट नहीं दे पाएंगी।

सुश्री लांबा ने कहा कि राज्य के जिन छह जिलों में लाखों महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट से काटे गए हैं, उनमें गोपालगंज, सारण, बेगूसराय, समस्तीपुर, भोजपुर और पूर्णिया विधानसभा शामिल हैं। इन छह जिलों में करीब 60 विधानसभा सीटें आती हैं। साल 2020 के विधानसभा चुनाव का आंकड़ा देखें तो यहां इंडिया गठबंधन ने 25 सीटें जीती थीं। अब मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर इन्हीं सीटों पर भारी फर्जीवाड़ा किया गया है।कांग्रेस नेत्री ने कहा कि पार्टी पूरे देश में इसी 'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस हस्ताक्षर अभियान चला रही है, जिसमें पांच करोड़ हस्ताक्षर जुटाये जाएंगे।महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने पर सवाल करते हुए कहा कि जब इन्हीं महिलाओं ने बीते साल लोकसभा चुनाव में वोट डाले थे, तो क्या तब भी ये वोट फर्जी थे। क्या इन्हीं फर्जी वोट से सांसद बने, पूरी सरकार बनी। अंतिम समय में नाम जोड़ने और काटने की जो साजिश चल रही है और अब इसका पर्दाफाश किया जाएगा।

अमेरिका के साथ कुछ मुद्दे हैं लेकिन इनसे दूसरे क्षेत्रों में संबंध प्रभावित नहीं होने चाहिए : जयशंकर

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने अमेरिका के साथ टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच चल रही रस्साकशी के बीच साफ शब्दों में कहा है कि कुछ समस्याएं और मुद्दे हैं जिनका समाधान नहीं हो पा रहा है लेकिन इन्हें इस हद तक ले जाने की जरूरत नहीं है कि जिससे अन्य क्षेत्रों में संबंध भी प्रभावित हों।

विदेश मंत्री ने क्वाड समूह को लेकर चल रही अटकलों पर भी विराम लगाते हुए कहा कि यह अभी भी सक्रिय है और सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

डा जयशंकर ने रविवार शाम यहां चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में दुनिया भर में आर्थिक से लेकर व्यापारिक और राजनीतिक स्तर पर हो रहे बदलावों पर खुलकर भारत का दृष्टिकोण रखा।

बाद में उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' विषय पर एक विशिष्ट सभा को संबोधित करते हुए मुझे प्रसन्नता हुई। उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापार, कनेक्टिविटी, डेटा और संसाधनों के लाभ से प्रेरित परिवर्तनों के रणनीतिक परिणामों पर प्रकाश डाला। साथ ही, विनिर्माण को विकसित करने, जीवन को आसान बनाने और हमारी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक बदलावों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

अमेरिका के साथ टैरिफ के मुद्दे पर बातचीत के संबंध में उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ कुछ मुद्दे हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ताओं का ठोस परिणाम नहीं निकल सका है । इसके कारण भारत पर दो तरह के शुल्क लगे हैं । रूस से तेल खरीद पर लगाये गये शुल्क को अनुचित बताते हुए उन्होंने कहा कि हम पर निशाना साधा जा रहा है जबकि अन्य देशों ने भी ऐसा किया है। बातचीत से मुद्दे के समाधान पर जोर देते हुए उन्होंने कहा , मुझे नहीं लगता कि हमें इसे इस हद तक ले जाना चाहिए कि यह संबंधों के हर पहलू तक पहुंच जाए। समस्याएं हैं, मुद्दे हैं। उन मुद्दों पर बातचीत, चर्चा और समाधान की आवश्यकता है और हम इसी तरह की कोशिश कर रहे हैं।

अनिश्चितता के दौर में चुनौतियों के जिम्मेदाराना आकलन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस स्थिति में वह न तो समस्या को नकारने की स्थिति में हैं और न ही यह मान रहे हैं कि बहुत बड़ी अनहोनी हो जायेगी।

अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के क्वाड समूह को लेकर चल रही अटकलबाजियों के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से सक्रिय है और अपना काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष क्वाड विदेश मंत्रियों की दो बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण और प्रासंगिक समूह है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष क्वाड की अगली बैठक भारत में ही होनी है।

भारत के अन्य देशों के साथ व्यापार समझौतों पर उन्होंने कहा कि शुरू में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ज़्यादातर एशियाई देशों - आसियान, जापान और कोरिया के साथ थे। उन्होंने कहा कि चुनौती यह है कि कई अर्थव्यवस्थाएं ज्यादा प्रतिस्पर्धी हैं जो अक्सर आपूर्ति श्रृंखला की गतिशीलता के कारण चीन के लिए रास्ते खोलती हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान उन अर्थव्यवस्थाओं पर होना चाहिए जो टिकाऊ और पूर्वानुमानित हों। इसीलिए भारत ब्रिटेन के साथ एफटीए से संतुष्ट है। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए को लेकर भी भारत गंभीर है और अमेरिका के साथ समझ बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत पहले ही काफी समय गंवा चुका है और अब उसके सामने विनिर्माण क्षेत्र को विकसित करने की बड़ी चुनौती है।

जैन रत्न गौतम चंद कटारिया को गौ सेवा एवं मानव सेवा रत्न से अलंकृत किया गया

हैदराबाद, 05 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन रत्न गौतम चंद कटारिया की मानव सेवा एवं जीव दया सेवा को देखते हुए उपाध्याय डॉ. गौतम मुनि जी म.सा. ने उन्हें गौ सेवा मानव सेवा रत्न से अलंकृत किया। इस संदर्भ में संघपति संपत राज कोठारी ने अभिनंदन पत्र का सभा में उच्चारण करके सभी को जानकारी दी एवं श्री जैन श्रावक संघ कोरा के पदाधिकारी सदस्य आनंद जैन, युवा मंडल के सदस्य श्री वर्धमान महिला मंडल के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी एवं स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह सम्मान जैन समुदाय की जीव दया और मानव सेवा की परंपरा को मजबूत करने वाली एक महत्वपूर्ण घटना है, जहां गौतम चंद कटारिया जैसे समाजसेवियों को प्रोत्साहित किया जाता है। तेलंगाना के जैन श्रावक संघ कोरा, जो वर्षों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय है, ने इस अवसर पर एकता का परिचय दिया। डॉ. गौतम मुनि जी के मार्गदर्शन में आयोजित यह सभा न केवल व्यक्तिगत सम्मान का प्रतीक बनी, बल्कि समुदाय की सेवा भावना को भी प्रेरित किया।

संघपति संपत राज कोठारी द्वारा पढ़ा गया अभिनंदन पत्र जैन सिद्धांतों पर आधारित था, जिसमें अहिंसा और करुणा के मूल्यों पर जोर दिया गया।

बरेली में 400 दुकानों के बाहर अतिक्रमण पर चले बुलडोजर

बरेली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली शहर के सैलानी में मुख्य सड़क के दोनों किनारे बनी करीब 400 दुकानों के बाहर अवैध कब्जों पर नगर निगम का बुलडोजर चला। नाले-नालियों के ऊपर का अवैध निर्माण गिराया गया। दो घंटे तक चली कार्रवाई में नालों पर डाले गए स्लैब एवं टिन शेड हटाए गए। इस कार्रवाई को शहर में हुए बवाल से जोड़कर देखा जा रहा है। बवाल में नामजद सर्वाधिक आरोपी और उनके मददगार इसी इलाके के रहने वाले हैं। हालांकि, नगर आयुक्त ने इसे निगम की रूटीन कार्रवाई बताया है।

भारी पुलिस बल और प्रशासन के अधिकारियों के साथ नगर निगम की टीम ने श्यामगंज के निकट सैलानी रोड पर अतिक्रमण हटाना शुरू किया। शाम चार बजे तक नगर निगम के बुलडोजर ने दो किलोमीटर हिस्से में कार्रवाई की। दुकानों के बाहर नाले-नालियों पर बने स्लैब और चबूतरे तोड़े। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर नगर आयुक्त शशिभूषण राय, एडीएम प्रतिभा सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान अब लगातार जारी रहेगा। सैलानी के बाद अब बिहारीपुर, किला, स्वालेनगर, जगतपुर, आजमनगर, जखीरा और चक महमूद में बुलडोजर चलाने की तैयारी है। सोमवार से फिर अभियान चलेगा। मौलाना तौकीर रजा की गिरफ्तारी के बाद अब उनके करीबियों और बवाल के आरोपियों पर पुलिस और प्रशासन शिकंजा कस रहा है।

बवाल के मुकदमों में जिस इलाके के ज्यादा आरोपी नामजद हैं, नगर निगम भी वहीं पर फोकस कर रहा है। सैलानी के बाद अब ऐसे अन्य मोहल्लों में अतिक्रमण पर कार्रवाई का खाका खींचा गया है। पुलिस और प्रशासन की टीम के साथ नगर निगम ने बुलडोजर चलाने की तैयारी की है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि दुकानों के बाहर सड़क पर अस्थायी निर्माण से ट्रैफिक बाधित हो रहा था। इसलिए कब्जे हटवाए गए हैं। यह नगर निगम का नियमित अभियान है। इसका शहर में हुए बवाल से कोई लेना-देना नहीं है। इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

काली कमाई खपाने के लिए जीएसटी अफसरों की चाल

रॉयल्टी बढ़ाकर खरीद लिए पहाड़

बिल्डरों को जरिया बनाकर अकूत धन ठिकाने लगाया

लखनऊ, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। काली कमाई खपाने के लिए जीएसटी अफसरों ने बेजोड़ तरीका अख्तियार किया। अफसरों ने रॉयल्टी बढ़ाकर पूर्वांचल में पहाड़ खरीद लिए। मिर्जापुर और सोनभद्र में डोलो स्टोन, सैंड स्टोन और लाइम स्टोन के पहाड़ों में पैसा लगाया। एक पहाड़ की औसत रॉयल्टी 20 से 30 करोड़ रुपए सालाना है। इससे पहले बिल्डर को जरिया बनाकर अकूत कमाई ठिकाने लगा ली।

उत्तर प्रदेश में राज्यकर विभाग के अधिकारियों द्वारा जमीनों में अरबों रुपए निवेश के मामले की फाइल अभी ठीक से खुल भी नहीं सकी थी कि एक और मामले ने खलबली मचा दी है। विभाग के कुछ अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने अरबों की अघोषित आय को छिपाने के लिए मिर्जापुर और सोनभद्र में डोलो स्टोन, सैंड स्टोन और लाइम स्टोन से भरपूर पहाड़ ही खरीद डाले। दूसरी तरफ अंबेडकरनगर के बिल्डर के जरिए जमीनों की खरीद-फरोख्त की जांच ने भी तेजी पकड़ ली है। इसके दायरे में कई बड़े अधिकारी भी आ गए हैं।

जीएसटी प्रणाली वर्ष 2017 की दूसरी छमाही में आई। इससे पहले नोटबंदी ने कमर तोड़ दी थी। इसके दो साल बाद कोरोना आ गया, जो आपदा में अवसर बना। विभागीय सूत्रों के मुताबिक इस दौरान हुई अकूत कमाई को सुरक्षित रूप से ठिकाने लगाने के लिए एक तरफ अवध के बिल्डर को ढाल बनाया गया तो दूसरी तरफ विभाग के एक प्रभावशाली गुट ने पूर्वांचल के पहाड़ों में पैसा खपाया। इस गुट ने सोनभद्र और मिर्जापुर में पहाड़ खरीदे हैं। सोनभद्र में डोलो स्टोन के पहाड़ हैं। यहां लाइम स्टोन भी है जिसका सीमेंट में इस्तेमाल होता है। कुछ जगह कोयला भी है। पहले यहां डोलो स्टोन का रेट 160 रुपए घनमीटर था। टेंडर से 3000 रुपए घनमीटर तक चला गया। सिंडिकेट के आने के बाद रेट आसमान पर चले गए।

इसी तरह मिर्जापुर में सैंड स्टोन पाया जाता है। इससे सड़कों में पड़ने वाली गिट्टी तैयार की जाती है। पहले इसका रेट 110 रुपए घन मीटर रेट था। ई टेंडर प्रणाली के बाद रॉयल्टी 400 से 1000 रुपए घनमीटर तक पहुंच गई। एक साल में एक लाख घनमीटर से पांच लाख घनमीटर तक खनन पर रॉयल्टी देनी पड़ती है। यानी एक पहाड़ की रॉयल्टी ही औसतन 20 से 30 करोड़ रुपए सालाना है।

सिंडिकेट टेंडर में रेट दस-बीस गुना बढ़ाकर पहाड़ खरीद रहे हैं। अधिकांश सालभर से पहले ही सरेंडर कर देते हैं। इसकी आड़ में कालेधन को सफेद कर लिया जाता है। पहाड़ों की इस खरीद-फरोख्त में विभाग का एक गुट सक्रिय है। इसकी आड़ में बड़ी संख्या में अघोषित आय को खपाया गया है। इस खेल में कमाई से ज्यादा फोकस अपनी अघोषित आय को खपाना है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एके जैन ने कहा

2017 के बाद यूपी की कानून-व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन

योगी सरकार की नीति और पुलिस की तत्परता से यूपी शांतिपूर्ण राज्य बना

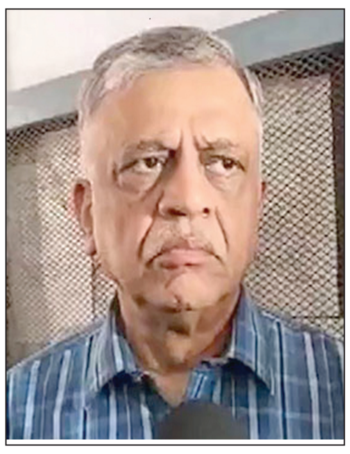

लखनऊ, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2023 की रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश में सांप्रदायिक हिंसा का एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ, यह उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एके जैन ने इसे योगी सरकार और उत्तर प्रदेश पुलिस की सख्त और संवेदनशील नीति का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव केवल कानून-व्यवस्था में सुधार नहीं, बल्कि समाज के अंदर शांति और विश्वास का वातावरण बनने का प्रमाण है।

पूर्व डीजीपी एके जैन का मानना है कि 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश ने कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है। सख्त प्रशासनिक नियंत्रण, निरंतर मॉनिटरिंग और पुलिस की बढ़ी फिजिबिलिटी ने न केवल दंगों को रोका है, बल्कि समाज में भरोसे का माहौल भी बनाया है। उनका कहना है कि यह बदलाव उत्तर प्रदेश के चरित्र में स्थायी सुधार का संकेत है। पूर्व डीजीपी ने बताया कि पहले उत्तर प्रदेश दंगों के लिए बदनाम था, लेकिन पिछले सात वर्षों में हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। उन्होंने कहा कि कुछ घटनाएं जरूर हुईं, लेकिन वे दंगाई बनाम पुलिस तक ही सीमित रहीं, हिंदू बनाम मुस्लिम नहीं बन पाईं। पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए सभी दंगाइयों को नियंत्रण में लिया। उन्होंने प्रयागराज और कानपुर की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि जुमे की नमाज के बाद भीड़ ने अराजकता फैलाने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस की तत्परता और सख्ती के कारण स्थिति तुरंत काबू में आ गई।

एके जैन ने अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि लखनऊ जैसे संवेदनशील शहर में पहले शिया-सुन्नी विवाद आम बात थी। उन्होंने कहा, मैं बतौर आईजी जोन पुराने लखनऊ में खुद मौजूद रहता था ताकि कोई फसाद न हो। लेकिन अब वर्षों से ऐसी कोई स्थिति नहीं बनी है। शिया और सुन्नी समुदाय अपने-अपने त्यौहार शांतिपूर्वक मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का साफ निर्देश है कि दंगाइयों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए, लेकिन किसी निर्दोष को परेशान न किया जाए। पुलिस, जिला प्रशासन, डीजीपी कार्यालय और गृह विभाग सब एक साथ मॉनिटरिंग कर रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस का मनोबल बढ़ा है और कार्रवाई में पारदर्शिता आई है।

श्री जैन ने बताया कि लखनऊ के हजरतगंज और परिवर्तन चौक में हुई हिंसा के बाद सरकार ने वसूली अधिनियम लागू किया, जिसके तहत सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से क्षतिपूर्ति की जाती है। उसके बाद से अब कोई सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की हिम्मत नहीं करता। वसूली नोटिस निकलते ही दंगाइयों के हौसले पस्त हो गए हैं। पूर्व डीजीपी ने बताया कि अब केवल पुलिस ही नहीं, बल्कि नगर निगम, विकास प्राधिकरण और जिला पंचायत जैसी एजेंसियां भी समन्वित एक्शन ले रही हैं। यह स्पष्ट संदेश है कि कानून तोड़ने वालों को अब कोई आका नहीं बचा पाएगा।

पूर्व डीजीपी ने कहा कि पूर्व की सरकारों में तुष्टिकरण की नीति के कारण दंगों पर कार्रवाई प्रभावित होती थी। अब जो भी व्यक्ति, चाहे हिंदू हो या मुस्लिम, कानून तोड़ेगा तो उसे कठोर दंड मिलेगा। यही नीति यूपी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पहले के दौर में माफिया राजनीति और अपराध के गठजोड़ से प्रदेश को अस्थिर करते थे। अब न कोई माफिया बचा है, न संगठित अपराध। गोलीबारी और धमकियों का दौर खत्म हो गया है। इसका कारण है, पुलिस और प्रशासन को मिले स्पष्ट निर्देश और सतत मॉनिटरिंग। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शांति और सुरक्षा का माहौल निवेश के लिए सबसे अनुकूल स्थिति पैदा कर रहा है। अगर दंगे, लूटपाट और कर्फ्यू का माहौल रहेगा, तो कोई उद्योगपति यहां निवेश नहीं करेगा। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था सशक्त है, इसलिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स भी भरोसा दिखा रहे हैं।

प्रेमानंद महाराज से प्रभावित अयोध्या के मुस्लिम युवकों ने की घर वापसी

अयोध्या, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में दो मुस्लिम युवकों ने सनातन धर्म अपना लिया। दोनों युवकों ने जिला प्रशासन को पत्र लिख कर धर्म बदलने और भविष्य में हिंदू नाम से पहचाने जाने की औपचारिक सूचना दी है। दोनों युवक अयोध्या जिले के सोहावल तहसील के रहने वाले हैं। अपना मजहब बदलने के बाद मोहम्मद अख्तर सिद्दीकी के पुत्र अरशद सिद्दीकी ने अपना नाम राकेश मौर्य रखा है। वहीं, दूसरे युवक मोनू पुत्र उस्मान ने अपना नाम बदलकर मनीष रखा है।

युवकों ने बताया कि उन्हें सनातनी परंपराएं और संस्कृति बहुत आकर्षित करती हैं। वे दिन भर हिंदू भाइयों के बीच उठते-बैठते हैं और सभी तीज-त्यौहारों में शामिल होते हैं। उन्हें सनातन धर्म से मानसिक शांति मिली है। इसलिए उन्होंने यह फैसला लिया कि अब वे अपना शेष जीवन सनातन धर्म में ही बिताएंगे। दोनों मुस्लिम युवकों ने बताया कि इस्लाम में बहुत घुटन महसूस होती है।

दोनों युवकों ने संपूर्ण समाधान दिवस पर मजिस्ट्रेट को यह पत्र सौंपा, जिससे इसकी आधिकारिक पुष्टि हुई है। भरत हनुमान मिलन मंदिर के महंत परमात्मा दास और बजरंग दल मंत्री लालजी शर्मा ने यह आवेदन दिया। मंदिर ने उनकी घर वापसी की पूरी जिम्मेदारी ली। इस दौरान उन्हें भगवा वस्त्र और धार्मिक पुस्तकें भेंट की गईं। युवकों ने यह भी बताया कि वे प्रेमानंद महाराज के प्रवचनों से बहुत प्रभावित हैं।

बरेली बवाल में अब तक 170 करोड़ की सम्पत्ति जब्त

बरेली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद प्रशासन एक्शन मोड में है। अब तक 170 करोड़ से अधिक की सम्पत्तियों को सील किया जा चुका है। वहीं पांच करोड़ रुपए लागत का जखीरा स्थित रजा पैलेस व बानखाना स्थित रजा चौक में लगभग 27 लाख के दो अवैध ई-चार्जिंग स्टेशन ध्वस्त किए गए हैं।

बवाल के आरोपियों और उनके करीबियों की सम्पत्तियों को चिन्हित किया जा रहा है। इनमें तौकीर रजा के करीबी नफीस और नदीम की सम्पत्तियां सबसे ज्यादा हैं। अब सोमवार से कार्रवाई का दूसरा चरण शुरू होगा। मानचित्र स्वीकृत नहीं होने या शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर नोटिस देकर ये सम्पत्तियां भी सील की जा सकती हैं। 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद शासन से हरी झंडी मिलने पर प्रशासन, पुलिस, बीडीए और नगर निगम संयुक्त तौर पर कार्रवाई कर रहे हैं। आरोपियों और उनके मददगारों की सम्पत्तियों को सूचीबद्ध कर उनका रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। इसमें कई बरातघर, होटल, दुकानें और आवासीय भवन मानचित्र की शर्तों के विपरीत पाए गए हैं।इनकी संख्या 150 से अधिक बताई जा रही है। हालांकि, अभी इनकी सूची को सार्वजनिक नहीं किया गया है।

बरेली बवाल

तौकीर रजा के आठ गुर्गों का खोला गया निगरानी कार्ड

बरेली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली बवाल के मामले में पुलिस ने मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा के आठ खास गुर्गों का एलआईयू निगरानी कार्ड खोल दिया है। पुलिस के मुताबिक बवाल के लिए भीड़ जुटाने जिम्मेदारी इन्हीं खास गुर्गों पर थी।

पुलिस ने बताया कि बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद पुलिस ने इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा के आठ गुर्गों का एलआईयू निगरानी कार्ड खोल दिया है। बवाल में अहम भूमिका निभाने वाले इन आरोपियों और इनके करीबियों की खुफिया जांच के बाद फाइल खोली जाएगी। इसके बाद ये सभी ताउम्र स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) की निगरानी में रहेंगे।

मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद शहर में जुटी भीड़ ने बवाल किया था। इस दौरान पुलिस टीम पर पथराव व फायरिंग भी की गई थी। पुलिस की एंटी राइट गन व एक वायरलेस सेट लूट लिया गया था। इस दौरान 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। शहर में 10 स्थानों पर उपद्रवियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। इस मामले में पुलिस अब तक मौलाना तौकीर रजा समेत 84 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। इनमें तीन को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच के दौरान सामने आया है कि 26 सितंबर को भीड़ जुटाने और बवाल कराने में मौलाना के खास गुर्गे नफीस, नदीम खान, अफजाल बेग, पार्षद अनीस सकलैनी, मीडिया प्रभारी मुनीर अहमद उर्फ मुनीर इदरीसी, अल्तमश रजा, मौलाना एहसान उल हक चतुर्वेदी और साबिक जमाल खां की अहम भूमिका रही। यह आरोपी पहले भी ऐसे प्रदर्शन करते रहे हैं, जिनसे शहर की शहर की कानून व्यवस्था और सांप्रदायिक माहौल खराब हो सकता था। ऐसे में अब इनको ताउम्र पुलिस के साथ-साथ खुफिया निगरानी में रहना होगा।

कार्ड खोले जाने के बाद खुफिया इकाई आरोपियों, उसके परिवार और करीबियों की कुंडली खंगालने में जुट गई है। इसके बाद आरोपियों की फाइल खोली जाएगी। खुफिया इकाई उन लोगों का कार्ड और फाइल खोलती है, जो कम से कम पांच वर्षों से सक्रिय हों और सरकार के फैसलों को लेकर लगातार ऐसे विरोध-प्रदर्शनों का आयोजन करते रहे हों, जिनसे सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने या दंगा होने की आशंका रहती हो। ऐसे मामलों में खुफिया इकाई कार्ड खोलते हुए एसएसपी को रिपोर्ट भेजती है। एसएसपी के स्तर से रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जाती है। इसके बाद फाइल खोली जाती है। फाइल खुलने के बाद संबंधित व्यक्ति जब तक जीवित रहता है, तब तक पुलिस के साथ-साथ खुफिया इकाई भी उसकी और उसके करीबियों की निगरानी करती है। बवाल के मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा का एलआईयू कार्ड और उसके बाद फाइल कई साल पहले ही खोली जा चुकी है। उसके सबसे करीबी खुद को डॉक्टर बताने वाले नफीस की भी काफी समय से खुफिया निगरानी चल रही है। मौलाना को इस बारे में पता था। ऐसे में वह हिंसा, बवाल से दूसरी बनाए रखता था। उसके निर्देश पर सिपहसालार भीड़ जुटाने, माहौल खराब करने और हिंसा भड़काने की कोशिश करते थे। इस बार ये सिपहसालार भी रडार पर आ गए हैं।

शादी में दिखना हो खूबसूरत तो अभी करें यह 5 काम

शादी की तैयारियों में खूबसूरती सबसे अहम है। लेकिन खूबसूरती केवल एक दिन में नहीं आती। हां मेकअप से आप एक दिन में बेहद खूबसूरत तो नजर आ सकते हैं लेकिन शादी के बाकी दिनों में भी अगर आपको उतना ही आकर्षक दिखना है तो इसकी तैयारी आपको पहले से करनी होगी। कुछ बातों को विशेष ध्यान रखकर आप शादी में आकर्षण का केंद्र बने रह सकते हैं।

त्वचा की सफाई

त्वचा की सफाई पर अभी से विशेष ध्यान दें, ताकि आपकी त्वचा गंदगी रहित होकर दमकने के लिए तैयार हो जाए। इसके साथ ही शादी के महीने भर पहले से क्लीन-अप और फेशियल जरूर करवाएं ताकि शादी वाले दिन त्वचा में प्राकृतिक चमक नजर आए।

चेहरे की सफाई

चेहरे और हाथ पैरों पर होने वाले बालों की सफाई पर विशेष ध्यान दें। आइब्रो, अपर लिप्स, वैक्स सही समय पर करवाते रहें ताकि बालों की ग्रोथ अधिक न हो।

त्वचा को ध्यान रखे

त्वचा अगर काली हे गई है या झुलस गई है, तो घरेलू तरीकों से उसे सामान्य बनाएं। आप चाहें तो घर पर ही बेसन में नींबू, हल्दी और टमाटर का रस मिलाकर कालापन कम कर सकते हैं। चाहें तो किसी पार्लर पर जाकर डिटेनिंग करवा सकते हैं।

खाने-पीने का ध्यान रखे

आंतरिक खूबसूरती के लिए आपको अपने खाने पीने व विशेष ध्यान देना चाहिए। अधिक मसाले और तेलयुक्त खाना खाने के बजाए, सादा, उबला हुआ भोजन करना सही होगा। सब्जियों का सूप और जूस का अधिक सेवन करें ताकि त्वचा अंदर से निखरे।

भरपूर नींद ले

भरपूर नींद लें ताकि आपकी आंखे स्वस्थ रहें और शरीर में थकान न हों। फटी एड़ियों का सुधारने के लिए भी यही समय है। अगर बालों को कोई नया स्टाइल देना है तो अभी करवा लें ताके शादी तक वह स्टाइल सेट हो जाए।

आपकी सफलता का राज अंदर की खूबसूरती तो नहीं

महिलाओ की बाहरी खूबसूरती को देखकर तो सभी पुरुष उनकी और खिचे चले आते है। लेकिन यह बाहरी खूबसूरती उसकी पोशाक उसके सिंगार की होती है। लेकिन असली खूबसूरती तो उसके अंदर छिपी होती है। जो बहुत ही कम महिलाओ में नजर आती है।यह खूबसूरती उसकी सुंदरता बढ़ाने में अहम होती है। क्योकि कुदरत ने सभी को कुछ न कुछ आकर्षक दिखने के राज दिए है। लेकिन उसे अपने राज को दिखाना जरुरी होता है। जिससे बाहरी खूबसूरती न होने पर भी लोग उसकी और आकर्षित हो जावे ये उसका आत्मविश्वास होता है। अक्सर लोगो की सोच रहती है की यदि आपका पहला इम्प्रेशन सही रहा तो हमेशा आप इम्प्रेशन बना रहेगा। जिसे हम फर्स्ट इम्प्रेशन इस लास्ट इम्प्रेशन कहते है। लेकिन यह तो आपको जॉब ही दिलाती है आपकी अंदर की खूबसूरती आपको हर कदम पर सफलता दिलाती है।

अपने आपको को सुन्दर समझे

यदि आप दुसरो की नजरो में सुन्दर दिखाना चाहते हो तो पहले आप अपने आपको सुन्दर समझे व अपने अंदर के आत्मविश्वास को जगाये जिसके कारण आपके अंदर की खूबसूरती बाहर दिखने लगेगी और आप अपने अंदर की ताकत को बाहर निकल सकोगे।

किसी भी काम की चुनौती मानना

अगर आपको किसी काम में चुनौती या परेशानी लग रही है। तो आप उसे अपने आत्मविश्वास के साथ करे जिससे आप उस काम में पूरी तरह सफल होंगे और इससे आपको कुछ ना कुछ सीखने को मिलेगा और आपके चहरे पर आपके अंदर के विश्वास की मुस्कान लोट आएगी इसके कारण आप अंदर से खूबसूरत लगने लगोगे।

शरीर को फिट रखे

अगर आप काम में बहुत व्यस्त रहती हो फिर भी आप अपने शरीर का विशेष ख्याल रखे इसके लिए आप स्वादिष्ट और पौष्टिक आहार करे। ताकि आपके शरीर को ऊर्जा मिलती रहे और सुबह जल्दी उठकर घूमने निकल जाये जिससे आपके शरीर को स्वच्छ व ताजी ऑक्सीजन मिल सके एवं एकांत में बैठकर योग करे जिससे आपका शरीर फिट बना रहेगा।

वीडियो एडिटिंग से संवारे अपना भविष्य

ऐसे लोग जो की मीडिया और एंटरटेनमेंट से सम्बन्ध रखते हैं वे वीडियो एडिटिंग में भी अपना फ्यूचर बना सकते हैं। आप वीडियो में जिस भी सीन को देखते हैं। उसको इतना प्रभावी बनाने का काम वीडियो एडिटर करता हैं।वीडियो के पोस्ट प्रोडक्शन प्रोसेस में वीडियो एडिटर काफी इम्पोर्टेन्ट होता हैं।

वीडियो एडिटर का काम

किसी भी न्यूज, टेलीफिल्म, डॉक्यूमेंट्री या किसी भी प्रोग्राम के लिए जो भी शूट किया जाता हैं उसे टेलीकास्ट करने से पहले उसे व्यवस्थित किया जाता हैं उसमे कुछ इफेक्ट्स डाले जाते हैं, उसमे अंनेसेस्सरी चीजे भी हटाई जाती हैं।यह सभी काम होते हैं। वीडियो एडिटर के लिए नौकरी के अच्छे अवसर उपलन्ध होते हैं।

वीडियो एडिटर बनने के लिए जरूरी स्किल्स

- आपकी इमेजिनेशन पावर और टेक्नोलॉजी की समझ अच्छी होनी चाहिए।
- टीम में काम करने और टीम को लीड कर पाने की एबिलिटी।
- हर तरफध्यान रखना ये स्किल्सज जरूरी हैं।

कोर्स - वीडियो एडिटिंग से सम्बंधित कई सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध होते हैं। इनमे

- सर्टिफिकेट कोर्स इन नॉन लीनियर एडिटिंग
- डिप्लोमा इन वीडियो एडिटिंग एंड साउंड रिकॉर्डिंग
- डिप्लोमा इन पोस्ट प्रोडक्शन वीडियो एडिटिंग के कोर्स मुख्य हैं। जैसे कोर्सेस किए जा सकते हैं।

अवसरः- वीडियो एडिटर के तोर पर आप किसी भी न्यूज व एंटरटेनमेंट चैनल्स, प्रोडक्शन हाउस, वेब डिजाइनिंग कंपनी, म्यूजिक कंपनी, फीचर एवं विज्ञापन फिल्में और बीपीओ आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप फ्रीलांस के रूप में भी काम कर सकते हैं। फिल्म के साथ स्वयं का वीडियो एडिटिंग स्टूडियो, वेब डिजाइन कंपनी, एडवरटाइजिंग एजेंसी, मल्टी मीडिया कंपनी में भी जॉब करना एक अछा विकल्प हैं। इस क्षेत्र में आप पीएचडी करके मीडिया इंस्टिट्यूट में टीचिंग की जॉब भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थानः -आईआईएमसी, नई दिल्ली, -एजे किदवई मास कम्युनिकेशन सेंटर, नई दिल्ली, -फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया, पुणे, -सत्यएजित रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता

इस जूस से घटेगा आपका वजन

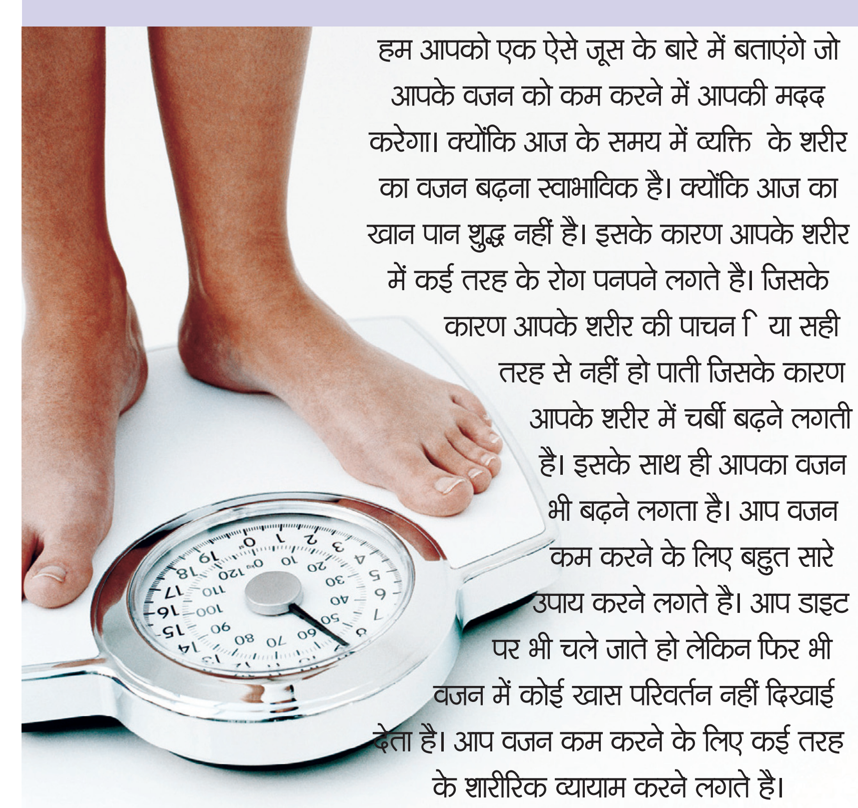

हम आपको एक ऐसे जूस के बारे में बताएंगे जो आपके वजन को कम करने में आपकी मदद करेगा। क्योंकि आज के समय में व्यक्ति के शरीर का वजन बढ़ना स्वाभाविक है। क्योंकि आज का खान पान शुद्ध नहीं है। इसके कारण आपके शरीर में कई तरह के रोग पनपने लगते है। जिसके कारण आपके शरीर की पाचन ि या सही तरह से नहीं हो पाती जिसके कारण आपके शरीर में चर्बी बढ़ने लगती है। इसके साथ ही आपका वजन भी बढ़ने लगता है। आप वजन कम करने के लिए बहुत सारे उपाय करने लगते है। आप डाइट पर भी चले जाते हो लेकिन फिर भी वजन में कोई खास परिवर्तन नहीं दिखाई देता है। आप वजन कम करने के लिए कई तरह के शारीरिक व्यायाम करने लगते है।

आप इस जूस को इस तरह से बना सकते हो:

जरुरी सामानः चार गिलास पानी, एक निम्बू और कम से कम 60 ग्राम पिशा हरा धनिया

प्रक्रियाः आप एक बर्तन में पानी ले और उसमे हरा पिसा धनिया डालें उसमे निम्बू को काटकर उसके रस को अच्छी तरह निकाल ले और उनको अच्छी तरह मिला ले, अब आपका जूस तैयार हो गया है। क्योकि इस जूस में निम्बू होने के कारण आपका ब्लड प्रेशर नियंत्रित होता और धनिया आपकी पाचन शक्ति को बढ़ाएगा। आप इस जूस को सुबह खाली पेट पिए। इससे आपके खून की खराबी दूर होगी। इसको लगातार पांच दिन तक पिने से आपके वजन में कमी आएगी।

फ्री एंड्रॉएड एप्प जो बच्चों के साथ बड़ों को भी आएंगी पसंद

वो कहते हैं न बड़े मियां तो बड़े मियां तो बड़े मियां छोटे मियां सुभान अल्ला आजकल के बच्चों को देखकर कभी-कभी हैरानी होती है। बड़ों की देखा देखी अब बच्चे खिलौनों की जगह गैजेटों से खेलना ज्यादा पसंद करते हैं। फिर वो भले ही आपका स्मार्टफोन हो या फिर टैबलेट, ज्यादातर लोग अब एंड्रॉएड स्मार्टफोन की ओर अपना रुख कर रहें है, अगर आप अपने बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं या फिर खुद कभी बच्चा बनने का मन करता है तो अपने फोन में कुछ मजेदार एप्प डाउनलोड कर सकते हैं, वैसे तो ये एप्लीकेशन खासकर बच्चों के लिए हैं लेकिन आप भी इन एंड्रॉएड एप्लीकेशन को फुल इंज्वाय कर सकते हैं।

पंचतंत्रः- बचपन में हम सभी ने पंचतंत्र की कहानियां सुनी होंगी। पंचतंत्र की कहानियों में कुछ न कुछ सीख जरूर दी जाती है जो आपके बच्चों के लिए काफी जरूरी है गूगल प्ले स्टोर में पंचतंत्र कई वॉल्यूम में फ्री डाउनलोडिंग के लिए उपलब्ध है जैसे द विनिंग ऑफफ्रेंड क्रोज एंड आउल लॉस ऑफगेन।

किड्स नंबर और मैथ लाइटः- ये एक फ्री एप्लीकेशन है जो प्री स्कूल में जाने वाले बच्चों की मैक स्किल को डेवल करने में काफी मदद करती है। एप्लीकेशन में कई नंबर और इंग्लिश के शब्द दिए गए हैं इसके साथ स्पेनिश, रशियन जर्मन जैसी भाषाओं की जानकारी भी एप्लीकेशन में मौजूद है।

मैथ विद भीमः- छोटा भीम भारत में बच्चों के सबसे पॉपुलर शो में से एक है, मैथ विद भीम एप्लीकेशन में छोटा भीम अपने दोस्तों के साथ कई तरह की चीजें बताता है तो 1 साल से लेकर 5 साल तक के बच्चों को पसंद आएंगी। एप्लीकेशन में हिन्दी और इंग्लिश दोनों तरह के लेंग्वेज ऑप्शन मौजूद है।

अमरूद खाने के ये 6 फायदे आपको चौंकने पर मजबूर कर देंगे

अमरूद हमारे देश का एक प्रमुख फल है. हल्के हरे रंग का अमरूद खाने में मीठा होता है. इसके अंदर सौकड़ों की संख्या में छोटे-छोटे बीज होते हैं. अमरूद बेहद आसानी से मिल जाने वाला फल है. लोग घरों में भी इसका पेड़ लगाते हैं. पर बेहद सामान्य फल होने के कारण ज्यादातर लोगों को पता ही नहीं होता है कि ये स्वास्थ्य के लिहाज से कितना फायदेमंद होता है.

अमरूद की तासीर ठंडी होती है. ये पेट की बहुत सी बीमारियों को दूर करने का रामबाण इलाज है. अमरूद के सेवन से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है. इसके बीजों का सेवन करना भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है. अमरूद में विटामिन सी की पर्याप्त मात्रा होती है जिससे अनेक बीमारियों में फायदा होता है.

1. अमरूद को काले नमक के साथ खाने से पाचन संबंधी समस्या दूर हो जाती है. पाचन क्रिया के लिए ये बेहतरीन फल है.

2. अगर आपके बच्चों के पेट में कीड़े पड़ गए हैं तो अमरूद का सेवन करना उनके लिए फायदेमंद होगा.

3. अमरूद की पत्तियों को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर आंखों के नीचे लगाने से काले घेरे और सूजन कम हो जाती है.

4. अगर आपको कब्ज की समस्या है तो सुबह खाली पेट पका हुआ अमरूद खाना फायदेमंद रहता है.

5. अगर आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो अमरूद की कोमल पत्तियों को चबाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा. इसके अलावा इसे चबाने से दांतों का दर्द भी कम हो जाता है.

6. अगर किसी को पित्त की समस्या हो जाए तो उसके लिए भी अमरूद का सेवन करना फायदेमंद होता है.

संपादकीय

'स्वदेशी' महज एक नारा

हम सात दशकों से 'स्वदेशी' के नारे सुन रहे हैं। आजादी से पहले भी यह आरएसएस का बुनियादी मुद्दा था। 1951 में 'जनसंघ' का गठन हुआ, तो संघ के इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ग्रहण किया गया। 'जनसंघ' का यह चुनावी मुद्दा भी होता था। जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ, तो उसने भी 'स्वदेशी' का खूब प्रचार किया। दरअसल हम 'स्वदेशी' के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता का प्राथमिक मुद्दा है। अब आरएसएस के शताब्दी समारोह और 'दशहरा संबोधन' में क्रमशः प्रधानमंत्री मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर 'स्वदेशी' का गुणगान किया है। स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है? हमारा मानना है कि वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततः आत्मनिर्भरता संभव नहीं हैं। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपए का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपए का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपए का है और आयात 61 लाख करोड़ रुपए का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपए का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं। अनुमान है कि ऐसे कुटीर उद्योगों की करीब 6 लाख कंपनियां, फैक्टरियां बंद हो चुकी हैं। बेशक सरकार ने आर्थिक पैकेज और आसान बैंकिंग कर्ज घोषित किए, लेकिन एमएसएमई के अस्तित्व को बचाया नहीं जा सका। सरकार औपचारिक बयान देकर कुटीर उद्योगों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट कर सकती है। मोदी सरकार ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग के योगदान का लक्ष्य 23 फीसदी तय किया था। वह 16-17 फीसदी से घटकर करीब 13 फीसदी पर आ गया है। जब भारत मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में फिलहाल पिछड़ा है, तो 'स्वदेशी' कैसे संभव है? भारत में 'स्वदेशी' उत्पादन और अर्थव्यवस्था की सोच को 1991 से पहले ही लागू करनी चाहिए थी। जो भूमंडलीकरण और उदारीकरण 1991 में भारत में शुरू किया गया, उसे 1979 में ही चीन में लागू कर दिया गया था, नतीजतन उसे बहुत पहले आत्मनिर्भर होने में मदद मिली। आज उसकी औद्योगिक नीति ऐसी है कि वह किसी भी देश पर आश्रित नहीं है। अमरीका के साथ मात्र 13-14 फीसदी व्यापार की ही उसे जरूरत है। यदि वह भी नहीं हो, तो चीन की अर्थव्यवस्था डांवाडोल नहीं हो सकती। भारत की ऐसी कोई पुख्ता औद्योगिक नीति नहीं है। आज दक्षिण पूर्व एशिया के देश अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत सरीखे शक्तिशाली देश को पछाड़ रहे हैं। जरा प्रधानमंत्री या वाणिज्य मंत्री इन देशों का एक बार दौरा कर आएं, तो पता चल जाएगा कि व्यापार कैसे करना है? अमरीका ने हम पर 50 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। उससे उन कंपनियों पर विपरीत असर पडऩा तय है, जिन्होंने करोड़ों का माल बना रखा है। मसलन-कालीन और कपड़े तो 'स्वदेशी' हैं। यदि टैरिफ बढऩे से अमरीकी बाजार में उनकी खपत नहीं हो पा रही है, तो क्या सरकार कोई बंदोबस्त कर सकती है कि उनका 'स्वदेशी' माल देश में ही बिक सके? मोदी सरकार ने अपने ही 11 साला कालखंड में रक्षा, बीमा, संचार, दवा, बहु आइटम कारोबार आदि में 74 फीसदी से 100 फीसदी तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की व्यवस्थाओं को लागू किया है। यदि स्वदेशी माल ही बेचना और खरीदना है, तो विदेशी निवेश किसलिए चाहिए? कोई बहुराष्ट्रीय कंपनी भारत में निवेश क्यों करेगी? उदारीकरण का क्या होगा? हम एक बार फिर स्पष्ट कर दें कि हम 'स्वदेशी' के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन आज के दौर में सबसे बड़ी महाशक्ति अमरीका भी दूसरे देशों के सामान पर आश्रित है। भारत अलग-थलग होकर आर्थिक महाशक्ति नहीं बन सकता। ऐसा संकेत सरसंघचालक ने भी किया है। ऐसे समय में जबकि अंतरराष्ट्रीय निर्भरता बढ़ती जा रही है, स्वदेशी को एक सीमा तक ही अपनाया जा सकता है। हर देश आज दूसरे देशों से संबंधों को मजबूत बना रहा है। स्वदेशी की अपनी सीमाएं हैं।

स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है? हमारा मानना है कि वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततः आत्मनिर्भरता संभव नहीं हैं। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपए का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपए का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपए और आयात 61 लाख करोड़ रुपए का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपए का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं।

एसईआई और यूएनईपी की रिपोर्ट के अनुसार जीवाश्म ईंधन का बढ़ रहा है प्रयोग

पेरिस जलवायु समझौता हुआ नाकाम

प्रमोद भार्गव

जलवायु परिवर्तन की एक नई रपट ने चेतावनी दी है कि पेरिस जलवायु समझौते के दस साल बाद भी कई देश जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। उत्पादन अंतराल रपट 2025 के अनुसार, अनेक देशों की सरकारें 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल की तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 प्रतिशत अधिक और 2 डिग्री सेल्सियस वृद्धि के लक्ष्य से 77 प्रतिशत अधिक है। पेरिस समझौता 2025 में 10 साल पूरे कर रहा है। इसके अंतर्गत देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने और इसे दो डिग्री से बहुत नीचे रखने के प्रयास की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित हुए सीओपी 28 में सरकारों ने 'ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर जाने' के आवाहन पर सहमति व्यक्त की थी। स्टाकहोम एनवायरमेंट इंस्टीट्यूट (एसईआई) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट एनालिटिक्स (यूएनईपी) की रपट के अनुसार जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने की बजाए सरकारें अब सामूहिक रूप से 2035 तक कोयला उत्पादन, 2050 तक गैस उत्पादन और सदी के मध्य तक तेल उत्पादन में निरंतर वृद्धि की योजना बना रही हैं। अतएव कहा जा सकता है कि व्यतीत हो चुके समय की भरपाई के लिए आने वाले दशकों में जीवाश्म ईंधन उत्पादन में और भी तेजी से कमी लानी होगी। भारत, अमेरिका, चीन, रूस, सऊदी अरब और आस्ट्रेलिया सहित 20 प्रमुख उत्पादकों को शामिल करते हुए किए गए विषलेशण से पता चला है कि 17 देश अभी भी 2030 तक एक जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अर्थात कोयला, तेल या गैस का उत्पादन दो साल पहले की तुलना में कहीं अधिक होगा। रपट में बताया है कि 2030 तक कोयला उत्पादन 1.5 डिग्री सेल्सियस के अनुरूप स्तर से 500 प्रतिशत अधिक होगा, तेल 31 और गैस का उत्पादन 92 प्रतिशत से अधिक होगा। जबकि वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2040 तक कोयले का उपयोग लगभग समाप्त करने और 2050 तक तेल एवं गैस उत्पादन में तीन चौथाई कटौती की प्रतिबद्धता जताई थी। धरती पर रहने वाले जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य और जलवायु बदलाव के बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों ने बहुत पहले जान लिया था कि औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और षहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तपमान बढ़ रहा है, जो पृथ्वी के लिए घातक है। इस सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी, नतीजतन पृथ्वीवासियों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्श एक अंतरराश्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन जिसे कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी/कॉप) के नाम से भी जाना जाता है की पिछली बैठक सीओपी 28वीं दुबई में संपन्न हुई थी। पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता जताई थी। लेकिन वास्तव में अभी तक 56 देशों ने संयुक्त राश्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन जापान और भारत भी शामिल हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन तथा इजरायल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जाना था, वह उम्मीद के अनुरूप नहीं हो पा रहा है। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें रूस द्वारा गैस देना बंद कर दिए जाने के बाद फिर से चालू करने की तैयारियां हो रही हैं। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की षुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। अतएव धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की षुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुश्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राश्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप जापान के क्योटो षहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में षामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानियों ने एक राय होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का पर्याय है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं। लेकिन वर्तमान में चल रहे दो भीशण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देशों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देशों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिए जाएंगे। परंतु ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन बदलते हालातों में हमें जिंदा रहना है तो जिंदगी जीने की षैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। यदि तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है तो कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत कमी लानी होगी। आईपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया हुआ है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। गोया, कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान में 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो असमय अकाल, सूखा, बाढ़ और जंगल में आग की घटनाओं का सामना निरंतर करते रहना पड़ेगा। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर होगा, ऐसा नहीं है। समुद्र का तापमान भी इससे बढ़ेगा और कई शहरों के अस्तित्व के लिए समुद्र संकट बन जाएगा।

देशों की सरकारें 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल की तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 प्रतिशत अधिक और 2 डिग्री सेल्सियस वृद्धि के लक्ष्य से 77 प्रतिशत अधिक है। पेरिस समझौता 2025 में 10 साल पूरे कर रहा है। इसके अंतर्गत देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने और इसे दो डिग्री से बहुत नीचे रखने के प्रयास की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित हुए सीओपी 28 में सरकारों ने 'ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर जाने' के आवाहन पर सहमति व्यक्त की थी। स्टाकहोम एनवायरमेंट इंस्टीट्यूट (एसईआई) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट एनालिटिक्स (यूएनईपी) की रपट के अनुसार जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने की बजाए सरकारें अब सामूहिक रूप से 2035 तक कोयला उत्पादन, 2050 तक गैस उत्पादन और सदी के मध्य तक तेल उत्पादन में निरंतर वृद्धि की योजना बना रही हैं।

देश दुनिया से

तरक्की को मुंह चिढ़ा रहे महिला अपराध

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान, तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ रहा है, वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4.5 लाख मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 448211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 445256 और 2021 में 428278 मामले थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47101, राजस्थान में 45450, पश्चिम बंगाल में 34691 और मध्यप्रदेश में 32342 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 124.9 अपराध दर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि इसके बाद राजस्थान 114.8, ओडिशा 112.4, हरियाणा 110.3 और केरल में 86.1 अपराध दर दर्ज की गई। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498 के तहत पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामले सबसे ज्यादा थे, जिनमें 133676 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 19.7 रही। महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 88605 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 13.1 रही। महिलाओं की गरिमा भंग करने के इरादे से हमला करने के 83891 मामले आए, जबकि बलात्कार के 29670 मामले दर्ज किए गए। अठारह वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं से बलात्कार के 28821 मामले आए और 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों से बलात्कार के 849 मामले आए। बलात्कार के प्रयास के 2796 मामले दर्ज किए गए। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत बच्चों से बलात्कार के 40046 मामले, यौन उत्पीडऩ के 22149 मामले, यौन प्रताडऩा के लिए 2778 मामले, पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने के 698 मामले और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत 513 मामले दर्ज किए गए। पुलिस के निपटारा आंकड़ों से पता चला कि पिछले वर्षों से 185961 मामले जांच के लिए लंबित थे, जबकि 448211 नए मामले दर्ज किए गए और 987 स्थानांतरित किए गए। इस तरह कुल 635159 मामले थे। एसिड अटैक के 113 मामले दर्ज किए गए। साल 2012 में दिल्ली में निर्भया के बलात्कार और हत्या के बाद जमीन पर ज्यादा कुछ बदला नहीं दिखता। कठोर कानून मौजूद हैं, पर वे कितने प्रभावी हैं? साल 2022 के लिए उपलब्ध आंकड़े दिखाते हैं कि 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' के कुल 445256 मामले दर्ज किए गए, जो साल 2021 से चार फीसदी ज्यादा थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध का सबसे बड़ा हिस्सा 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' (31.4 फीसदी) के तहत दर्ज हुआ, जबकि सभी अपराधों में 'शील हनन की नीयत से महिलाओं पर हमले' का हिस्सा 18.7 फीसदी था, और बलात्कार 7.1 फीसदी पर रहा। डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2022 में महिलाओं को निशाना बनाकर की जाने वाली राजनीतिक हिंसा के मामले में भारत शीर्ष 10 सबसे खराब देशों में शामिल है। मैक्सिको 537 ऐसी घटनाओं के साथ इस सूची में शीर्ष पर है, उसके बाद ब्राजील (327) का स्थान है, जबकि भारत इस सूची में 125 घटनाओं (प्रति 100000 महिलाओं पर) के साथ सातवें स्थान पर है, जहां विशेष रूप से राजनीतिक हिंसा के लिए महिलाओं को निशाना बनाया जाता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि 18-49 वर्ष की आयु की 29.3 फीसदी महिलाओं ने अपने जीवनकाल में पति द्वारा हिंसा का अनुभव किया है। अगर अपराध दर्ज भी हो जाते हैं, तो न्याय धीमा हो सकता है। पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण अक्सर पीड़ितों को ही दोषी ठहराते हैं या उनकी गवाही को हतोत्साहित करते हैं। परिणामस्वरूप, कई मामले आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं होते। विशेषज्ञों का कहना है कि सांस्कृतिक शर्मिंदगी और प्रतिशोध का डर रिपोर्ट दर्ज कराने में बड़ी बाधाएं हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का कारण पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़िवादिता, शिक्षा और जागरूकता की कमी, कानूनों का कम प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के प्रति समाज की घटती संवेदनशीलता जैसे सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक कारक हैं। भारत की चुनौती वैश्विक रुझानों के समान और उनसे भी बदतर है। कई देशों की तरह, भारत भी कम रिपोर्टिंग और कलंक से जूझ रहा है। लेकिन गहरी जड़ें जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रह और विशाल जनसंख्या घनत्व का मतलब है कि अघोषित अपराधों का एक छोटा सा प्रतिशत भी बहुत बड़ी संख्या में तब्दील हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों की तुलना इस बात पर जोर देती है कि समाधानों में हर देश की हिस्सेदारी है, अंतरराष्ट्रीय समझौतों को लागू करने से लेकर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने तक। कानूनों और जागरूकता के मामले में भारत में हाल ही में हुए सुधार सकारात्मक हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अभी भी कई समकक्षों से पीछे है। भारत वह देश है जहां नवरात्रों के दौरान कन्या पूजन की प्रथा है। इसके बावजूद हमारे समाज में महिलाओं का पर्याप्त सम्मान नहीं है, उनकी सुरक्षा में कमी है, तो यह चिंतनीय विषय है। यही कारण है कि हमारे देश के लगभग सभी राज्यों में महिला-पुरुष लिंगानुपात बिगड़ा हुआ है। बच्चों के पीछे पर्याप्त संख्या में बच्चियां नहीं हैं। यह स्थिति हमें किस ओर ले जा रही है, यह सोचने की बात है। समूह समाज को इस पर चिंतन करना चाहिए।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4 .5 लाख मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 448211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 445256 और 2021 में 428278 मामले थे।

आप का नजरिया

आस्था के मैदान पर

परंपराओं की परिक्रमा में यूं तो पूरा हिमाचल आस्था के मैदान पर है, लेकिन देव समाज के आलोक में फैसलों की तहरीर कुछ क्षेत्रों में लोकतंत्र से पहले और कानून के ऊपर हो जाती है। आश्चर्य होता है कि जिस धरती पर समाज चिट्टा बेचने वालों या नशे के तस्करों को नजरअंदाज कर देता है, वहां धार्मिक फैसलों की अदालत बड़ी हो जाती है। कुल्लू दशहरा के पहले ही दिन आस्था के सैलाब में विश्व के सारे आश्चर्य और धर्म के अनूठे महाकुंभ में, सिर्फ सांस्कृतिक श्रद्धा नजर आई, लेकिन इसी भीड़ की एक पतली गली में प्रशासनिक अधिकारी का जुलूस निकल गया। वहां का आंखों देखा हाल कानून व्यवस्था ने भी देखा होगा, क्योंकि सारे विश्व ने देखा कि दशहरा की ड्यूटी में तहसीलदार हरि सिंह यादव के साथ जो हुआ, नहीं होना चाहिए था। हम इस विषय की समीक्षा के बजाय, प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए यह कहना चाहते हैं कि अगर धार्मिक परंपराएं अखाड़े में तबदील हो जाएंगी, तो हर कोई अपनी मान्यताओं की व्याख्या में कानून की परिधि भूल सकता है। हो सकता है तहसीलदार ने कुछ सांस्कृतिक या धार्मिक मान्यताओं को प्राथमिकता न दी हो, फिर भी जो सार्वजनिक रूप से हुआ या दर्शाया गया, वह कानून की परिपाटी को बुलंद नहीं करता। अंततः धार्मिक अनुष्ठान हमें यह तो नहीं सिखाते कि वहां समाज विखंडनकारी हो जाए। आश्चर्य यह भी है कि इस प्रकरण में पक्ष और विपक्ष खड़ा होता दिखाई दे रहा है। एक विधायक अगर तहसीलदार के आचरण को कोस रहा है, तो पूछा यह जाना चाहिए कि कानून के पक्ष में उनकी राय क्या है। क्या सरेआम ड्यूटी पर तैनात एक अधिकारी को जोर जबर्दस्ती से धकिया जा सकता है या यहां भी राजनीति अपना खेल मुकम्मल होते देख रही है। कुल्लू दशहरे के आयोजन में यूं तो चांदी के जूतों में चलते हुए राजनीति अपना प्रभाव दिखाती है, फिर भी आस्था की इन लहरों में किसी भी तरह का विद्वेष पालना अत्यंत निंदनीय व पर्वतीय सौम्यता, सभ्यता और संस्कृति के खिलाफ है। इस प्रकरण पर सरकार को त्वरित कार्रवाई करते हुए इसे सामाजिक ताने-बाने की बेहतरी के हिसाब से देखना होगा। कल अगर परंपराओं के बीच कोई जातिवाद निकल आया या कानून की दोपहरी में सामाजिक असमानता का ग्रहण निकल आया, तो ऐसे आयोजनों के झूले टूट जाएंगे। जिन्हें आपत्तियां थी, जाहिर है उनके मुकदमे होंगे, लेकिन जिन्होंने कानून को हाथों में लिया, उन्हें इसकी इजाजत न थी। पिछले कुछ समय से हिमाचल में युवा आंदोलन मुखातिब हैं और यह लगातार तीसरा अवसर है, जहां क्रोध का ज्वारभाटा बस्ती तक आया या हमारे पैमाने कसूरवार हो गए। हम कई बार लिख चुके हैं कि परंपराओं, मेलों, सांस्कृतिक समारोहों और सामाजिक सौहार्द के बीच सियासत के पांव हटाकर एक नई व्यवस्था, नई परिपाटी बनाई जाए। ऐसे तमाम मेलों, सांस्कृतिक व धार्मिक समारोह के आयोजन के लिए एक राज्य स्तरीय, मेला विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए। कुल्लू प्रकरण के पीछे की असलीयत जो भी हो, इसका पटाक्षेप ऐसे माहौल की तरफ इशारा कर रहा है जिसे रोकना होगा। देव परंपराओं की पवित्रता के लिए यह घटना कोई वरदान नहीं। अगर देव परंपराएं, सामाजिक सदाशयता का प्रतीक नहीं बनतीं, तो हम विभिन्न वर्गों में बंट कर पहचाने जाएंगे, वरना यही शक्ति आपदा की तमाम निशानियों के बीच अतिक्रमणकारी प्रवृत्तियों, अवैध खनन, नशे की तस्करी और बिगड़ते पहाड़ी आचरण पर अंकुश लगा देती।

आश्चर्य होता है कि जिस धरती पर समाज चिट्टा बेचने वालों या नशे के तस्करों को नजरअंदाज कर देता है, वहां धार्मिक फैसलों की अदालत बड़ी हो जाती है। कुल्लू दशहरा के पहले ही दिन आस्था के सैलाब में विश्व के सारे आश्चर्य और धर्म के अनूठे महाकुंभ में, सिर्फ सांस्कृतिक श्रद्धा नजर आई, लेकिन इसी भीड़ की एक पतली गली में प्रशासनिक अधिकारी का जुलूस निकल गया। वहां का आंखों देखा हाल कानून व्यवस्था ने भी देखा होगा, क्योंकि सारे विश्व ने देखा कि दशहरा की ड्यूटी में तहसीलदार हरि सिंह यादव के साथ जो हुआ, नहीं होना चाहिए था। हम इस विषय की समीक्षा के बजाय, प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए यह कहना चाहते हैं कि अगर धार्मिक परंपराएं अखाड़े में तबदील हो जाएंगी, तो हर कोई अपनी मान्यताओं की व्याख्या में कानून की परिधि भूल सकता है। हो सकता है तहसीलदार ने कुछ सांस्कृतिक या धार्मिक मान्यताओं को प्राथमिकता न दी हो, फिर भी जो सार्वजनिक रूप से हुआ या दर्शाया गया, वह कानून की परिपाटी को बुलंद नहीं करता। अंतत: धार्मिक अनुष्ठान हमें यह तो नहीं सिखाते कि वहां समाज विखंडनकारी हो जाए। आश्चर्य यह भी है कि इस प्रकरण में पक्ष और विपक्ष खड़ा होता दिखाई दे रहा है। एक विधायक अगर तहसीलदार के आचरण को कोस रहा है, तो पूछा यह जाना चाहिए कि कानून के पक्ष में उनकी राय क्या है। क्या सरेआम ड्यूटी पर तैनात एक अधिकारी को जोर जबर्दस्ती से धकिया जा सकता है या यहां भी राजनीति अपना खेल मुकम्मल होते देख रही है। कुल्लू दशहरे के आयोजन में यूं तो चांदी के जूतों में चलते हुए राजनीति अपना प्रभाव दिखाती है, फिर भी आस्था की इन लहरों में किसी भी तरह का विद्वेष पालना अत्यंत निंदनीय व पर्वतीय सौम्यता, सभ्यता और संस्कृति के खिलाफ है।

कुछ अलग

सुलझाने का धैर्य

कबीरदास अपने जीवनयापन के लिए बुनाई का काम करते थे। एक दिन वे चरखे पर सूत कात रहे थे। अचानक धागा उलझ गया। पास बैठा शिष्य बोला, 'गुरुजी, यह धागा बहुत उलझा हुआ है। इसे काटकर नया धागा शुरू करना ही ठीक रहेगा।' कबीर मुस्कुराए और बोले, 'नहीं बेटा, धागा काटना आसान है, पर उलझे धागे को सुलझाना ही असली साधना है। जीवन भी ऐसा ही है। कठिनाइयों से भाग जाना सरल है, पर धैर्य रखकर उन्हें सुलझाना ही सच्चा ज्ञान है।' शिष्य ने कहा, 'पर गुरुजी, इसमें समय बहुत लगेगा।' कबीर ने उत्तर दिया, 'समय लगना बुरा नहीं, पर अधूरा छोड़ना बुरा है। धागे की तरह ही रिश्ते, समाज और आत्मा भी कभी उलझ जाते हैं। यदि हम उन्हें काट देंगे तो नया आरंभ संभव है, पर अधूरेपन का बोझ हमेशा रहेगा। जो धैर्य से सुलझाना सीख जाता है, वही सच्चा साधक है।' यह सुनकर शिष्य ने समझा कि गुरु केवल चरखा नहीं चला रहे, बल्कि जीवन का गहरा ज्ञान दे रहे हैं। जीवन की कठिनाइयां उलझे धागों की तरह होती हैं। उन्हें काटकर भाग जाना आसान है, पर धैर्य और विवेक से सुलझाना ही सच्ची साधना और सफलता है।

दृष्टि कोण

किस तरह बिगड़ी पहाड़ी खेती-ग्रामीण व्यवस्था

पहाड़ के लोग ज्यादातर खेती और उससे जुड़े व्यवसायों पर आधारित आत्मनिर्भर जीवन जीते रहे हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के चलते आवागमन की सुविधाओं का अभाव स्वाभाविक था, जिसके चलते लोगों ने आत्मनिर्भर जीवन पद्धति को विकसित किया जो खेती के इर्द-गिर्द घूमती थी। पहाड़ में खेती का अर्थ है खेती, पशुपालन और दस्तकारी का मिश्रित रूप, जिसमें वन संसाधनों की मुख्य भूमिका थी। इस मिश्रित जीवनयापन पद्धति के लिए अधिकांश संसाधन वन भूमियों से ही प्राप्त किए जाते थे। खेती, पशुपालन और दस्तकारी आपस में एक दूसरे पर आश्रित भी थे और पूरक भी थे। पशुपालन में भेड़-बकरी पालन शामिल ही था। पौष्टिक भोजन के लिए अन्न खेती से और दूध-घी पशुओं से, जंगली कंद-मूल, फल, सब्जियां पर्याप्त मात्रा में वनों से मिल जाता था। वन संसाधन घास-चारे से भरपूर होते थे। अच्छे चरागाह उपलब्ध थे। इस कारण पशु संख्या को सीमित करने के कोई दबाव नहीं थे। पशुपालन खूंटे पर नहीं होता था, बल्कि मुख्यतः चरागाहों में खुले चरान से होता था। इसलिए सामूहिक रूप से दो-चार लोग पूरे गांव के पशुओं को चुगा कर ले आते थे या जहां ऐसा संभव नहीं होता था, वहां कठिन श्रम न कर सकने वाले घर के सदस्य ही चराई का काम कर लेते थे जिससे मुख्य श्रम शक्ति खेती दस्तकारी के श्रमसाध्य कार्यों के लिए बची रहती थी। नकद जरूरतों के लिए भेड़ बकरी पाली जाती थी जिसका नाम ही 'धन' इसीलिए पड़ा है। गाय-भैंस के दूध से घी बनाने का प्रचलन था। क्योंकि सबके पास दूध होता था, इसलिए दूध की बिक्री कम ही थी। दूध बेचना अच्छा भी नहीं समझा जाता था। पहाड़ का देसी घी अमृतसर आदि पंजाब की मंडियों तक भेजा जाता था। खेती के लिए देसी खाद गोबर और भेड़-बकरियों की मेंगनों से पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थी। घुमंतू पशु और भेड़-बकरी चारक सर्दियों में निचले कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में आ जाते और गर्मियों में ऊंचाई वाले बर्फानी चरागाहों में चले जाते। आने-जाने के दौरान वे जब मध्यवर्ती कृषि प्रधान क्षेत्रों से गुजरते तब जुताई के बाद खाली खेतों में भेड़-बकरियों के रेवड़ को रात में आराम करने के लिए बिठाया जाता जिससे उनके मल मूत्र से खेत में बढिया खाद मिल जाता। चारे का भी पूरा प्रबंध होता था। लोगों ने कुछ मल्कीयती घासनियां भी प्रबंधित कर रखी थी, यानी बाहर से चारा मंगवाने की सोचने की भी जरूरत नहीं थी। बिना कोई पैसा खर्च किए ये साधन उपलब्ध थे। खेती भी लाभदायक थी, पशुपालन में भी नकद कमाई हो जाती थी। धीरे-धीरे यह संतुलन बिगडऩे लगा। वनों को साफ काट कर बेचा जाने लगा, उनके स्थान पर नए पेड़ व्यापारिक प्रजातियों के लगाए गए। चारे का अकाल पडऩे लगा। आबादी बढऩे से ईंधन की मांग बढ़ती गई। भेड़ बकरी के चारे के लिए उपयोगी झाडियां और रहे सहे वृक्ष भी ईंधन की भेंट चढऩे लगे। चारे का संकट और गहरा होता गया। रही सही कसर हरित क्रांति के बीजों के साथ आए खरपतवारों ने पूरी कर दी। आज स्थिति यह है कि आधे से ज्यादा चरागाह खरपतवारों की भेंट चढ़ कर अनुपजाऊ हो गए हैं। पशुओं के लिए चारा पंजाब-हरियाणा से मंगवाना पड़ रहा है जिसकी कीमत दस से पंद्रह रुपए किलो तक बैठती है। इतने महंगे चारे से पशुपालन लाभकारी नहीं रहा। एक समय भूमिहीन भी पशु पाल कर अपना जीवनयापन कर लेते थे। अब तो भूमालिकों के भी हाथ खड़े होने लग पड़े। पशुधन जो ग्रामजीवन की रीढ़ थी, सडक़ों पर बेसहारा छोड़ दिया जाने लगा, जिससे एक ओर उपलब्ध आय खत्म हो गई, दूसरी ओर वही बेसहारा पशु फसलों को उजाडऩे लगे। खेती को खेती ही खाने लगी। फसलों के लिए पूरा देसी खाद उपलब्ध नहीं रहा। मिट्टी की उत्पादकता घट रही है।

नेतन्याहू बोले–अगले कुछ दिनों में सभी बंधकों की वापसी की उम्मीद, इजराइल एक बड़ी उपलब्धि के कगार पर

यरूशलेम, 05 अक्टूबर (एजेंसियां) । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में सभी बंधक (जीवित और मृत दोनों) वापस लौट आएंगे। उन्होंने कहा कि इजराइल एक बहुत बड़ी उपलब्धि के कगार पर है, हालांकि समझौता अभी अंतिम नहीं हुआ है और इस दिशा में कड़ी मेहनत जारी है। नेतन्याहू ने कहा, ईश्वर की कृपा से आने वाले दिनों में, सुक्कोत त्योहार के दौरान, हम सभी बंधकों की वापसी की घोषणा कर सकेंगे, जबकि इजराइली सेना (आईडीएफ) अब भी गाजा में तैनात रहेगी। प्रधानमंत्री ने बताया कि अब तक 207 बंधकों की वापसी हो चुकी है, लेकिन मैंने कभी शेष बंधकों को लेकर उम्मीद नहीं छोड़ी, न ही युद्ध के लक्ष्यों को।

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ समन्वय में की गई कूटनीतिक पहल ने स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। नेतन्याहू के अनुसार, अब इजराइल नहीं, बल्कि हमास अलग-थलग पड़ेगा। उन्होंने कहा कि योजना के पहले चरण में सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा और आईडीएफ गाजा में ऐसे स्थानों पर पुन: तैनात होगी, जिससे वह इलाके की निगरानी जारी रख सके। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि हमास को रिहाई पर सहमत कराने में सिर्फ सैन्य और कूटनीतिक दबाव ने भूमिका निभाई है। उन्होंने आलोचकों के उस दावे को खारिज किया कि हमास एक या दो साल पहले बिना आईडीएफ की वापसी के भी सभी बंधकों को छोड़ने को तैयार था। नेतन्याहू ने कहा, यह पूरी तरह झूठ है। हमास का रुख सिर्फ हमारे दबाव की वजह से बदला। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू भारी दबाव के बावजूद युद्ध जारी रखने के अपने फैसले को सही ठहराया और राष्ट्रपति ट्रंप का ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कड़े रुख और समर्थन के लिए धन्यवाद किया। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने इजराइल की वार्ता टीम, जिसकी अगुवाई रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर कर रहे हैं, को काहिरा रवाना होने का निर्देश दिया है ताकि बंधक रिहाई से जुड़ी तकनीकी औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।

न्यूज ब्रीफ

कोशी बैराज पर यातायात रोका गया बिहार में भी बाढ़ का खतरा बढ़ा

काठमांडू। कोशी बैराज के पुल पर यातायात और पैदल चलने पर प्रतिबंध लगाया गया है। बैराज प्रशासन के ई. मनोज कुमार के मुताबिक कोशी नदी का पानी पुल की सड़क तक पहुंच गया है, जिसके बाद नेपाल और भारत के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में यातायात रोकने का फैसला लिया गया है। लगातार तीसरे दिन हो रही बारिश के कारण कोशी नदी का जलस्तर एक्सट्रीम डेंजर लेवल के पार कर गया है। ई. मनोज कुमार ने बताया कि बराज के सभी 56 फाटक खोल दिए गए हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक इस समय कोशी बैराज से 4 लाख 86 हजार क्यूसेक पानी प्रति सेकेंड के हिसाब से छोड़ा जा रहा है। इस कारण नेपाल के दक्षिणी तटीय इलाकों के साथ ही बिहार में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

नेपाल की आठ प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर, कई जिलों में बाढ़ का खतरा

काठमांडू। लगातार बारिश ने नेपाल की आठ प्रमुख नदियों को खतरे के स्तर से ऊपर धकेल दिया है। बागमती, कोशी, अरुण, तामोर, कोशी, बुधिखोला (सुनसरी) और बीरिंग खोला (झापा) नदियों में जल स्तर खतरे की सीमा को पार कर गया है। बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग के प्रमुख बिनोद पराजुली ने कहा कि अतिरिक्त 12 नदी स्टेशनों ने अलर्ट मार्क से ऊपर जल स्तर की सूचना दी है। उन्होंने कहा कि कोशी प्रांत में नदी का स्तर अभी भी बढ़ रहा है, जबकि बागमती और मधेश प्रांत के कुछ हिस्सों में या तो स्थिर है या धीरे-धीरे कम हो रहा है। विभाग ने यह भी बताया कि कोशी, माधेश और बागमती प्रांतों में अधिकांश नदियां और धाराएं अलर्ट स्तर के करीब हैं। बागमती और मधेश प्रांतों में बारिश कम होने लगी है, लेकिन कोशी प्रांत के कई क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश जारी है। सुबह जारी एक बुलेटिन में विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों तक वर्तमान मौसम का पैटर्न बने रहने की संभावना है। शाम तक प्रभावित नदियों में उच्च बाढ़ के जोखिम का अनुमान लगाया गया है, जिसमें सोमवार सुबह तक मध्यम जोखिम जारी रहने की उम्मीद है।

ट्रंप ने गाजा संघर्षविराम योजना के त्वरित कार्यान्वयन की मांग की, कहा- देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इजराइल ने अस्थायी रूप से गाजा में अपने बमबारी अभियान को रोक दिया है, जिसे उन्होंने शांति समझौते को अंतिम रूप देने और हमास के कब्जे में बंधकों की रिहाई की दिशा में एक अहम कदम बताया। ट्रंप ने चेतावनी दी कि हमास को अब तेजी से कदम उठाने होंगे, अन्यथा सभी शर्तें समाप्त हो जाएंगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, मैं किसी भी देरी को बर्दाश्त नहीं करूंगा, जिसकी कई लोगों को आशंका है, और न ही ऐसा परिणाम स्वीकार करूंगा जिसमें गाजा फिर खतरा बने। चलिए, इसे तेजी से पूरा करें। सभी के साथ न्याय होगा! उन्होंने इजराइल की ओर से बमबारी रोकने के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह बंधकों की रिहाई और शांति समझौते को पूरा करने का अवसर देता है। हालांकि, सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में अब तक कम से कम 67 लोगों की मौत इजराइली हमलों में हुई है, जिसकी पुष्टि स्थानीय अस्पताल अधिकारियों ने की है। एक दिन पहले, ट्रंप ने खुलासा किया था कि हमास ने उनके 20-सूत्रीय शांति प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने अपने वीडियो संदेश में इसे एक बड़ा दिन बताते हुए कहा था कि यह ऐतिहासिक घटनाक्रम है। ट्रंप प्रशासन की मध्यस्थता में तैयार यह प्रस्ताव गाजा में लगभग दो साल से जारी संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जर्जिया में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज, प्रदर्शनकारियों की राष्ट्रपति भवन में घुसने की कोशिश नाकाम, कोबाखिद्जे सरकार कराएगी जांच

त्बिलिसी (जॉर्जिया),05 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

नये चुनाव की मांग को लेकर व्यापक स्तर पर सत्ता विरोधी प्रदर्शनों का सामना कर रहे जॉर्जिया में हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने राजधानी त्बिलिसी में शनिवार को एटोनेली स्ट्रीट स्थित राष्ट्रपति भवन का सुरक्षा घेरा तोड़ परिसर में दाखिल होने की कोशिश की। जिसके बाद स्थितियां काफी बिगड़ गईं।सुरक्षाकर्मियों ने आंसू गैस और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया। आंतरिक मामलों के मंत्रालय (एमआईए) ने रैली के दौरान हुई हिंसक घटनाओं की जांच शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री इराकली कोबाखिद्जे ने आरोप लगाया है कि यूरोपीय संघ के झंडे के साथ दंगाइयों ने प्रेसिडेंशियल पैलेस के बाहर बैरिकेड्स में आग लगा दी।उन्होंने दावा किया कि जॉर्जिया में संवैधानिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के प्रयास किए जा रहे हैं।

विपक्ष देश में नए सिरे से संसदीय चुनाव कराने और कैदियों की रिहाई की मांग कर रहा है। फ्रीडम स्क्वायर पर यह विरोध प्रदर्शन पिछले 311 दिनों से चल रहा है। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शनकारी शनिवार को जॉर्जिया और यूरोपियन यूनियन के झंडे लेकर त्बिलिसी के फ्रीडम स्क्वायर और रुस्तवेली एवेन्यू से मार्च करते हुए राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन का सुरक्षा घेरा तोड़कर परिसर में दाखिल होने की कोशिश की।इस दौरान प्रदर्शनकारियों का सुरक्षाकर्मियों के साथ टकराव हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने आंसूगैस, पेपर स्प्रे और वाटर कैनन का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया।

जॉर्जिया टुडे के मुताबिक प्रदर्शन को लेकर उप मंत्री अलेक्सांद्रे दारखवेलिद्ज़े ने कहा कि पुलिस अधिकारियों पर हमला, देश की संवैधानिक व्यवस्था में हिंसक परिवर्तन का आह्वान, सामूहिक हिंसा का आयोजन या हिस्सेदारी से संबंधित धाराओं के तहत जांच की जा रही है। चेतावनियों और मंत्रालय के आधिकारिक बयानों के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने कानूनी आदेशों का पालन नहीं किया। आयोजकों ने हिंसक आह्वान किए, एटोनेली स्ट्रीट स्थित राष्ट्रपति भवन के बैरियरों को क्षतिग्रस्त किया और इमारत में घुसने का प्रयास किया। 14 पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि देश में साल 2024 में हुए संसदीय चुनाव के बाद से ही राजनीतिक गतिरोध चल रहा है। सत्तारूढ़ जॉर्जियन ड्रीम पार्टी इस चुनाव में धांधली के आरोपों का सामना कर रही है। इस चुनाव की निगरानी करने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने भी जॉर्जियन ड्रीम पार्टी की जीत को दोषपूर्ण बताया था। इसके बाद प्रधानमंत्री इराकली कोबाखिद्जे की अगुवाई वाली सरकार ने जॉर्जिया के यूरोपीय संघ में शामिल होने की बातचीत को स्थगित कर दिया।

दरअसल, जॉर्जिया कभी यूरोपीय संघ में शामिल होने का दावेदार रहा है लेकिन मौजूदा जॉर्जियन ड्रीम पार्टी की सरकार ने जार्जिया के यूरोपीय संघ में शामिल होने की बातचीत तब बंद कर दी जब पिछले साल हुए संसदीय चुनाव नतीजों को यूरोपीय संघ द्वारा भी संदिग्ध बताया गया और सरकार विरोधी आंदोलन को समर्थन दिया गया।

रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से भी सत्ता और विपक्ष, रूस और यूरोपीय यूनियन के दो खेमों में बंटा दिख रहा है।विपक्षी मौजूदा सरकार पर रूस समर्थक होने का आरोप लगा रहे हैं तो सरकार की तरफ से उसके खिलाफ चल रहे व्यापक विरोध प्रदर्शन को यूरोपीय यूनियन की साजिश का हिस्सा बताया जा रहा है।

हमास को बहकाने की कोशिश: शांति प्रस्ताव को फिलिस्तीनियों के लिए बताया खतरनाक

गाजा,05 अक्टूबर (एजेंसियां) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा के लिए शांति प्रस्ताव तैयार किया है। इस पर अधिकाशत: सहमति बनी है लेकिन हमास ने इसको लेकर अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। उधर ट्रंप बार बार धमकी दे रहे हैं कि हमास ने प्रस्ताव नहीं माना तो अंजाम बहुत बुरा होगा। इधर हमास को बहकाने की कोशिशों वाली भी खबरें आ रहीं हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि यह प्रस्ताव फिलिस्तीनियों के लिए बेहद खतरनाक साबित होगा। हिजबुल्लाह की तरफ से खुले तौर पर हमास को भड़काते हुए कहा गया है कि ट्रंप का यह प्रस्ताव फिलिस्तीनी लोगों के लिए गंभीर खतरे पैदा करेगा। हिजबुल्लाह के उप-महासचिव नईम कासिम ने शनिवार को गाजा पट्टी के लिए ट्रंप द्वारा दिए गए शांति प्रस्ताव पर अपनी बात रखी। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति की योजना की आलोचना करते हुए दावा किया कि ट्रंप का प्रस्ताव पूरी तरह से इजरायल की परियोजना के अनुकूल है। उन्होंने दावा किया कि यह योजना इजरायल के उस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बनाई गई है, जिसे वह महीनों के सैन्य अभियान के बाद भी हासिल नहीं कर पाया है। कासिम ने कहा, गाजा में सैन्य अभियानों, नरसंहार और अत्याचारों के बाद भी इजरायल इस क्षेत्र को हासिल करने में नाकाम रहा है। अपनी हार को होते देख इजरायल ने अमेरिका को आगे कर दिया है। अब वह शांति का दिखावा करके और राजनीतिक समाधान पेश करके इसे हासिल करना चाहता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गाजा में जारी संघर्ष को खत्म करने की मुहिम में जुटे हुए हैं। ज्यादातर देशों के नेताओं ने भी उनकी इस मुहिम का समर्थन किया है। लेकिन हमास और ईरान का सहयोगी इस प्रस्ताव से सहमत नजर नहीं आ रहा है। बता दें, मध्य-पूर्व में हिजबुल्लाह हमास और ईरान का घनिष्ठ सहयोगी है। 7 अक्तूबर के हमले के बाद जब इजरायल ने गाजा में बमबारी शुरू की तो हिजबुल्लाह भी खुले तौर पर युद्ध में आ गया था।

काठमांडू के मौसम में सुधार के साथ ही नेपाल से घरेलू उड़ानें शुरू

काठमांडू। दो दिनों की लगातार बारिश के कारण निलंबित घरेलू उड़ानें रविवार सुबह से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से फिर से शुरू हो गई हैं। हवाई अड्डा प्रशासन के अनुसार उन मार्गों पर उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं, जहां मौसम की स्थिति में सुधार हुआ है। काठमांडू से नेपालगंज और भद्रपुर के लिए उड़ानें पहले ही शुरू हो चुकी हैं। यह भी पुष्टि की गई कि पोखरा और सुरखेत में मौसम की स्थिति अब हवाई यात्रा के लिए अनुकूल हो गई है, जिससे उन मार्गों पर भी संचालन फिर से शुरू हो गया है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय उड़ानें नियमित रूप से शुरू की जा चुकी हैं। शुक्रवार शाम से ही आंतरिक उड़ाने बाधित हो गई थी। शनिवार को भारी बारिश के कारण अंतराष्ट्रीय उड़ानें भी बाधित रही। अधिकतर अंतराष्ट्रीय उड़ानों को भारत के नई दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी और कोलकाता डाइवर्ट किया गया था।

डींगे हांक रहे पाक ने कहा–हम दुश्मन देश के किसी भी कौने में जाकर जंग करने में सक्षम

इस्लामाबाद,05 अक्टूबर (एजेंसियां) । पाकिस्तान का वही हाल है कि रस्सी जल गई पर बल नहीं गए। ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटा पाकिस्तान अब भारत के उस बयान से बोखला रहा है जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान ने हरकत की तो नक्शे में मिलना ही मुश्किल हो जाएगा। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की तरफ से डींगे हांकने वाला बयान आया है और कहा कि दुश्मन देश के किसी भी कौने में जाकर पाक सेना युद्ध करने में सक्षम है।किसी युद्ध में अपनी हार को भी जनता के सामने जीत बनाकर परोसने वाली पाकिस्तानी सेना ने अपना बड़ बोलापन दिखाना यहाँ भी नहीं छोड़ा। फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की सेना की तरफ से जारी बयान में दावा किया गया कि उनकी सेना दुश्मन देश के किसी भी कोने में जाकर युद्ध करने में सक्षम है।

पाकिस्तानी सेना में ऑपरेशन सिंदूर का खौफ भी दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि यह बयान आक्रमण के लिए बहाने गढ़ने का एक प्रयास थे। इस बयान का अर्थ है कि भविष्य में भी ऑपरेशन सिंदूर जैसी किसी सैन्य कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। पाकिस्तानी सेना के खिलाफ की गई ऐसी कोई भी कार्रवाई दक्षिण एशिया में गंभीर परिणाम लाएगी। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद को रोकने की सलाह दी थी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा था कि पाकिस्तान को अगर विश्व मानचित्र पर अपनी जगह बनाए रखनी है तो उसे आतंकवाद का समर्थन करना बंद करना होगा। इससे एक दिन पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा था कि भारत अपनी रक्षा के लिए किसी भी सीमा को पार कर सकता है। जनरल द्विवेदी ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने बहुत संयम दिखाया है। लेकिन भविष्य के किसी भी ऑपरेशन के दौरान ऐसा कोई भी संयम दिखाई नहीं देगा। भारतीय सैनिकों के बीच में मौजूद जनरल द्विवेदी ने अपने जवानों को किसी भी कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भी ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तानी सेना की झूठ की पोल खोलकर रख दी। उन्होंने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से पाकिस्तान के ऊपर जो कार्रवाई की गई थी उसमें कम से कम 12 पाकिस्तानी जेट्स नष्ट कर दिए गए थे।

ग्रेट वॉल ऑफ चाइना पर नाम और आकृति उकेरने का मोह पर्यटक जोड़े को महंगा पड़ गया

बीजिंग,05 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पर्यटक स्थलों या सार्वजनिक जगहों पर अपना या अपने मित्र का नाम अथवा खास किस्म की आकृति उकेरने की प्रवृत्ति अक्सर देखी जाती है।भारत सहित दूसरे देशों के लोग भी इस प्रवृत्ति के मारे हैं। हालांकि चीन में ऐसी हरकत करने वाले एक पर्यटक जोड़े को ऐसा करना महंगा पड़ गया।इस जोड़े ने यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल में शामिल चीन की दीवार पर अपने-अपने नाम और खास किस्म की आकृति उकेरी।जांच में शिकायत सही पाए जाने पर इस जोड़े को न केवल हिरासत में लिया गया बल्कि उनपर भारी भरकम जुर्माना भी ठोका गया।

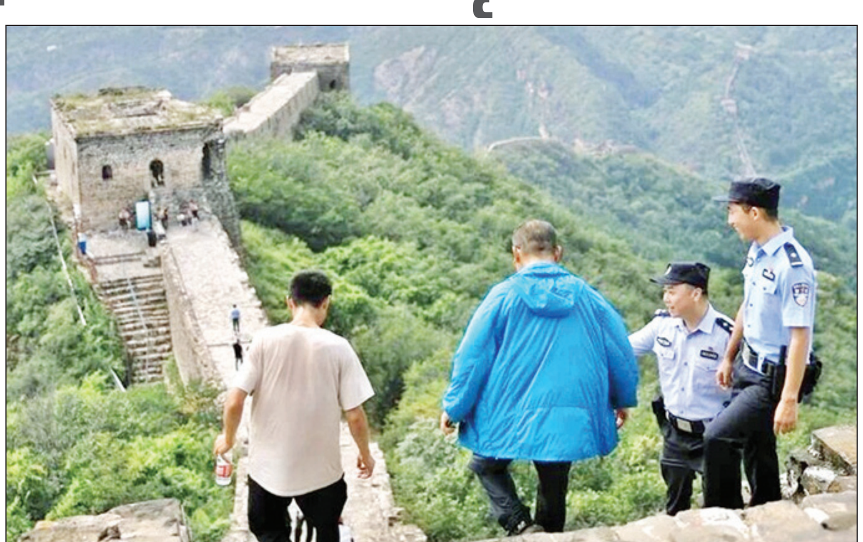

ग्लोबल टाइम्स की एक खबर के मुताबिक बीजिंग नगर निगम लोक सुरक्षा ब्यूरो की मियोन शाखा ने रविवार को अधिसूचना जारी कर बताया कि चीन की दीवार की ईंटों पर अक्षर उकेरने वाले दो पर्यटकों को हिरासत में लिया गया है और उन पर जुर्माना लगाया गया है। बीजिंग के एक कर्मचारी ने शुक्रवार को पुलिस से इसकी शिकायत की जिसमें बताया गया था कि पर्यटकों ने महान दीवार के सिमाताई खंड पर भ्रमण के दौरान अक्षर उकेरे थे।

पुलिस ने मौके का निरीक्षण और विस्तृत जाँच कर शनिवार सुबह दो पर्यटकों मान (पुरुष, 26) और लियू (महिला, 21) को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि दोनों पर्यटकों ने शुक्रवार दोपहर 2:00 बजे दर्शनीय क्षेत्र में अपनी यात्रा शुरू की और शाम लगभग 4:30 बजे, मान ने लियू के सुझाव पर पत्थरों का उपयोग करके महान दीवार के एक टॉवर पर उनके नाम उकेरे और कुछ आकृतियाँ भी बनाईं। मियोन पुलिस ने मान और लियू पर नजरबंदी और जुर्माना सहित प्रशासनिक दंड लगाया है।

पुलिस ने पर्यटकों को सांस्कृतिक अवशेषों की सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करने, सभ्य पर्यटक का तौर तरीका अपनाने और महान दीवार की यात्रा के दौरान अपशेषों से किसी भी तरह की छेड़छाड़ से बचने को कहा है। उल्लेखनीय है कि ग्रेट वॉल ऑफ चाइना के नाम से विख्यात चीन की दीवार, उत्तरी चीन में स्थित है। 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व मंगोलों के आक्रमण से बचने के लिए इसका निर्माण किया गया था। इसकी कुल लंबाई लगभग 21,196 किलोमीटर है। यह मिट्टी और पत्थरों से बनी है और इसमें सैनिकों के लिए वॉच टावर, गुप्त दरवाजे और सुरंगें हैं। यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल की सूची में शामिल चीन की दीवार पर्यटकों के लिए सबसे प्रसिद्ध और आकर्षक स्थलों में से एक है।

डब्ल्यूपीएसी 2025 : पोलैंड की लंबी कूद खिलाड़ी करोलिना को मिला कांस्य पदक

नई दिल्ली,05 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स (डब्ल्यूपीएसी) 2025 में रविवार को महिलाओं की लंबी कूद टी20 स्पर्धा में पोलैंड की करोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दिग्गज करोलिना का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5.55 मीटर रहा।

पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में पोलिश एथलीट से पीछे रहने वाली ब्राजील की जिलेइडे कैसियानो दा सिल्वा और तुर्किये की फातमा दामला अल्टिन ने गति, लय और उड़ान के साथ 5.88 मीटर और 5.72 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण और रजत पदक जीता।

2011 में पदार्पण के बाद से करोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का की किसी वैश्विक प्रतियोगिता में यह केवल तीसरी हार थी। उन्होंने चार विश्व चैंपियनशिप और तीन पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। हालांकि, उन्होंने कई बार 6 मीटर की छलांग लगाई है, लेकिन टखने की चोट के कारण उन्हें कांस्य पदक के लिए इस सीजन की सर्वश्रेष्ठ छलांग से ही संतोष करना पड़ा।

करोलिना ने कहा कि कांस्य पदक उन्हें स्वर्ण पदक जैसा लगा, क्योंकि वह अपने टखने की चोट से जूझ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह पसंद आया कि कैसे उन्होंने अपरिचित गर्मी और उमस में प्रतिस्पर्धा करने के बावजूद पोडियम पर बने रहने के लिए अंत तक संघर्ष किया। उन्होंने कहा, आज मुझे बहुत मजा आया। मैंने पोडियम पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की।

अपील जूरी ने फैसला पलट

इस बीच रविवार सुबह अपील जूरी ने पहले के एक फैसले को पलट दिया और ब्राजीलियाई खिलाड़ी के चार अंक बहाल कर दिए। पॉलिनो डॉस सैंटोस थियागो ने पुरुषों की शॉट पुट एफ57 स्पर्धा के फाइनल में 14.82 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता और भारत के सोमन राणा को कांस्य पदक मिला। फिनलैंड के तीजो कोप्पिका को पोडियम से बाहर कर दिया। भारत के पदकों की संख्या 18 बनी हुई है, लेकिन अब उसके पास प्रत्येक रंग के छह पदक हैं ।

न्यूज ब्रीफ

रोहित को अचानक कप्तानी से हटाये जाने पर कैफ ने सवाल उठाये

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने रोहित शर्मा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के ठीक पहले हटाकर शुभमन गिल को कप्तान बनाये जाने पर नाराजगी जतायी है। कैफ के अनुसार रोहित ने भारतीय क्रिकेट को 16 साल दिये। उनकी कप्तानी में हाल ही में टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीती। फिर भी चयनकर्ता उन्हें एक साल भी नहीं दे पाये। कैफ के अनुसार शुभमन को कप्तानी देने में जल्दबाजी की गयी है। कैफ के अनुसर रोहित को समय दिया जाना चाहिए था। फैसला लेने में हड़बड़ी की गयी। 16 आईसीसी इवेंट के मुकाबलों में से 15 में उनके नाम जीत है। केवल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 का विश्व कप फाइनल उनकी कप्तानी में टीम हारी थी। उनकी कप्तानी में टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती। 2024 के टी20 विश्व कप में भी उन्होंने टीम को जीत दिलायी थी। इसके बाद भी उन्होंने स्वयं ही टी20 प्रारुप को अलविदा कह दिया था। जिससे की युवाओं को अवसर दिया जा सके। रोहित ने कभी भी किसी जगह पर जमे रहने का प्रयास नहीं किया। इसके बाद भी चयन समिति ने उनको अवसर नहीं दिया। कैप के अलावा हरभजन सिंह ने भी रोहित को हटाये जाने पर सवाल उठाये हैं। उनका कहना है कि रोहित को अच्छे प्रदर्शन के बाद भी इस प्रकार अचानक ही हटाने का फैसला समझ से परे है।

सैमसन अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शायद ही नजर आयें, बोर्ड की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम चयन में एक बार फिर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की उपेक्षा हुई है। सैमसन को इस दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह पर चयनकर्ताओं ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को प्राथमिकता दी है। चयनसमिति ने उन्हें बैकअप विकेटकीपर के तौर पर भी शामिल नहीं किया है। इससे साफ है कि अब सैमसन भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर समाप्त होने की ओर है। चयन समिति के फैसले से सभी को हैरानी इस लिए भी हुई है क्योंकि सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेले गये अपने अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाया था। इसके बाद भी उनके नाम पर विचार नहीं हुआ। वहीं इससे पहले चैंपियंस ट्रॉफी में भी उन्हें जगह नहीं मिली थी। तब केएल राहुल मुख्य विकेटकीपर जबकि ऋषभ पंत इस टीम में वैकल्पिक विकेटकीपर थे। यही कारण है कि इस आईसीसी इवेंट में सैमसन को जगह नहीं मिली थी। वहीं अभी ऋषभ चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में राहुल के विकल्प के तौर पर सैमसन नहीं बल्कि जुरेल को रखा गया है। अजीत अगरकर के नेतृत्व वाली भारतीय चयनसमिति ने सैमसन की जगह पर जुरेल को रखे जाने पर कहा कि जुरैल मध्य क्रम खेलते हैं जिसमें हमें बल्लेबाज की जरुरत थी जबकि सैमसन शीर्ष क्रम में खेलते हैं जिसमें पहले ही कई बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यहा कारण है कि दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जुरैल को अवसर दिया गया हैं। इससे साफ है कि अब सैमसन भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर समाप्त होने की ओर है।

दिल्ली फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष भाटिया का निधन

नई दिल्ली। दिल्ली फुटबॉल संघ के उपाध्यक्षएन के भाटिया का निधन हो गया है। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे और अस्पताल में भर्ती थी। वह बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारियों और परेशानियों से जूझ रहे थे। भाटिया ने दिल्ली फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष के तौर पर खेल को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने दिल्ली सॉकर एसोसिएशन (डीएसके) के सचिव पद पर रहते हुए कई बार राष्ट्रीय महासंघ की बैठकों का भी प्रतिनिधित्व किया। वह अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कई स्थायी समितियों में भी शामिल रहे हैं। वह साल 1970 के दशक से ही फुटबॉल से जुड़ गये थे। सचिव और कोषाध्यक्ष के तौर पर भी उन्होंने दिल्ली फुटबॉल संघ को बेहतर बनाने के पूरे प्रयास किये। उनके नेतृत्व में दिल्ली ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं सफलतापूर्वक मेजबानी की है। भाटिया अपने अच्छे व्यवहार के कारण भी सभी के पसंदीदा थे। फुटबॉल दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष और शाजी प्रभाकरण ने उन्हें याद करते हुए कहा, मेरे कार्यकाल में भाटिया जी हर समय मार्गदर्शन और समर्थन देते रहे।

कभी हार मत मानो ' हेडबैंड के माध्यम से जर्मन एथलीट मार्ज़िलियर ने जताया आभार

नई दिल्ली,05 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

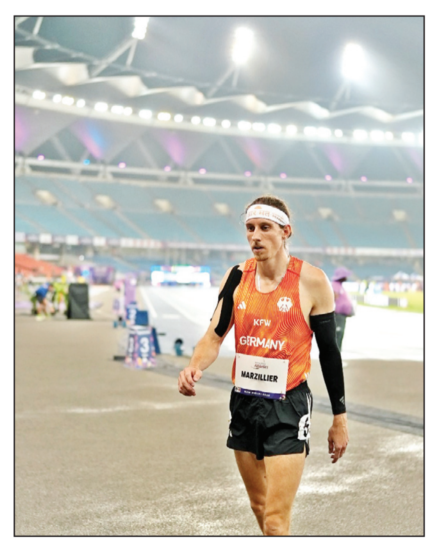

यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स 2025 में पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने वाले जर्मनी के फर्राटा धावक मैक्स मार्ज़िलियर ने बड़े अनोखे और भावनात्मक अंदाज में भारत में मिल रहे शानदार आतिथ्य के प्रति अपना सम्मान और आभार जताया।

अपने फाइनल मुकाबले में मार्ज़िलियर ने सफेद रंग का हेडबैंड पहन रखा था, जिस पर केसरिया अक्षरों से 'कभी हार मत मानो' लिखा था। साथ ही बैंड के ऊपरी हिस्से में कमल का फूल भी उकेरा गया था, जो इस एथलीट के मुताबिक यह बौद्ध धर्म के प्रति उनके सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ-साथ पवित्रता और दृढ़ता का प्रतीक है।

यह भारत को धन्यवाद कहने का उनका तरीका था। जापान के रयोटा फुकुनागा और बोत्सवाना के बोस मोकगवती को पछाड़ने के बाद मार्ज़िलियर ने बताया, हम एथलीटों का यहां बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया जाता है। हिंदी में लिखे शब्दों को माथे पर पहनना मेरे लिए सम्मान और कृतज्ञता दिखाने का एक तरीका था। हम जिस देश में खेलने जाते हैं, वहां इसी अंदाज में उसके प्रति अपनी भावना व्यक्त करते हैं।

मार्ज़िलियर के मुताबिक यह विचार उनके और जर्मन लंबी कूद एथलीट मार्कस रेम की कोच और ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट स्टेफी नेरियस से आया है। स्टेफी को शिष्टाचार के प्रतीक के रूप में हर मेज़बान देश की भाषा में लिखे शब्दों को पहनने की आदत थी। मार्ज़िलियर ने दिल्ली में उस परंपरा को अपनाया और उसे अपना बना लिया। हेडबैंड पर कमल के प्रतीक ने इसमें अर्थ की एक और रोचक परत जोड़ दी। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी के लिए यह लचीलेपन और शालीनता का प्रतीक है और ऐसे गुण चोट से उबरने के उनके अपने सफर को दर्शाते थे। वह कहते हैं, मुझे पता है कि बौद्ध धर्म में शालीनता और लचीलापन महत्वपूर्ण है। यह कठिनाइयों से बेदाग़ होकर आगे बढ़ने के बारे में है। मेरे लिए, यह एक आदर्श प्रतीक था। ऐसा नहीं है कि मार्ज़िलियर सिर्फ दिखावे के लिए हेडबैंड लगाए हुए थे। इस बैंड पर लिखे संदेश और प्रतीक चिन्ह ने उनकी मानसिकता पर असर डाला था। यही मानसिकता रेस के अंतिम क्षणों में जीवंत हो उठी। फुकुनागा के आगे होने के साथ, मार्ज़िलियर स्वर्ण पदक से चूकते हुए नजर आ रहे थे, लेकिन उनके माथे पर लिखे शब्दों ने उन्हें हार न मानने की याद दिला दी। आखिरी मीटर में, उन्होंने पूरा जोर लगाया और सेकंड के तीन सौवें हिस्से से जीत हासिल कर ली। रेस के बाद उन्होंने स्वीकार किया, मुझे घुटनों में तकलीफ थी और मैं हफ्तों तक ठीक से ट्रेनिंग नहीं कर पाया था। इसलिए यह पदक मेरे लिए बिल्कुल अप्रत्याशित है। लेकिन हेडबैंड ने मुझे याद दिलाया—कभी हार मत मानो। रेस के बाद मार्ज़िलियर का हेडबैंड चर्चा का केंद्र बन गया। वह काफी खुश और भावनात्मक नजर आए क्योंकि उनके लिए, यह पल पदक से कहीं बढ़कर था। यह उस जुड़ाव का एहसास था जो एक एथलीट का उस देश की संस्कृति को अपनाने जैसा था, जिसने उसका ख्याल रखा और शानदार मेज़बानी की थी। अंत में उन्होंने कहा, खेल में सम्मान उतना ही मायने रखता है, जितना परफार्मेंस। आज रात, मैं बस भारत के प्रति यही सम्मान दिखाना चाहता था। और मैं खुश हूं कि भारत ने मुझे मुश्किल समय में स्वर्ण पदक दिया और इसके लिए मैं सदैव इस का आभारी रहूंगा।

इक्काडोर की कियारा ने पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। इक्काडोर की कियारा रोड्रिग्ज ने पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2025 में पहला स्थान हासिल करने के साथ ही स्वर्ण पदक जीता है। ये कियारा का लंबी कूद की टी-47 स्पर्धा में चौथा स्वर्ण पदक है। कियारा ने इस टूर्नामेंट में 6.29 मीटर की छलांग लगाकर पहला जबकि हंगरी की पेट्रा लुटेरन ने 5.98 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा व डेनमार्क की ब्योर्कर नोएरेमाकर ने 5.84 मीटर की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही रजत व कांस्य पदक हासिल किया। कियारा ने इससे पहले 100 मीटर टी-47 की टी20 स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता था। इसमें तिहरा पदक भी हासिल हैं। भारत की ही निमिषा चक्कुंगलपरम्बिल 5.74 मीटर की छलांग लगाने के साथ ही चौथे स्थान पर रहीं और पोडियम में जगह नहीं बना पायीं। वहीं अमेरिका के माइकल ब्रैनिगन ने पुरुषों की 1500 मीटर टी-20 और ईरान के अली बाजियारशूरिजेह ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भी पहला स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता।

पीवीएल 2025: अहमदाबाद डिफेंडर्स की शानदार वापसी, पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में दिल्ली तूफानों पर जीत

हैदराबाद,05 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग (स्कैपिया द्वारा संचालित) के रोमांचक मुकाबले में अहमदाबाद डिफेंडर्स ने शनिवार को गाचीबौली इंडोर स्टेडियम में दो सेट से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए दिल्ली तूफानों को 3-2 से पराजित किया। स्कोरलाइन रही 13-15, 13-15, 15-13, 15-8, 18-16। शानदार प्रदर्शन के लिए अंगमुथु को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मुकाबले की शुरुआत में दिल्ली तूफानों का खेल पूरी तरह हावी रहा। कप्तान और सेटर साक़लैन तारिक ने मिडिल अटैक का शानदार इस्तेमाल किया, वहीं जसीम की दमदार ब्लॉक्स और कार्लोस बेरियोस की तेज़ सर्व ने टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। वेनेजुएला के अटैकर जीसस चौरियो ने दाईं ओर से लगातार स्मैश लगाते हुए अहमदाबाद की डिफेंस को कमजोर किया। अनु जेम्स के सहयोग से दिल्ली ने शुरुआती दो सेट आसानी से अपने नाम किए।

हालांकि तीसरे सेट से मुकाबले का रुख बदल गया। शॉन टी. जॉन के कोर्ट में उतरते ही अहमदाबाद ने नई ऊर्जा के साथ खेलना शुरू किया। उनके शानदार स्मैश और सुपर पॉइंट ने वापसी की नींव रखी। अभिनव की बैकलाइन पर एंट्री ने डिफेंस को मजबूती दी, जबकि अखिन की लगातार सफल ब्लॉक्स ने दिल्ली को रोक दिया।

निर्णायक पांचवें सेट में मुकाबला रोमांचक हो गया। बत्तूर बटसुरी के आक्रामक खेल ने अहमदाबाद को बढ़त दिलाई, जबकि दिल्ली ने भी पूरी ताकत झोंक दी। आखिर में अहमदाबाद ने धैर्य बनाए रखा और 18-16 से निर्णायक सेट जीत लिया।

इस जीत के साथ अहमदाबाद डिफेंडर्स ने न सिर्फ अंक तालिका में दो अहम अंक जोड़े बल्कि यह भी साबित किया कि प्राइम वॉलीबॉल लीग में अंतिम सीटी बजने तक कुछ भी संभव है।

इंडोनेशिया में मोटो जीपी रेस

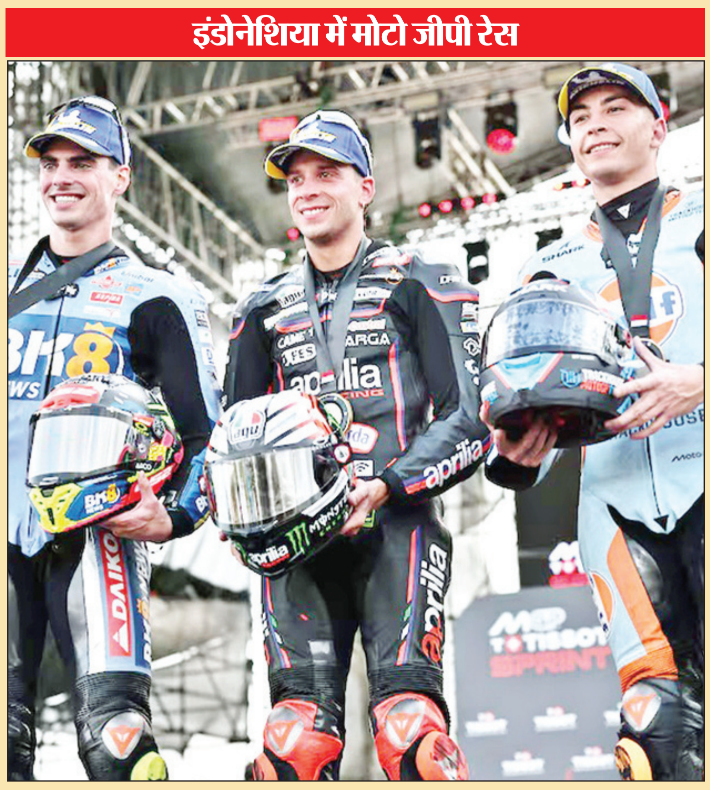

इंडोनेशिया में मोटो जीपी रेस में एप्रीलिया रेसिंग के मार्का के बेजासी पोंडियम में अपने साथियों के साथ उत्साहित होते हुए।

अर्जेंटीना ने मैत्री फुटबॉल मुकाबलों के लिए रिवेरो सहित तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया

ब्यूनस आयर्स,05 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

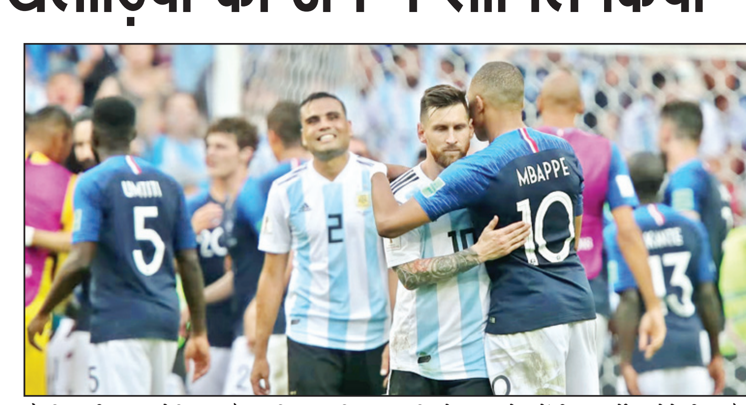

अर्जेंटीना ने वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ 10 अक्टूबर को होने वाले मैत्री फुटबॉल मुकाबलों के लिए रिवर प्लेट के डिफेंडर लौटारो रिवेरो को अपनी टीम में शामिल किया है। लौटारो उन तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ होने वाले मैत्री मैचों के लिए शामिल किया गया है। अर्जेंटीना की टीम इसके बाद 13 अक्टूबर को शिकागो में प्यूर्टो रिको से मुकाबला करेगी। लौटारो के अलावा रेसिंग क्लब के गोलकीपर फाकुंडो कैम्बेसिस और पाल्मेरास के मिडफील्डर एनीबल मोरेनो को भी पहली बार अर्जेंटीना टीम में जगह मिली है। ये मुकाबले इस माह संयुक्त राज्य अमेरिका में खेले जाएंगे। इनके अलावा बॉर्नमाउथ के डिफेंडर मार्कोस सेनेसी को भी टीम में रखा गया है। चेल्सी के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज भी निलंबन समाप्त होने के कारण एक बार फिर टीम में नजर आयेंगे। अर्जेंटीना की टीम में एमिलियानो मार्टिनेज, खेरोनिमो रूली, वाल्टर डेनियल बेनितेज और फाकुंडो कैम्बेसिस को गोलकीपिंग की जिम्मेदारी दी गयी है। टीम की कप्तानी लियोनेल मेसी करेंगे। टीम में लिवरपूल के मिडफील्डर एलेक्सिस मैक एलिस्टर, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फ्रेंको मस्तंतुओनो, एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड जूलियन अल्वारेज और इंटर मिलान के स्ट्राइकर लौटारो मार्टिनेज भी शामिल किये गये हैं।

अर्जेंटीना टीम:

गोलकीपर: एमिलियानो मार्टिनेज, वाल्टर डेनियल बेनितेज, खेरोनिमो रूली और फाकुंडो कैम्बेसिस।

डिफेंडर: गोंजालो मोंटिएल, नहुएल मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, लियोनार्डो बालरडी, निकोलस ओटामेंडी, मार्कोस सेनेसी, लौटारो रिवेरो, निकोलस टग्लिआफिको और मार्कोस एक्यूना।

मिडफील्डर: लिएंड्रो परेडेस, एनीबल मोरेनो, रोड्रिगो डी पॉल, एंजो फर्नांडीज, निकोलस पाज, जियोवानी लो सेल्सो, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, थियागो अल्माडा और फ्रेंको मस्तंतुओनो।

फॉरवर्ड: गिउलिआनो शिमोन, निकोलस गोंजालेज, लियोनेल मेस्सी, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज।

मनीषा चौहान की कप्तानी में चीन दौरे पर जाएगी भारत ए महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली,05 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अनुभवी डिफेंडर मनीषा चौहान की कप्तानी में भारत ए महिला हॉकी टीम इसी माह पांच मैचों के लिए चीन दौरे पर जाएगी। भारत ए टीम अपने इस दौरे में 13 से 21 अक्टूबर तक पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। इस दौरे से भारतीय महिला भारतीय महिला हॉकी टीम को विदेशी हालातों में अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। जिसका लाभ उसे भविष्य में होगा। इस दौरे पर भारतीय टीम 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को मैच खेलेगी। इस दौरे से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय हालातों के अनुसार ढलने में सहायता मिलेगी।

कोच डेव स्मोलेनार्स को इस दौरे में टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। स्मोलेनार्स ने कहा, 'हमने एक अच्छी और युवा टीम तैयार की है जिसमें जबरदस्त संभावनाएं हैं। चीन में होने वाली इस सीरीज से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपर : बंसारी सोलंकी, माधुरी किंडो

डिफेंडर : मनीषा चौहान, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी, अंजना डुंगडुंग

मिडफील्डर : सुजाता कुजूर, दीपिका सोरेंग, अजमीना कुजूर, पूजा यादव, बलजीत कौर, दीपी मोनिका टोप्पो

फॉरवर्ड : अलबेला रानी टोप्पो, रितिका सिंह, अन्नू, चंदना जगदीशा, काजल सदाशिव अटपडकर, सेलेस्टिना होरो।

शोएब मलिक लेने जा रहे तीसरी बार तलाक

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शोएब मलिक अब अपनी तीसरी बीबी और अभिनेत्री सना मलिक से भी तलाक लेने जा रहे हैं। इससे पहले शोएब ने भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा से शादी के 14 साल के बाद तलाक लिया था। सानिया से तलाक के बाद शोएब ने सना से शादी कर ली थी। वहीं अब दोनो के बीच मतभेद की खबरें सामने आयी हैं। साल 2024 में शोएब ने सना से शादी की थी। इससे पहले दोनो ही एक टीवी शो में साथ आये थे जिसके बाद दोनो के बीच रिश्ता बना था। वहीं स्थानीय मीडिया के अनुसार अब शोएब और उनकी पत्नी सना के बीच मतभेद बढ़ गये हैं और बात अलग होने तक पहुंच गयी है। ये भी कहा जा रहा है कि दोनो जल्द ही एक-दूसरे से अलग हो सकते हैं। इससे साफ है कि शोएब का रिश्ता लंबा नहीं चलता। शोएब ने सना से पहले सानिया से अप्रैल 2010 में शादी की थी। दोनो के बीच फिर जनवरी 2024 तक ही रिश्ता चला था। वहीं अब वह सना से अलग रह रहे हैं। पिछले कुछ सालों में सना जावेद को कई मौकों पर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) मैचों के दौरान स्टैंड्स से शोएब मलिक का उत्साह बढ़ाते हुए देखा गया था पर अब वह नजर नहीं आतीं इससे साफ है कि अब इन दोनो के संबंध पहले की तरह नहीं रहे हैं।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रेनॉल्ट लागत कम करने 3,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

कंपनी ने हाल ही में लगभग 13 अरब डॉलर) का भारी नुकसान दर्ज किया

नई दिल्ली,05 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांसीसी ऑटोमोबाइल कंपनी रेनॉल्ट अपनी लागत में कटौती करने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाने जा रही है। कंपनी ने सपोर्ट फंक्शन्स जैसे मानव संसाधन, वित्त और मार्केटिंग में लगभग 15 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बनाई है। इससे करीब 3,000 नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। यह छंटनी मुख्य रूप से कंपनी के मुख्यालय बूलोन-बिलांकॉर्ट (पेरिस के पास) और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में की जाएगी। इस योजना को रेनॉल्ट ने एरो नाम दिया है। 2024 के अंत तक रेनॉल्ट के पास कुल 98,636 कर्मचारी थे। कंपनी ने हाल ही में 11.2 अरब यूरो (लगभग 13 अरब डॉलर) का भारी नुकसान दर्ज किया है, जिसमें से 9.3 अरब यूरो का हिस्सा उनके पार्टनर निसान के राइट-डाउन से जुड़ा है। इसके बावजूद, रेनॉल्ट की आय पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम हो गई है, जो केवल 461 मिलियन यूरो रही। वैन मार्केट की कमजोरी, इलेक्ट्रिक वाहनों की महंगी उत्पादन लागत और चीनी कार कंपनियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा ने कंपनी पर अतिरिक्त दबाव डाला है। जुलाई में नई नियुक्ति फ्रांस्वा प्रोवोस्ट ने सीईओ के रूप में कार्यभार संभाला है।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता शुरू

नई दिल्ली। 6 अक्टूबर से ब्रसेल्स में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की 14वीं दौर की वार्ता शुरू हो रही है। इस समझौते के जरिए दोनों पक्ष व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसरों को साकार करना चाहते हैं। यूरोपीय कंपनियों ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और 'मेक इन इंडिया' पहल में गहरी रुचि दिखाई है। यूरोपीय बिजनेस फेडरेशन इन इंडिया (फेबी) के सर्वे के मुताबिक भारत में 6,000 से अधिक यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं, जो करीब 30 लाख लोगों को रोजगार देती हैं। ये कंपनियां न केवल निवेश कर रही हैं, बल्कि भारत में निर्माण, नवाचार और निर्यात को भी बढ़ावा दे रही हैं, जो 'मेक इन इंडिया' मिशन को गति दे रहा है। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों के बीच वस्तुओं का व्यापार 120 अरब यूरो तक पहुंच चुका है, जो अमेरिका और चीन से अधिक है। सेवाओं सहित यह व्यापार 180 अरब यूरो तक पहुंच गया है। इसके बावजूद व्यापार और निवेश की बड़ी संभावनाएं बाकी हैं, जिन्हें एफटीए के माध्यम से खोला जा सकता है। निवेश और व्यापार में उम्मीदें बढ़ीं 'मेक इन इंडिया' की ओर झुका यूरोप वार्ता में निवेश सुरक्षा समझौते पर भी चर्चा हो रही है, जिससे निवेशकों के लिए स्थिर और पारदर्शी वातावरण सुनिश्चित होगा।

न्यूज ब्रीफ

अक्टूबर में दो दिन में एफपीआई ने बेची 3,842 करोड़ की इक्विटी

मुंबई। अक्टूबर 2025 की शुरुआत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए मंदी भरी रही। महीने के पहले दो कारोबारी दिनों में एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 3,842 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के चलते बाजार बंद रहा, जिससे अब तक केवल दो दिन ही कारोबार हो पाया है। वित्त मंत्रालय और एक्सचेंज आंकड़ों के अनुसार एफपीआई की कुल शुद्ध निकासी 1,262 करोड़ रुपये रही, जिसमें अन्य पूंजी बाजार निवेश शामिल हैं। एफपीआई द्वारा इतनी बड़ी बिकवाली से बाजार में सतर्कता बढ़ गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जैसे कारक निवेशकों की धारणा को प्रभावित कर रहे हैं। यदि यह रुझान जारी रहा, तो निकट भविष्य में बाजार पर दबाव बढ़ सकता है।

ईडी ने ओजोन अर्बाना पर की कार्रवाई 423 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु में मेसर्स ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रमोटर एस वासुदेवन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 423.38 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां कुर्क की गई हैं। यह कार्रवाई कंपनी द्वारा ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी के कई मामलों की जांच के बाद हुई है। कंपनी पर आरोप है कि उसने ग्राहकों को समय पर फ्लैट नहीं दिए और निर्माण कार्य में देरी की। ग्राहकों से अग्रिम भुगतान लेकर न तो फ्लैट दिए गए और न ही उनकी राशि वापस की गई। इसके साथ ही कंपनी ने परियोजना पूरा होने तक ईएमआई भुगतान करने का वादा किया था, जिसे पूरा नहीं किया गया। ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी के कई मामलों की जांच के बाद हुई कार्रवाई ईडी की जांच में पता चला कि कंपनी और प्रमोटर वासुदेवन ने मिलकर कुल 927.22 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। यह रकम विभिन्न समूह कंपनियों और संबद्ध व्यक्तियों के माध्यम से बेईमानी से रोक रखी गई है। ईडी ने ओजोन अर्बाना की कई परियोजनाओं में बिना बिके फ्लैट, व्यावसायिक भूमि और प्रमोटर व उनकी पत्नी की निजी संपत्तियां कुर्क की हैं। इनमें एवेन्यू के 92 फ्लैट, एक्वा 2 के 13 फ्लैट और मुदिगेरे के कन्नहल्ली गांव में 179 एकड़ भूमि शामिल है। कुल संपत्तियों का मूल्य 423.38 करोड़ रुपए बताया गया है। पीएमएलए के तहत इस मामले में जांच जारी है।

मारुति सुजुकी का 2025-26 में चार लाख वाहनों के निर्यात का लक्ष्य

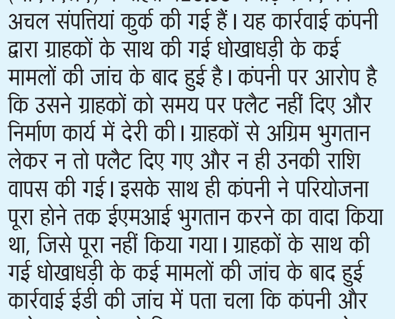

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख वाहन बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी चालू वित्त वर्ष 2025-26 में चार लाख से ज्यादा वाहनों का निर्यात करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार अप्रैल-सितंबर में कंपनी ने पहले ही दो लाख से ज्यादा वाहनों का निर्यात कर दिया है। कंपनी ने सितंबर में निर्यात में सालाना आधार पर 52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और यह 42,204 इकाई रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 27,728 इकाई था। मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि पहली तिमाही में हमने लगभग 1.10 लाख इकाइयों का निर्यात किया और पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में हमने 2.07 लाख से ज्यादा इकाइयों का निर्यात किया। इसलिए, हम अपने चार लाख इकाइयों के पूर्वानुमान को हासिल करने की राह पर हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी का निर्यात निकटतम घरेलू प्रतिस्पर्धी के निर्यात से दोगुने से भी ज्यादा है।

अगले सप्ताह 5 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 24 शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली,05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लगातार दो सप्ताह तक प्राइमरी मार्केट में बड़ी संख्या में नए आईपीओ की लॉन्चिंग होने के बाद सोमवार 6 अक्टूबर से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट की हलचल तुलनात्मक रूप से कम रहने वाली है। इस सप्ताह पांच नए आईपीओ लांच होने वाले हैं। इनमें से चार आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि एक आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा सब्सक्रिप्शन के लिए पहले से ओपन हुए तीन आईपीओ में भी सोमवार तक और एक आईपीओ में मंगलवार बोली लगाई जा सकेगी। इस सप्ताह होने वाली लिस्टिंग की बात करें तो 24 कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करेंगी। इनमें से पांच कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि 19 कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं।

इस सप्ताह के पहले दिन ही 6 अक्टूबर को नए आईपीओ के रूप में टाटा कैपिटल का 15,511.87 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 8 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 310 रुपये से लेकर 326 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 46 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 13 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होगी।

सप्ताह के दूसरे कारोबार वाले दिन 7 अक्टूबर को एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का 11,607.01 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 9 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 1,080 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 13 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 14 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसी दिन अनंतम हाईवेज ट्रस्ट का 400 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें भी 9 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 98 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति यूनिट का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के यूनिट 17 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। मंगलवार को ही मित्तल सेक्शंस का 52.91 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें भी 9 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 136 रुपये से लेकर 143 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 14 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसके बाद गुरुवार 9 अक्टूबर को रुबिकॉन रिसर्च का 1,377.50 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 13 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 461 रुपये से लेकर 485 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 30 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 16 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसके अलावा पिछले महीने 26 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले डीएसएम फ्रेश फूड्स के 59.06 करोड़ रुपये के आईपीओ में सोमवार 6 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक 0.94 गुना सब्सक्रिप्शन आ चुका है। इस आईपीओ में 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ क्लोज होने के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 9 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसी तरह 30 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले ग्रीनलीफ एनवायरोटेक के 21.90 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी सोमवार 6 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक 0.30 गुना सब्सक्रिप्शन आ चुका है। इस आईपीओ में 136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ क्लोज होने के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 9 अक्टूबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। 30 सितंबर को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले श्लोका डाइज के 63.50 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी सोमवार 6 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक सिर्फ 0.02 गुना सब्सक्रिप्शन आ सका है। इस आईपीओ में 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ क्लोज होने के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 9 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसके अतिरिक्त 3 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले वी वर्क इंडिया मैनेजमेंट के 3,000 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार 7 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक सिर्फ 0.04 गुना सब्सक्रिप्शन आ सका है। इस आईपीओ में 615 रुपये से लेकर 648 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 23 शेयर का है। आईपीओ क्लोज होने के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 10 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होगी। अगले सप्ताह के दौरान कुल 24 कंपनियों लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगी। सप्ताह के पहले दिन 6 अक्टूबर को ही पेस डिजीटेक के शेयर बीएसई ओर एनएसई पर लिस्ट होंगे। किसी दिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर भाविक एंटरप्राइजेज,अमीनजी रबर, एमपीके स्टील्स, रुक्मिणी देवी गर्ग एग्रो इंपैक्स और केवीएस कास्टिंग्स के शेयर अपने कारोबार की शुरुआत करेंगे। 6 अक्टूबर को ही एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर मानस पॉलिमर्स के शेयरों की लिस्टिंग होगी। सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार यानी 7 अक्टूबर को फैबटेक टेक्नोलॉजीज और ग्लॉटिस लिमिटेड के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग होगी।

त्योहारी सीजन में चमका पीवीआर आईनॉक्स

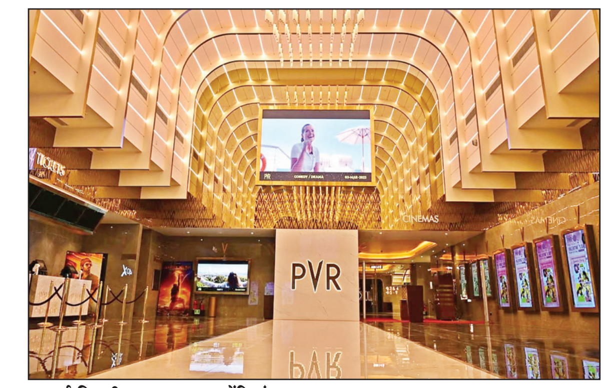

नई दिल्ली,05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विजयादशमी और गांधी जयंती के संयोग वाले सप्ताहांत पर पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड को जबरदस्त दर्शक प्रतिक्रिया मिली। कंपनी के सिनेमा हॉलों में 8.5 लाख से अधिक दर्शकों ने फिल्में देखीं, जिससे कुल दर्शक संख्या 50 फीसदी की ऑक्यूपेंसी पार कर गई।

महामारी के बाद सिनेमा इंडस्ट्री के लिए यह एक बड़ी सकारात्मक खबर है। पीवीआर आईनॉक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस बार त्योहारी सीजन में देशभर के दर्शकों की ऊर्जा से सिनेमा हॉल सराबोर हो उठे हैं। कंपनी ने दूसरी तिमाही में पहले ही अच्छी वृद्धि दर्ज की है और अब आने वाले हफ्तों में नई फिल्मों की रिलीज़ से और भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। प्रमुख फिल्मों की कतार और त्योहारों का माहौल मिलकर सिनेमा व्यवसाय को नया आयाम दे सकते हैं। कंपनी इस पूरे सीजन को लेकर काफी आशावादी है।

बीएल एग्रो का पांच वर्षों में 3,000 करोड़ के निवेश का लक्ष्य

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश स्थित बीएल एग्रो अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए अगले पांच वर्षों में अपने राजस्व को 2.5 गुना बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये प्राप्त करने का लक्ष्य हासिल करने के लिए 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी मुख्य रूप से खाद्य तेल और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ का विक्रय करती है। बीएल एग्रो के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि कंपनी चावल और दूध जैसी विभिन्न खाद्य श्रेणियों में विस्तार योजनाओं के वित्तपोषण के लिए ये निवेश करेगी। बीएल एग्रो समूह बैल कोल्हू ब्रांड के तहत खाद्य तेल और नरिश तथा अन्य ब्रांडों के तहत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ बेचती है। उसने वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 8,000 करोड़ रुपये का कारोबार किया। बरेली स्थित इस पारिवारिक स्वामित्व वाले समूह की अगले पांच वर्षों में कई परियोजनाओं के विस्तार पर लगभग 3,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है, जिसमें दूध के साथ ही चावल का व्यवसाय भी शामिल है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

22 नवंबर से ...

आप सब मिलकर मतदाता सूची शुद्धिकरण के कार्य में देश के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे। उन्होंने कहा, मैं भारत और बिहार के सभी मतदाताओं का अभिवादन करता हूं। मैं बिहार के सभी मतदाताओं से आग्रह करता हूं कि वे अपना वोट डालें और चुनाव दिवस को वैसे ही मनाएं जैसे हम छठ पूजा का त्यौहार मनाते हैं। चुनाव आयोग ने बिहार में सफल मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए 90,270 बीएलओ को सम्मानित किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, बिहार में विधानसभा के 243 सामान्य निर्वाचन क्षेत्र हैं। वहां 22 नवंबर से पहले चुनाव करा लिए जाएंगे। चुनाव आयोग की पूरी टीम दो दिनों से बिहार में मौजूद है। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बिहार पुलिस प्रशासन, प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों और नोडल अधिकारियों के साथ बैठकें की हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा, हम भारत के मतदाताओं को बधाई देते हैं। सफल एसआईआर प्रक्रिया के लिए आप सभी का धन्यवाद। मैं बिहार के सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे लोकतंत्र के इस पर्व को उसी उत्साह के साथ मनाएं जैसे आप छठ मनाते हैं। सभी को मतदान करना चाहिए और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, हाल ही में बिहार में मतदाता सूची शुद्धिकरण का कार्य किया गया और हमारे सामने उपस्थित बूथ लेवल अधिकारियों ने न केवल अपने बूथों में मतदाता सूची शुद्धिकरण का कार्य किया, बल्कि बिहार के 90,217 बूथ लेवल अधिकारियों ने ऐसा कार्य किया जो पूरे देश में अनुकरणीय है। जैसे बिहार के वैशाली ने दुनिया को लोकतंत्र का मार्ग दिखाया। आप सब मिलकर मतदाता सूची शुद्धिकरण के कार्य में देश के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे।भोजपुरी में बिहार के मतदाताओं का अभिवादन करते हुए देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पटना में कहा कि जिस तरह हम अपने पर्व-त्यौहारों और विशेष रूप से लोक आस्था के महापर्व छठ को मनाते हैं, उसी तरह से बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान को उत्साह के साथ मनाएं। उन्होंने मतदान की तारीखों पर फिलहाल कोई निश्चित जानकारी नहीं दी, लेकिन यह जरूर कहा कि 22 नवंबर से पहले चुनाव की पूरी प्रक्रिया सम्पन्न करा ली जाएगी।एसआईआर पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, जो प्रत्याशी खड़े हों, वह पोलिंग एजेंट्स जरूर दें। मॉक पोल अपनी आंखों के सामने जरूर देखने कहें। मतदान के खत्म होते समय पोलिंग एजेंट्स फॉर्म 17सी भी ले लें। जिन लोगों को नगर निगम ने मकान का कोई नंबर तय नहीं किया है, वहां एक ही मकान में कई लोगों के नंबर मतदाता सूची में दर्ज होने की आशंका रहती है। क्योंकि, कुछ चिन्हित करने के लिए बीएलओ यह करते हैं। चुनाव के पहले पुनरीक्षण हर बार होता है, इसलिए उसे चुनाव के बाद कराने की मांग का कोई अर्थ नहीं है। बिहार के एसआईआर में दावा-आपत्ति का पूरा अवसर दिया गया। इस प्रक्रिया की देखरेख के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपने बूथ लेवल एजेंट्स दिए थे। एसआईआर में अब भी समय है कि किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को ऐसा लगता है कि योग्य मतदाता छूट गया है या अयोग्य मतदाता का नाम सूची में है तो वह दावा-आपत्ति कर सकता है। उनके दावे-आपत्ति का निपटारा ईआरओ स्तर से हो जाएगा।मुख्य चुनाव आयुक्त ने जानकारी दी कि बूथ लेवल एजेंट्स की पहली बार चुनाव आयोग ने ट्रेनिंग की। बिहार के सभी बूथ लेवल एजेंट्स- 1 की ट्रेनिंग कुछ माह पहले ही दिल्ली में ट्रेनिंग हुई। उसके बाद बूथ लेवल अफसरों की ट्रेनिंग हुई। इसके बाद देशभर के 700 बूथ लेवल सुपरवाइजर-एजेंट्स की ट्रेनिंग की गई। मतदाता सूची के मामले में विशेष गहन पुनरीक्षण बड़ा टास्क था। सभी मतदाताओं के सहयोग के साथ स-समय यह पूरा हुआ। बूथ लेवल अफसरों के साथ तमाम अधिकारी, जो इस काम को करते हैं- उनका मानदेय भी बढ़ाया गया। खास तौर पर एआरओ और एईआरओ को भी मानदेय की व्यवस्था की गई। चुनाव आयोग ने वोटर कार्ड के 15 दिनों के अंदर मिलने की व्यवस्था की। बीएलओ को मतदाता सुगमता से पहचाने जा सकें, इसके लिए आईडी भी दिए गए।इस बार बूथ के कमरे के ठीक बाहर मतदाताओं को सभी 90 हजार मतदान केंद्रों पर मोबाइल रखने की व्यवस्था रहेगी। वोटर स्लिप में इस बार बूथ की संख्या और पता बड़े फॉन्ट में रखा जा रहा है, ताकि आसानी से पढ़ा जा सके। चुनाव आयोग ने तकनीक का सहारा बहुत पहले से ले रहा है। 40 एप्लिकेशन थे। उसकी जगह अब वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म लाया गया। बिहार चुनाव में यह प्लेटफॉर्म सक्रिय रहेगा। चूंकि 1500 से ज्यादा मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों में लंबी भीड़ रहती थी और परेशानी ज्यादा होती थी, इसलिए अब 1200 से ज्यादा किसी भी बूथ पर वोटर नहीं रहेंगे।कानून के तहत प्रत्याशी मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में भी अपना स्टॉल लगा सकते हैं। अब हर पोलिंग स्टेशन की 100 प्रतिशत वेब कास्टिंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि किसी को किसी तरह का संशय न रहे। ईवीएम में प्रत्याशियों की तस्वीर रंगीन होगी और उनका सीरियल नंबर भी बड़े फॉन्ट में होगा। पहले जब मतगणना होती थी, उसमें ईवीएम-वीवीपैट को लेकर मिसमैच की आशंका रहती थी। कभी-कभी ऐसा होता था। अब ऐसा न हो, इसलिए मैचिंग कराने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, पोस्टल बैलेट की पूरी गिनती के बाद ही अंतिम ईवीएम की गणना होगी। मतगणना के बाद मीडिया को डिजिटल इंडेक्स कार्ड पहले के मुकाबले जल्दी दिखने लगेगा। कुल 17 नए प्रयास चुनाव आयोग बिहार से कर रहा है।भारत में चुनाव संविधान, लोक प्रतिनिधित्व कानून और कानून के तहत होते हैं। भारत का चुनाव और चुनाव आयोग दुनिया की सबसे बड़ी व्यवस्था है। आपने देखा कि मतदान केंद्र स्तर पर बीएलओ, उनके ऊपर निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी होते हैं। मतदाता सूची बनाने की जिम्मेदारी 243 ईआरओ और 90127 बीएलओ पर थी। 22 साल बाद यहां विशेष गहन पुनरीक्षण किया। अगर कोई गलत नाम आ जाए या किसी का नाम छूट जाए तो उससे ऊपर डीएम के पास अपील और उससे भी नहीं समाधान निकले तो मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास अपील का प्रावधान होता है। इसी तरह से जब चुनाव होते हैं तो चुनाव आयोग हर विधानसभा के लिए एक रिटर्निंग ऑफिसर को नियुक्त करता है। वह अपने क्षेत्र में चुनाव कराते हैं और नियमों का पालन कराते हैं। वोटर लिस्ट बनाना और चुनाव कराना, दो अलग काम है। यह दोनों काम करने वाले अधिकारी चुनाव आयोग के निर्देशों पर काम करते हैं।

त्रिपुरा के डिटेंशन...

त्रिपुरा में कुछ ही दिनों में घुसपैठियों के भागने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 1 अक्टूबर को उत्तर त्रिपुरा की धर्मनगर जेल से भी 6 कैदी भाग गए थे, जिनमें से 2 को बाद में पकड़ लिया गया था। राज्य में अवैध प्रवासियों पर नजर रखने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि वे डिटेंशन सेंटर से भागे हुए सभी लोगों को जल्द से जल्द पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

लद्दाख हिंसा की ...

पुलिस की कथित गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। इसके बाद गुस्सा और भी ज्यादा बढ़ गया। सोनम वांगचुक को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट यानी एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया था और सरकार ने उन पर भीड़ को उकसाने का आरोप लगाया था। लद्दाख पुलिस ने आरोप लगाया है कि वांगचुक के पाकिस्तान से संबंध हैं, जबकि गृह मंत्रालय ने उनके एनजीओ का एफसीआरए के तहत लाइसेंस रद्द कर दिया है और उनके खिलाफ सीबीआई जांच लंबित है।सोनम वांगचुक को हिरासत में लिए जाने के बाद जोधपुर की सेंट्रल जेल में भेज दिया गया। उनकी हिरासत की विपक्षी दलों ने जमकर आलोचना की। इस बीच, वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो ने आरोप लगाया है कि हिरासत में लिए जाने के बाद से उन्हें अपने पति से मिलने या बात करने की भी इजाजत भी नहीं दी गई है। गीतांजलि आंगमो ने दो अक्टूबर को शीर्ष अदालत में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत अपनी याचिका दाखिल की थी। उन्होंने वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिए जाने के फैसले को चुनौती दी है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट 6 अक्टूबर को विचार करेगी।पर्यावरण कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने जा रही है। शीर्ष अदालत 6 अक्टूबर को उनकी पत्नी गीतांजलि आंगमो द्वारा दाखिल याचिका पर विचार करेगी। उन्होंने वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिए जाने के फैसले को चुनौती दी है और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट की 6 अक्टूबर की कॉज लिस्ट के अनुसार, यह मामला जस्टिस अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष आएगा।सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंगमो ने लद्दाख के पुलिस महानिदेशक के बयानों को झूठा और गढ़ी गई कहानी बताते हुए कहा कि यह एक सोची-समझी साजिश है, जिसके जरिए किसी को फंसा कर मनमर्जी करने की कोशिश हो रही है। गीतांजलि ने कहा, हम डीजीपी के बयान की कड़ी निंदा करते हैं। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि पूरा लद्दाख इन आरोपों को खारिज करता है। ये एक बनावटी कहानी है, ताकि किसी को बलि का बकरा बनाया जा सके और वे जो चाहें वो कर सकें। उन्होंने सवाल उठाया कि सीआरपीएफ को गोली चलाने का आदेश किसने दिया? अपने ही नागरिकों पर गोली कौन चलाता है? खासकर वहां, जहां कभी हिंसक प्रदर्शन नहीं हुए। गीतांजलि का कहना था कि सोनम वांगचुक का इस पूरी घटना से कोई लेना-देना नहीं था। वे तो उस समय किसी और जगह शांतिपूर्वक भूख हड़ताल पर बैठे थे। वे वहां मौजूद ही नहीं थे, तो वे किसी को कैसे उकसा सकते हैं?उल्लेखनीय है कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करके जम्मू कश्मीर राज्य का पुनर्गठन किया गया। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बांटा गया। इसमें जम्मू-कश्मीर को विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। वहीं, लद्दाख को बिना विधानसभा वाले केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। इस बदलाव के तहत जम्मू कश्मीर में पिछले साल नई विधानसभा का भी गठन हो गया। वहीं, दूसरी ओर राज्य पुनर्गठन के साथ ही लद्दाख में इस केंद्र शासित प्रदेश को छठी अनुसूची में शामिल करने और इसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग उठने लगी। इसे लेकर अलग-अलग समय पर प्रदर्शन हुए। इन्हीं मांगों को लेकर चल रहे ताजा प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी।

800 करोड़ की...

अवैध प्रवाह को छिपाने के लिए सिंगापुर से सेवाओं के नकली आयात के रूप में थे। एक मामले में भारत और विदेशों में 172 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की गईं। इनमें एक नौका, स्पेन में एक विला, 36 करोड़ रुपए की बैंक जमा राशि, 39,000 टेथर क्रिप्टोकरेंसी और 80 करोड़ रुपए मूल्य के डीमैट और भूमि शामिल हैं। कई और अन्य प्लेटफॉर्म भी जांच के दायरे में हैं।ईडी की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2024 में लगभग 36.4 लाख वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में भारतीयों को 22,800 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। 2023 में 7,465 करोड़ के नुकसान की तुलना में यह दो गुना अधिक है। मामलों की संख्या भी 50 फीसदी बढ़ गई है। ईडी ने पाया कि इनमें से कुछ धनराशि भुगतान गेटवे के माध्यम से स्थानांतरित की गई। हवाला मार्गों का भी उपयोग किया गया।

हिंदू राष्ट्र में ...

बेटा बाप से नहीं मिलेगा तो क्या अंकल से मिलेगा? शास्त्री ने कहा कि कुछ मीडिया संस्थानों ने उसे उलटा चला दिया पर उससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, अधर्म के विरुद्ध आवाज उठाना सबसे बड़ा धर्म है। मैं हमेशा अधर्म के खिलाफ आवाज उठाता हूं। घटना चाहे प्रदेश में हो या देश में हो, अधर्म के खिलाफ टिप्पणी करता हूं। ये बातें कुछ विधर्मियों को नहीं पचती हैं, इसलिए मेरे खिलाफ कुछ न कुछ अफवाह फैलाते हैं। मैं किसी धर्म का विरोध नहीं करता। मैं तो सिर्फ सनातन धर्म का समर्थन करता हूं। पं. शास्त्री ने कहा कि बड़े भाग्य से मनुष्य तन मिलता है। उसमें भी भारत जैसा वतन मिला और सनातन जैसा धर्म। इसे अहोभाग्य मनाइए। पाकिस्तान में जन्म होता तो बम बनाते, कथा सुनने का मौका नहीं मिलता। चीन वालों को देखो तो लगता है कि ब्रह्माजी ने सबको फोटो कॉपी बना दिया है। 84 लाख योनियों के बाद मनुष्य का तन मिलता है। इसको सार्थक बनाओ। सनातन धर्म में जन्म लेने के बाद भी कथा न सुन पाओ, इससे बड़ा दुर्भाग्य कुछ नहीं हो सकता है।

हैदराबाद के चंद्रशेखर...

अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की हत्या की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कुछ मामलों में पीड़ित छात्र थे, जो पढ़ाई या काम के सिलसिले में अमेरिका में रह रहे थे, वहीं कुछ प्रवासी नागरिक नौकरी कर रहे थे। ये हत्याएं इतनी घिनौनी और चिंताजनक हैं कि अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था और मीडिया कवरेज पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

10 सितंबर को कर्नाटक के रहने वाले चंद्रमौली बॉब नागमल्लैया की उनके ही सहकर्मी ने पत्नी और बेटे के सामने ही उन पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी और उनका सिर धड़ से अलग कर दिया। चंद्रमौली डलास के एक होटल में मैनेजर थे। हत्यारा घटनास्थल पर ही गिरफ्तार हुआ। इस घिनौनी हत्या को लेकर अमेरिकी मीडिया शातिराना तरीके से चुप्पी साधे रहा। 6 सितंबर को हरियाणा के जींद जिले के कपिल को कैलिफोर्निया में एक अमेरिकी नागरिक ने गोलियों से भून डाला। कपिल अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। इसी साल 11 मार्च को आंध्र प्रदेश के 20 वर्षीय छात्र पारुचुरी अभिजीत की लाश एक कार में लावारिस हालत में मिली। वह बोस्टन विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहा था। हत्या के पीछे पैसे के विवाद और लैपटॉप चोरी की आशंका जताई गई। इस पर भी अमेरिकी मीडिया और कानून व्यवस्था पर सवाल उठे थे। जनवरी महीने में हरियाणा के छात्र विवेक सैनी को एक बेघर अमेरिकी व्यक्ति ने पीट-पीटकर मार डाला। वह पढ़ाई के साथ एक स्टोर में काम कर रहे थे। हत्या की यह घटना भी भारतीय समुदाय में गहरे आघात का कारण बनी। जनवरी में ही 19 वर्षीय नील आचार्य का शव इंडियाना की पर्डयू यूनिवर्सिटी के कैंपस में मिला। हालांकि इसे हत्या नहीं माना गया, लेकिन लगातार हो रही मौतों की फेहरिस्त में यह नाम भी जुड़ गया है।इन सभी घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि अमेरिका में भारतीयों, खासकर छात्रों और प्रवासी कामगारों की सुरक्षा को लेकर गंभीर खामियां हैं। बार-बार हो रही हत्याओं के बाद भी कई मामलों में जांच में सुस्ती, मीडिया का मौन और प्रशासन की निष्क्रियता साफ दिख रही है।

शरद पूर्णिमा पर आर्थिक समृद्धि के लिए करें लक्ष्मी पूजा

हिन्दी पंचांग के अनुसार शरद पूर्णिमा हर वर्ष आश्विन मास में आती है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा या आश्विन पूर्णिमा कहते हैं। इस वर्ष शरद पूर्णिमा या आश्विन पूर्णिमा 6 अक्टूबर को है। शरद पूर्णिमा का एक विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस दिन धन, वैभव और ऐश्वर्य की देवी माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कोजागरी लक्ष्मी पूजा के नाम से भी जाना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस वर्ष शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर 2025 को मनाई जाएगी। शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है। अंतरिक्ष के समस्त ग्रहों से निकलने वाली सकारात्मक ऊर्जा चंद्रकिरणों के माध्यम से पृथ्वी पर पड़ती हैं। पूर्णिमा की चांदनी में खीर बनाकर खुले आसमान के नीचे रखने के पीछे वैज्ञानिक तर्क यह है कि चंद्रमा के औषधीय गुणों से युक्त किरणें पड़ने से खीर भी अमृत के समान हो जाएगी। उसका सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होगा।

शरद पूर्णिमा की रात कई मायने में महत्वपूर्ण है। जहां इसे शरद ऋतु की शुरुआत माना जाता है, वहीं माना जाता है कि इस रात को चंद्रमा संपूर्ण 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है और अपनी चांदनी में अमृत बरसाता है। पूर्णिमा की रात हमेशा ही बहुत सुंदर होती है लेकिन शरद पूर्णिमा की रात को सबसे सुंदर रात कहा जाता है। पुराणों तो यहां तक कहा गया है कि इसकी सुंदरता को निहारने के लिए स्वयं देवता भी धरती पर आते हैं। धार्मिक आस्था है कि शरद पूर्णिमा की रात में आसमान से अमृत की वर्षा होती है। चांदनी के साथ झरते हुए हुए इस अमृत रस को समेटने के लिए ही आज की रात खीर बनाकर चंद्रमा की चांदनी में रखा जाता है। इसी वजह से लोग इस पूरी रात्रि को खीर बनाकर चांदनी में रख देते हैं, ताकि उसे प्रसाद के रूप में सुबह स्नान करके खाने के बाद निरोग हो पाएं।

पौराणिक मान्यता है कि इस खीर में अमृत का अंश होता है, जो आरोग्य सुख प्रदान करता है। इसलिए स्वास्थ्य रूपी धन की प्राप्ति के लिए शरद पूर्णिमा के दिन खीर जरूर बनानी चाहिए और रात में इस खीर को खुले आसमान के नीचे जरूर रखना चाहिए। इसी के साथ आर्थिक संपदा के लिए शरद पूर्णिमा को रात्रि जागरण का विधान शास्त्रों में बताया गया है। यही कारण है कि इस रात को, को-जागृति यानी कोजागरा की रात भी कहा गया है। को-जागृति और कोजागरा का अर्थ होता है कि कौन जाग रहा है। कहते हैं कि इस रात देवी लक्ष्मी सागर मंथन से प्रगट हुई थी। इसलिए इसे देवी लक्ष्मी का जन्मदिवस भी कहते हैं। अपने जन्मदिन के अवसर पर देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण के लिए आती हैं। इसलिए जो इस रात देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं उन पर देवी की असीम कृपा होती है। इस रात देवी लक्ष्मी की पूजा कौड़ी से करना बहुत ही शुभ फलदायी माना गया है। जो लोग धन एवं सुख-शांति की कामना रखते हैं वह इस अवसर पर सत्यनारायण भगवान की पूजा का आयोजन कर सकते हैं।

शरद पूर्णिमा आज : खीर खाने से बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता!

यह भी माना जाता है कि शरद पूर्णिमा के निशा में माता लक्ष्मी घर-घर विचरण करती हैं। इस निशा में माता लक्ष्मी के आठ में से किसी भी स्वरूप का ध्यान करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। देवी के आठ स्वरूप धनलक्ष्मी, धन्य लक्ष्मी, राजलक्ष्मी, वैभवलक्ष्मी, ऐश्वर्य लक्ष्मी, संतान लक्ष्मी, कमला लक्ष्मी और विजय लक्ष्मी है। इस दिन रखे जाने वाले व्रत को कौमुदी व्रत भी कहते हैं। इस दिन खीर का महत्व इसलिए भी है कि यह दूध से बनी होती है और दूध को चंद्रमा का प्रतीक माना गया है। चंद्रमा मन का प्रतिनिधित्व करता है।

शरद पूर्णिमा की चांदनी रात में जो भगवान विष्णु सहित देवी लक्ष्मी और उनके वाहन की पूजा करते हैं, उनकी मनोकामना पूरी होती है। शरद पूर्णिमा की रात्रि में जागने की परंपरा भी है। यह पूर्णिमा जागृति पूर्णिमा के नाम से भी जानी जाती है। भारत के कुछ हिस्सों में शरद पूर्णिमा को कुमार पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन कुंवारी लड़कियां सुयोग्य वर के लिए भगवान कार्तिकेय की पूजा करती हैं। इस दिन लड़कियां सुबह उठकर स्नान करने के बाद सूर्य को भोग लगाती हैं और दिन भर व्रत रखती हैं। शाम के समय चंद्रमा की पूजा करने के बाद अपना व्रत खोलती हैं।

श्वांस के रोगियों को फायदा

नेचुरोपैथी और आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार शरद पूर्णिमा की शुरुआत ही वर्षा ऋतु के अंत में होती है। इस दिन चांद धरती के सबसे करीब होता है, रोशनी सबसे ज्यादा होने के कारण इनका असर भी अधिक होता है। इस दौरान चांद की किरणें जब खीर पर पड़ती हैं तो उस पर भी इसका असर होता है। रातभर चांदनी में रखी हुई खीर शरीर और मन को ठंडा रखती है। ग्रीष्म ऋतु की गर्मी को शांत करती और शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है। यह पेट को ठंडक पहुंचाती है। श्वांस के रोगियों को इससे फायदा होता है साथ ही आंखों रोशनी भी बेहतर होती है।

रोग प्रतिरोधकता बढ़ती है

मान्यतों के अनुसार खीर को संभव हो तो चांदी के बर्तन में बनाना चाहिए। चांदी में रोग प्रतिरोधकता अधिक होती है। इससे विषाणु दूर रहते हैं। हल्दी का उपयोग निषिद्ध है। विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम 30 मिनट तक शरद पूर्णिमा का स्नान करना चाहिए। रात्रि 10 से 12 बजे तक का समय उपयुक्त रहता है। दूध में लैक्टिक अम्ल और अमृत तत्व होता है। यह तत्व चंद्रमा की किरणों से अधिक मात्रा में शक्ति का शोषण करता है। चावल में स्टार्च होने के कारण यह प्रक्रिया और आसान हो जाती है। इसी कारण शरद पूर्णिमा की रात्रि में खीर खुले आसमान में रखने का विधान किया गया है। मान्यता है कि इस दिन आसमान से अमृत बरसता है क्योंकि चांद की रोशनी में औषधीय गुण होते हैं जिसमें कई असाध्य रोगों को दूर करने की क्षमता होती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शरद पूर्णिमा - 06 अक्टूबर 2025

प्रदोष एवं निशीथव्यापिनी आश्विनशक्ल पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा व कोजागर व्रत किया जाता यदि पहले दिन पूर्णिमा निशीथव्यापिनी हो और दूसरे दिन प्रदोषव्यापिनी न हो तो यह व्रत पहले दिन किया जात है।

यथा :- आश्विनपौर्णमास्यां कोजागर व्रतम्। सा पूर्वत्रैव निशीथव्याप्ती द्वितीया।

इस वर्ष पर्णिमा तिथि 06 अक्टूबर 2025 को निशीथ एवं प्रदोष के समय व्याप्त होगी एवं इस दिन 07 अक्टूबर 2025 को यह प्रदोष का स्पर्श भी नहीं कर रही है। अतः 06 अक्टूबर 2025 को ही शरद पूर्णिमा व कोजागर व्रत किया जायेगा।

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 06 अक्टूबर को दोपहर 12:23 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन यानी 07 अक्टूबर को सुबह को 09:6 मिनट पर होगा। पंचांग गणना के आधार पर इस साल शरद पूर्णिमा का पर्व 06 अक्टूबर को किया जायेगा।

शुभ संयोग

इस साल शरद पूर्णिमा के दिन एक बेहद अद्भुत संयोग बनने जा रहा है। इस दिन उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग भी रहेगा। जो इस दिन को और भी खास और फलदायी बनाता है।

शरद पूर्णिमा व्रत विधि

पूर्णिमा के दिन सुबह इष्ट देव का पूजन करना चाहिए। इन्द्र और महालक्ष्मी जी का पूजन करके घी के दीपक जलाकर उसकी गन्ध पुष्प आदि से पूजा करनी चाहिए। ब्राह्मणों को खीर का भोजन कराना चाहिए और उन्हें दान दक्षिणा प्रदान करनी चाहिए। लक्ष्मी प्राप्ति के लिए इस व्रत को विशेष रुप से किया जाता है। इस दिन जागरण करने वालों की धन-संपत्ति में वृद्धि होती है। रात को चन्द्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही भोजन करना चाहिए। मंदिर में खीर आदि दान करने का विधि-विधान है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन चांद की चांदनी से अमृत बरसता है।

शरद पूर्णिमा पर पूजा करने से लाभ

शरद पूर्णिमा की रात जब चारों तरफ चांद की रोशनी बिखरती है उस समय मां लक्ष्मी की पूरा करने आपको धन का लाभ होगा। मां लक्ष्मी को सुपारी बहुत पसंद है। सुपारी का इस्तेमाल पूजा में करें। पूजा के बाद सुपारी पर लाल धागा लपेटकर उसको अक्षत, कुमकुम, पुष्प आदि से पूजन करके उसे तिजोरी में रखने से आपको धन की कभी कमी नहीं होगी। शरद पूर्णिमा की रात भगवान शिव को खीर का भोग लगाएं। खीर को पूर्णिमा वाली रात छत पर रखें। भोग लगाने के बाद उस खीर का प्रसाद ग्रहण करें। उस उपाय से भी आपको कभी पैसे की कमी नहीं होगी। शरद पूर्णिमा की रात को हनुमान जी के सामने चौमुखा दीपक जलाएं। इससे आपके घर में सुख शांति बनी रहेगी।

शरद पूर्णिमा पर करें उपाय

पैसों की तंगी के लिए

आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए शरद पूर्णिमा की रात मां लक्ष्मी की पूजा करने के साथ 5 कौड़ियां मां के चढ़ाएं। दूसरे दिन लाल या पीले रंग के कपड़े में इन कौड़ियों को लपेटकर तिजोरी में रख लें।

निरोगी रहने के लिए

अगर घर का कोई न कोई सदस्य बीमार रहता है, शरद पूर्णिमा के रात को छत में खीर रख दें। दूसरे दिन रोगी को इसका सेवन कराएं।

बिजनेस और नौकरी में मुनाफा के लिए

बिजनेस में लगातार बढ़ोतरी के साथ नौकरी में प्रमोशन के लिए शरद पूर्णिमा के दिन हनुमान जी के सामने चौमुखी दीपक जलाएं।

तुलसी पूजा

शरद पूर्णिमा के दिन स्नान करने के बाद तुलसी पूजा करें और शाम को दीपक जलाएं। ऐसा करने से सुख-समृद्धि की वृद्धि होगी।

लगाएं सफेद भोग

मां तुलसी को सफेद रंग की कोई मिठाई का भोग लगाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

मां लक्ष्मी को लगाएं ये भोग

शरद पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी को सिंघाड़ा, दही, मखाना, बताशा और पान का भोग लगाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी।

आंख रहेगी दुरुस्त

माना जाता है कि शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की रोशनी से अमृत बरसता है। इसलिए इस दिन त्राटक क्रिया जरूर करें।

शरद पूर्णिमा की चांदनी

औषधियों में रोगनाशक शक्ति और स्वास्थ्यवर्धन का अद्भुत संयोग

शरद पूर्णिमा की चांदनी अमृत वर्षा करती है जो रोग चिकित्सा विशेषकर अस्थमा रोग निदान में रामबाण का कार्य करती है। शरद पूर्णिमा को अमृतमय चांदनी में खीर बनाकर अस्थमा से पीड़ित व्यक्ति को खिलाने से विशेष लाभ होता है। आयुर्वेद के साथ जब ज्योतिष विज्ञान के मुहूर्त का समन्वय होता है, तो यह मनुष्य के लिए विशेष कल्याणकारी सिद्ध होता है। शरद पूर्णिमा की चांदनी का रूप अनोखा एवं निराला होने से आयुर्वेद के मर्मज चिकित्सक एवं वैद्य अनेक रोगनाशक तथा स्वास्थ्यवर्धक औषधियों के योग इस समय तैयार करते हैं।

मुख्यतः अस्थमा के रोगियों को जड़ी-बूटियों वाली दवाएं रात की चांदनी में रखकर सुबह खिलाई जाती है जिससे रोगियों को विशेष लाभ प्राप्त होता है। सिरदर्द, खांसी-जुकाम, कफ जनित रोगों से मुक्ति के लिए शरद पूर्णिमा के दिन खीर, घी, चीनी से मिश्रित औषधियां चांदनी में रखकर बासी मुंह खिलाई जाती है। जो व्यक्ति रोगी न हो और शरद पूर्णिमा का लाभ लेना चाहता हो, वह छिलके रहित चने की दाल के दाने थोड़े जल में भिगोकर रात्रि भर भिगोकर रख देने चाहिए, प्रातःकाल उठकर खाली पेट सेवन करने से यह अत्यन्त स्वादिष्ट एवं रोगनाशक बन जाता है।

मान्यताओं के अनुसार, नेत्र रोग से पीड़ित व्यक्ति को शरद पूर्णिमा की चांदनी रात में सुई में धागा डालने का प्रयोग कई बार दोहराया जाता है, इससे नेत्र ज्योति का विकास होता है। ज्योतिषीय ग्रह पिंडों में राजा और रानी होने के कारण सूर्य एवं चन्द्र अत्यधिक महत्व रखते हैं। सूर्य-चन्द्र सृष्टि के निर्माता हैं तथा जीव-जंतुओं से लेकर वनस्पतियों तक इन्हीं के परिणाम हैं। सूर्य की परम ज्योति को चंद्रिका रूप में चन्द्रमा पृथ्वी वासियों एवं वनस्पतियों को प्रदान करता है। चन्द्रमा की पोषक क्षमता दूध में बनी रहती है, शरद पूर्णिमा की रात्रि खीर रूपी औषधि को चन्द्रमा की चांदनी में रखने के बाद ग्रहण किया जाता है, जो अनेक प्रकार के श्वास संबंधित रोगों का निदान करता है। सूर्य आत्मकारक है तो चन्द्रमा मन का कारक है और चन्द्रमा की चांदनी सूर्य की सन्निकट रश्मियों से प्रभावित होकर जीव या वनस्पति पर पड़ती है तब अमृतकणों की वर्षा करके आत्मबल में वृद्धि करती है, रोग निरोधक क्षमता को दूर करती है।

शरद पूर्णिमा व्रत कथा के पाठ से पूर्ण फल प्राप्त होगा

शरद पूर्णिमा व्रत कथा

भीष्मजी ने कहा- मुने, मैंने तो ऐसा सुना था की देवी लक्ष्मी क्षीर-समुद्र प्रकट हुई हैं, लेकिन आप ऐसा कैसे कह रहे हैं कि वो भृगु की पत्नी के गर्भ से उत्पन्न हुई हैं?

पुलस्त्यजी ने जवाब दिया- राजन, तुम अपने प्रश्न का उत्तर मुझसे सुनो। देवी लक्ष्मी के जन्म का संबंध समुद्र से है, यह बात मैंने खुद भी ब्रह्माजी के द्वारा सुनी हुई है। एक समय की बात है जब दैत्यों और दानवों ने बड़ी मात्रा में सेना लेकर देवताओं पर चढ़ाई की थी। उस समय युद्ध के दौरान देवता दैत्यों के सामने परास्त हो गए। तब इंद्र आदि सम्पूर्ण देवता अग्नि को आगे करके ब्रह्माजी की शरण में पहुंच गए। वहां जाकर उन्होंने अपना सारा हाल अच्छी तरह बताया।

ब्रह्माजी ने कहा- 'आप सभी लोग मेरे साथ भगवान की शरण में चलो।' ऐसा कहने के बाद वे सम्पूर्ण देवताओं को अपने साथ लेकर क्षीर सागर के उत्तर-तट पर पहुंच गए और भगवान वासुदेव को संबोधित करके कहा- 'विष्णो, शीघ्र उठ जाइए और इन देवताओं का कल्याण कीजिए। आपकी सहायता न मिल पाने के कारण दानव इन्हें बार-बार परास्त करते हैं।' ऐसा कहने पर कमल के समान नेत्र वाले भगवान अन्तर्यामी पुरुषोत्तम ने देवताओं के शरीर को अपूर्व अवस्था में देखकर कहा- 'देवगण, मैं तुम्हारे तेज की वृद्धि करूंगा। मैं जो उपाय बताता हूं, उसे आप लोग जरूर कीजिए। दैत्यों के साथ मिलकर समस्त प्रकार की औषधियां लेकर आओ और उन्हें क्षीर सागर में डाल दो। फिर मन्दराचल को मथानी और वासुकी नाग को नेती (रस्सी) बनाकर समुद्र का मंथन करते हुए उससे अमृत निकालना शुरू कर दो। इसमें मैं आप लोगों की सहायता करूंगा। समुद्र का मंथन करने पर जो अमृत बाहर आएगा, उसका पान करने के पश्चात तुम लोग बलवान और अमर हो जाओगे।

देवाधिदेव भगवान की बात सुनने के बाद सम्पूर्ण देवता दैत्यों के साथ सन्धि करके अमृत निकालने के यत्न में लग गए। देव, दानव और दैत्य सब मिलकर हर प्रकार की औषधियां लेकर आ गए और उन्हें क्षीर सागर में डालकर मन्दराचल को मथानी एवं वासुकि नाग को नेती बनाकर बड़े ही वेग से मंथन करने लगे। भगवान विष्णु की प्रेरणा से सभी देवता एक साथ रहकर वासुकि की पूंछ की ओर पहुंचे और दैत्यों को उन्होंने वासुकि के सिर की ओर भेज दिया। भीष्मजी, वासुकि के मुख की सांस तथा विषाग्नि से झुलसने के कारण सब दैत्य निस्तेज हो गए। क्षीर-समुद्र के बीच में ब्रह्मवेत्ताओं में श्रेष्ठ भगवान ब्रह्मा तथा महातेजस्वी महादेवजी कच्छप रूपधारी श्रीविष्णु की पीठ पर खड़े होकर अपनी भुजाओं से कमल की भांति मन्दराचल को पकड़े हुए थे और स्वयं भगवान श्रीहरि कूर्म रूप धारण करके क्षीर सागर के अंदर देवताओं और दैत्यों के बीच में मौजूद थे। वे मन्दराचल को अपनी पीठ पर लिए हुए डूबने से बचा रहे थे। तदनंतर जब देवता और दानवों ने क्षीर-समुद्र का मंथन शुरू किया, तब पहले उससे देवपूजित सुरभि (कामधेनु) का आविर्भाव हुआ था, जो हविष्य (घी-दूध) की उत्पत्ति का स्थान मानी गई। तत्पश्चात वारुणी देवी प्रकट हुई, जिनके मदभरे नेत्र घूम रहे थे। वह पग-पगपर लड़खड़ाती हुई चलती थीं। जिसे अपवित्र मानकर देवताओं ने त्याग दिया। तब वह असुरों के पास गई और कहा- 'दानवों, मैं बल प्रदान करने वाली देवी हूं, तुम मुझे ग्रहण कर लो।' तब दैत्यों ने उसे ग्रहण कर लिया। फिर, पुनः मंथन शुरू होने पर पारिजात (कल्पवृक्ष) उत्पन्न हुआ, जो अपनी शोभा से देवताओं का आनंद बढ़ाने वाला था। तदनन्तर साठ करोड़ अप्सराएं प्रकट हुईं, वे देवता और दानवों की सामान्य रूप से भोग्या हैं। जो कोई भी पुण्य कर्म करने के बाद देवलोक में जाते हैं, उनका भी उन पर समान अधिकार रहता है। इसके बाद, शीतल किरणों वाले

चन्द्रमा का प्रादुर्भाव हुआ, जो देवताओं को आनंद प्रदान करने वाले थे। उन्हें भगवान शंकर ने अपने लिए मांगते हुए कहा कि 'देवताओं, ये चंद्रमा मेरी जटाओं के आभूषण होंगे, अतः मैंने इन्हें लेता हूं।

ब्रह्माजी ने 'बहुत अच्छा' कहते हुए शिवजी की बात का अनुमोदन किया। तत्पश्चात कालकूट नामक भयंकर विष प्रकट हुआ, जिससे देवता और दानव हर किसी को बहुत पीड़ा हुई। तब शंकरजी खुद की इच्छा से उस विष को लेकर पी गए। इसी के कारण उनके कंठ में काला दाग पड़ गया, तभी से वे महेश्वर नीलकंठ कहलाने लगे। क्षीर-सागर से निकले हुए विष का जो अंश पीने से बच गया था, उसे नागों ने ग्रहण कर लिया। तदनंतर अपने हाथ में अमृत से भरा हुआ कमण्डलु लिए धन्वंतरिजी प्रकट हुए। वे श्वेत वस्त्र धारण किए हुए थे। वैद्य राज के दर्शन से सभी का मन स्वस्थ और प्रसन्न हो उठा। इसके बाद, उस समुद्र से उच्चैःश्रवा घोड़ा और ऐरावत नाम का हाथी- ये दोनों क्रमशः प्रकट हुए थे। फिर, क्षीर सागर से लक्ष्मीजी का प्रादुर्भाव हुआ, जो खिले हुए कमल पर विराजमान थीं और हाथ में कमल धारण किए हुए थीं। उनका प्रकाश चारों ओर फैल रहा था। उस समय महर्षियों ने श्रीसूक्त का पाठ करते हुए बड़ी प्रसन्नता से उनका स्तवन किया। साक्षात क्षीर-समुद्र ने प्रकट होकर लक्ष्मी देवी को एक सुंदर माला भेंट में दी, जिसके कमल कभी भी मुरझाते नहीं थे। विश्वकर्माजी ने उनके समस्त अंगों में आभूषण पहना दिए। स्नान के पश्चात दिव्य माला और दिव्य वस्त्र धारण करके जब देवी सभी प्रकार के आभूषणों से विभूषित हुईं, तब इन्द्र आदि देवता और विद्याधर आदि ने भी उन्हें प्राप्त करने की इच्छा जताई। तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णु से कहा-'वासुदेव, मेरे द्वारा दी हुई इन देवी लक्ष्मी को आप ही ग्रहण करें। देवताओं और दानवों को मैंने मना कर दिया है- वे इन्हें पाने की इच्छा नहीं रखेंगे। आपने जो स्थिरता पूर्वक इस समुद्र-मंथन के कार्य को संपन्न किया है, इससे मैं बहुत संतुष्ट हूं।' ऐसा कहकर ब्रह्माजी लक्ष्मी देवी से बोले- 'देवी, तुम भगवान केशव के पास चली जाओ। मेरे दिए हुए पति को पाकर अनन्त वर्षों तक आनन्द का उपभोग कीजिए।'

ब्रह्माजी के ऐसा कहने के बाद लक्ष्मीजी समस्त देवताओं के देखते-देखते श्रीहरि के वक्षःस्थल में चली गईं और भगवान से बोलीं- 'देव, आप कभी मेरा परित्याग न करें। सम्पूर्ण जगत के प्रियतम! मैं सदा आपके आदेश का पालन करती हुई आपके वक्षःस्थल में निवास करूंगी।' ऐसा कहकर लक्ष्मी देवी ने कृपा पूर्ण दृष्टि से देवताओं की तरफ देखा, जिससे उन्हें बड़ी प्रसन्नता हुई। वहीं लक्ष्मी से परित्यक्त होने पर दैत्यों को बड़ा उद्वेग हुआ। उन्होंने झपटकर धन्वन्तरि के हाथ से अमृत का पात्र ले लिया। तब विष्णुजी ने माया से एक सुन्दर स्त्री का रूप धारण करके दैत्यों को लुभाया और उनके निकट जाकर बोले- 'यह अमृत का कमण्डलु मुझे दे दो।' उस त्रिभुवन सुन्दरी रूपवती स्त्री को देखकर दैत्यों का चित्त काम के वशीभूत हो गया। ऐसे में उन्होंने चुपचाप वह अमृत उस सुन्दरी के हाथ में पकड़ा दिया और स्वयं उसका मुंह देखने लगे। दानवों से अमृत लेकर भगवान ने देवताओं को दे दिया और इन्द्र आदि देवता तत्काल उस अमृत को पी गए। यह देख दैत्य गण अलग-अलग प्रकार के अस्त्र-शस्त्र और तलवारें हाथ में लेकर देवताओं पर टूट पड़े, लेकिन सभी देवता अमृत पीकर बलवान हो चुके थे, उन्होंने दैत्य-सेना को परास्त कर दिया। देवताओं की मार पड़ने के बाद दैत्यों ने भागकर चारों दिशाओं की शरण ले ली और कितने ही पाताल में घुस गए। तब सम्पूर्ण देवता आनंदमग्न मन हो शंख, चक्र और गदा धारण करने वाले भगवान विष्णु को प्रणाम करके स्वर्ग लोक में पहुंच गए।

तभी से सूर्यदेव की प्रभा स्वच्छ हो गई और वे अपने मार्ग से चलने लगे। भगवान अग्निदेव भी मनोहर दीप्ति से युक्त हो प्रज्वलित होने लगे और सब प्राणियों का मन धर्म में संलग्न रहने लगा। भगवान विष्णु से सुरक्षित होने के बाद समस्त त्रिलोकी श्री संपन्न हो गई। उस समय समस्त लोकों को धारण करने वाले ब्रह्माजी देवताओं से बोले- 'देवगण। मैंने तुम्हारी रक्षा के लिए भगवान विष्णु को तथा देवताओं के स्वामी उमापति महादेव को नियत किया है। वे दोनों तुम्हारे योगक्षेम का निर्वाह करेंगे। तुम सदैव उनकी उपासना करते रहो क्योंकि, वे तुम्हारा कल्याण करने वाले हैं। उपासना करने से ये दोनों महानुभाव हमेशा तुम्हारे क्षेम के साधक और वर दायक होंगे।' ऐसा कहकर भगवान ब्रह्माजी अपने धाम को चले गए। उनके जाने के पश्चात इन्द्र ने देवलोक की राह ले ली। तत्पश्चात श्रीहरि और शिवजी भी अपने-अपने धाम वैकुण्ठ एवं कैलाश में जा पहुंचे। तदनंतर देवराज इन्द्र तीनों लोकों की रक्षा करने लगे। महाभाग, इस प्रकार लक्ष्मीजी क्षीर सागर से प्रकट हुई थीं।

कैसे विनोद खन्ना ने विलेन की छवि को तोड़कर हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार का मुकाम हासिल किया

विनोद खन्ना हिंदी सिनेमा के उन चुनिंदा सितारों में से एक थे, जिनका सफर नेगेटिव रोल से हीरो बनने तक बेहद खास और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने न सिर्फ अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज किया, बल्कि एक अलग पहचान भी बनाई। विनोद खन्ना ने अपनी शुरुआत फिल्मों में खलनायक के रूप में की, लेकिन उनके लुक और दमदार अभिनय ने उन्हें जल्द ही हीरो का किरदार दिलवा दिया। विनोद खन्ना का जन्म 6 अक्टूबर 1946 को पेशावर (अब पाकिस्तान) में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। बंटवारे के वक्त परिवार बाद में भारत आकर मुंबई में बस गया। एक्टिंग में उनकी दिलचस्पी बचपन से ही थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाने का फैसला किया। हालांकि उनके पिता शुरुआत में इसके खिलाफ थे, लेकिन बेटी की मेहनत और लगन को देख वह भी राजी हो गए और विनोद को अपना सपना पूरा करने का मौका दिया। साल 1968 में विनोद खन्ना को पहली बड़ी सफलता मिली जब उन्हें फिल्म 'मन का मीत' में खलनायक का रोल मिला। उस समय हिंदी फिल्मों में विलेन या नेगेटिव रोल निभाना आसान नहीं था, लेकिन विनोद ने इसे अपनी ताकत बना लिया। अपने डैशिंग लुक और एक्सप्रेशन के दम पर उन्होंने नेगेटिव रोल में भी खुद को साबित कर दिखाया। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में विलेन की भूमिका निभाई और दर्शकों के दिलों में अपनी अलग जगह बनाई। लेकिन उनकी नियति में हीरो बनना भी लिखा था।

धीरे-धीरे विनोद खन्ना को फिल्मों में हीरो के रोल मिलने लगे। साल 1971 में आई फिल्म 'मेरे अपने' में उन्हें पहली बार मुख्य भूमिका में देखा गया, जिससे उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ। यह फिल्म दर्शकों के बीच इतनी पसंद की गई कि विनोद खन्ना ने अपना नाम एक हीरो के तौर पर पक्का कर लिया। इसके बाद उनकी कई हिट फिल्में आईं, जैसे 'मेरा गांव मेरा देश', 'अमर अकबर एंथोनी', 'कुर्बानी', और 'दयावान'। इन फिल्मों ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ विलेन ही नहीं, बल्कि बेहतरीन हीरो भी हैं।

विनोद खन्ना की खास बात यह थी कि उन्होंने कभी खुद को स्टारडम में फंसने नहीं दिया। वे अपनी मेहनत और सादगी से हमेशा सबका दिल जीतते रहे। उन्होंने अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना और सुनील दत्त जैसे दिग्गजों के साथ काम किया, लेकिन अपनी अलग पहचान बनाई। 'अमर अकबर एंथोनी' और 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों में उनकी जोड़ी अमिताभ बच्चन के साथ दर्शकों की फेवरेट रही।

उनका करियर इतना शानदार था कि 1980 के दशक में वे इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेताओं में शामिल थे। लेकिन इसी दौर में उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया। 1982 में वह अपने आध्यात्मिक गुरु ओशो की शरण में चले गए और फिल्मों से दूरी बना ली। करीब पांच साल बाद 1987 में फिल्म 'इंसाफ' से उन्होंने वापसी की, और फिर से दर्शकों के दिलों पर राज किया।

विनोद खन्ना को उनके अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। उनके अभिनय की तारीफ हर जगह हुई और फिल्मी जगत ने उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया। इसके अलावा, वह राजनीति में भी सक्रिय रहे और भाजपा के नेता के तौर पर कई बार लोकसभा चुनाव जीत चुके थे।

27 अप्रैल 2017 को विनोद खन्ना का निधन हो गया। कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन आज भी उनकी यादें और उनकी फिल्मों का जादू दर्शकों के दिलों में बसा हुआ है।

अंशुला कपूर की सगाई में नहीं दिखी श्रीदेवी की तस्वीर, नहीं खत्म हुई पारिवारिक तल्खियां !

फिल्म निर्माता और निर्देशक बोनी कपूर और दिवंगत मोना कपूर की बेटी अंशुला कपूर ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर से सगाई कर ली है। सगाई के फंक्शन में पूरा कपूर परिवार नजर आया। अपनी बड़ी बहन अंशुला पर अर्जुन कपूर, खुशी कपूर और जाह्नवी कपूर ने खुलकर प्यार लुटाया, लेकिन परिवार की पहली ही शादी से दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी को दूर रखा गया। अपनी सगाई में अंशुला कपूर ने अपनी मां मोना कपूर की फोटो रखी, जिसमें पिता बोनी कपूर भी दिखाई दिए। अंशुला सगाई के लिए जिस कुर्सी पर बैठी, उसकी साइड की कुर्सी पर उनकी मां की फोटो भी देखी गई। उन्होंने सोशल मीडिया पर उसकी फोटोज भी पोस्ट की और मां का कहा गया वाक्य 'रब राखा' लिखा।

पोस्ट से साफ है कि अंशुला का अपनी मां के प्रति लगाव गहरा है, लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि जब पूरा कपूर परिवार मौजूद था, तब भी एक्ट्रेस श्रीदेवी को निधन के बाद परिवार में जगह नहीं मिली।

श्रीदेवी के होते हुए दोनों परिवार कभी एक नहीं हुए। अर्जुन कपूर ने भी श्रीदेवी को कभी मां का दर्जा नहीं दिया था, क्योंकि उनकी वजह से उनकी मां मोना को काफी कुछ झेलना पड़ा था।

उन्होंने खुद इंटरव्यू में खुलासा किया था कि श्रीदेवी को उन्होंने कभी मां नहीं माना, वो सिर्फ उनके लिए मैम थीं। एक्टर न ही उनसे प्यार करते थे और न ही नफरत। श्रीदेवी के निधन के बाद दोनों परिवारों को एक-दूसरे का सहारा बनते हुए देखा, क्योंकि जाह्नवी और खुशी दोनों ही काफी यंग थीं।

उस दौरान अर्जुन कपूर और अंशुला कपूर ने दोनों बहनों का पूरा ध्यान रखा। फिल्म के प्रमोशन तक पर चारों बच्चों को साथ देखा गया। बोनी कपूर ने मीडिया के साथ की गई बातचीत में कहा था कि उनके सारे बच्चे एक साथ हैं और परिवार साथ है। ऐसे में इतने सालों बाद बोनी कपूर को अपने सारे बच्चे मिल गए, लेकिन वो श्रीदेवी को घर की पहली ही शादी में जगह नहीं दिला पाए। श्रीदेवी को लेकर आज भी परिवार में अनदेखी सी दीवार है, जो समय के साथ भी भर नहीं पाई है।

ईशा गुप्ता ने बयां की बॉलीवुड में अपने 13 सालों के सफर और मानसिक स्वास्थ्य पर अपने दिल की बात

फिल्म 'जन्नत 2' से धमाकेदार डेब्यू करने के बाद अब ईशा गुप्ता को बॉलीवुड में 13 साल पूरे हो चुके हैं। इन सालों में ईशा ने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में ईशा ने अपने इस सफर को एक ऐसे रोलरकोस्टर की तरह बताया, जिसमें बहुत सारा सीखना, बढ़ना और नए अनुभव शामिल रहे। अपने काम के प्रति बदले नज़रिए पर ईशा कहती हैं, वक़्त के साथ चीज़ें बदल गई हैं और मेरा नज़रिया भी। पहले मैं स्क्रिप्ट के बारे में सोचती थी, लेकिन अब मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है। एक साधारण कहानी भी सही फ़िल्ममेकर के हाथों में मास्टरपीस बन सकती है। अगर मेरा रोल सिर्फ दो मिनट का हो, तब भी मैं उसे पूरी मेहनत से करती हूं, क्योंकि राइटर ने वो किरदार मेरे लिए लिखा है। गौरतलब है कि फिल्मों में अपने किरदारों के अलावा ईशा मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को लेकर भी काफी जागरूक हैं। बिना किसी लाग-लपेट के वह कहती हैं, इसमें कोई शक नहीं है कि आज भी हमारे देश में मेंटल थेरेपी को गलत नज़र से देखा जाता है, जबकि हकीकत यह है कि एक स्वस्थ दिमाग ही थेरेपी का चुनाव करता है। हममें से ज़्यादातर लोग थेरेपी के लिए इसलिए जाते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि ये हमारी बेहतरी के लिए है, जबकि जिन्हें इसकी ज़रूरत है, वे कभी जाते ही नहीं। सच खून, तो मुझे आगे बढ़ने में मेरी थेरेपी ने बहुत मदद की है। मैं हमेशा कहती हूं कि अगर आपके पास पैसा है, तो उसे अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर खर्च करो और उसे स्वस्थ रखो, क्योंकि इनके बिना बाकी सब बेकार है। जहां तक ईशा के अगले प्रोजेक्ट की बात है, ईशा जल्द ही 'धमाल 4' में अजय देवगन के साथ नज़र आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो ईद 2026 पर बड़े स्तर पर रिलीज़ होगी।

इसमें दो राय नहीं है कि 'जन्नत 2' से लेकर अब तक ईशा ने बतौर अभिनेत्री खुद को बार-बार तराशते हुए एक कलाकार बनने का सफर तय किया है और उनका यह सफर सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि पर्दे के बाहर भी जुनून, लगन और आत्मविकास की प्रेरणादायक कहानी है।

राइज एंड फॉल : युजवेंद्र चहल के बारे में बात करते हुए धनश्री वर्मा की आंखों में आए आंसू

फेमस कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इन दिनों अशनीर ग्रोवर के रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' में हिस्सा लेते हुए दिखाई दे रही हैं। इस शो में उन्होंने अपनी शादी को लेकर कंटेस्टेंट अर्जुन बिजलानी से बात की। इस दौरान उनकी आंखों में आंसू आ गए। रियलिटी शो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें अर्जुन बिजलानी कंटेस्टेंट धनश्री वर्मा से पूछते हैं कि उनकी लव मैरिज थी या अरेंज।

इस पर धनश्री ने जवाब दिया, लव और अरेंज मैरिज दोनों। शुरुआत अरेंज मैरिज से हुई थी। तो असल में वह बिना डेटिंग के शादी करना चाहते थे। मेरा कोई प्लान भी नहीं था।

अर्जुन बिजलानी ने कहा, मैं उनसे व्यक्तिगत रूप से मिला था। वह एक अच्छे इंसान लगते हैं और अधिक बोलते नहीं हैं। लेकिन कोई और ऐसा नहीं था जो आपके तलाक या झगड़े को बढ़ावा दे रहा हो, है ना? यह कभी समस्या नहीं थी, है ना?

इस पर धनश्री ने कहा, हम इस बारे में बाद में बात करेंगे। फिर अभिनेता ने पूछा, क्या आपको लगता है कि आप दोनों कभी दोस्त बन सकते हैं? इस पर धनश्री ने जवाब दिया, मुझे हमेशा चिंता रहेगी। इतना तो मैं कह सकती हूं। मेरी तरफ से यह चिंता कभी खत्म नहीं होगी। मतलब अभी भी धनश्री वर्मा अपने पूर्व पति चहल को लेकर चिंतित रहती हैं। वीडियो में अर्जुन आगे कहते हैं, पता नहीं। क्योंकि मैं इतने लंबे समय से अगर किसी महिला के साथ रहूं, तो मुझे लगता है रिश्तों के लिए थोड़ी और कोशिश हो सकती है। हालांकि, मुझे यकीन है कि सबके अपने-अपने कारण होंगे।

धनश्री इस बात पर मुस्कुराईं और इमोशनल हो गईं। इसके बाद अर्जुन बिजलानी ने उनको गले लगा लिया।

बता दें, धनश्री इस बात को दोहरा चुकी हैं कि इस रिश्ते को बचाने के लिए उन्होंने काफी कोशिश की थी, लेकिन ऐसा हो न सका।2020 में शादी के बंधन में बंधे धनश्री और युजवेंद्र इस साल मार्च में आधिकारिक रूप से तलाक लेकर अलग हो गए थे। इसके बाद बहुत से लोगों ने धनश्री की आलोचना की थी और उन्हें 'गोल्डडिगर' तक कह दिया था।

शाहरुख खान बने दुनिया के सबसे अमीर अभिनेता

12,490 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान आधिकारिक रूप से अरबपति की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। फिल्म उद्योग में 33 साल बिताने के बाद उनकी कुल संपत्ति अब 1.4 अरब डॉलर (12,490 करोड़ रुपए) है। बुधवार को जारी हुई 'हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025' से इस बात का खुलासा हुआ है। किंग खान अब भारत के सबसे अमीर अभिनेता ही नहीं, दुनिया के सबसे अमीर एक्टर भी बन गए हैं। एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के अनुसार, शाहरुख खान आधिकारिक तौर पर अरबपति क्लब में शामिल हो गए हैं। उनकी संपत्ति टेलर स्विफ्ट (1.3 बिलियन डॉलर), अर्नोल्ड श्वार्जनेगर (1.2 बिलियन डॉलर), जेरी सीनफील्ड (1.2 बिलियन डॉलर) और सेलेना गोमेज (720 मिलियन डॉलर) सहित कई अंतरराष्ट्रीय सेलेब्स से अधिक हो गई है।

शाहरुख खान की नेट वर्थ को बढ़ाने में उनके प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट का हाथ है। इसकी स्थापना 2002 में हुई थी, जिसने 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'रईस' और 'पठान' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं।

यह सिर्फ फिल्में ही नहीं बनाती, बल्कि यह कंपनी फिल्मों के लिए वीएफएक्स, डिस्ट्रीब्यूशन और कंटेंट राइट्स को भी संभालती है। इस तरह यह भारतीय मनोरंजन उद्योग की बहुत बड़ी खिलाड़ी साबित हुई है।

इसके अलावा शाहरुख खान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की एक फ्रेंचाइजी, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के को-ओनर भी हैं। उनके पास मुंबई में मन्नत नाम का आलीशान बंगला है, अलीबाग में एक फार्महाउस और लंदन और दुबई में कुछ अपार्टमेंट हैं। यह सब भी उनकी संपत्ति में शामिल है।

इन सबके साथ ही उन्होंने कई अन्य व्यवसायों में भी भारी निवेश कर रखा है। इनके जरिए भी उनकी तगड़ी कमाई होती है।

अन्य भारतीय सेलेब्स की बात करें तो इस सूची में अभिनेत्री जूही चावला और उनका परिवार शामिल हैं, जो दूसरे नंबर पर हैं। उनकी कुल संपत्ति 7,790 करोड़ रुपए बताई गई है। तीसरे नंबर पर हैं बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन, जिनकी कुल संपत्ति 2,160 करोड़ रुपए है।

चौथे पायदान पर 1,880 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ करण जौहर हैं और पांचवें नंबर पर 3अमिताभ बच्चन हैं। बिग बी की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपए बताई गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। मुमकिन है कि आपके आँसुओं को पोंछने के लिए कोई ख़ास दोस्त आगे आए। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की मदद के बिना महत्वपूर्ण कामों को कर सकते हैं, तो आपकी सोच काफ़ी ग़लत है। हवन पूजा आदि का आयोजन घर मे होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप मानें या न मानें, आपके आस-पास को बड़े ग़ौर से आपको देख रहा है और आपको एक आदर्श मानता है। इसलिए ऐसे काम करें, जो क़ाबिले-तारीफ़ हों और आपकी प्रतिष्ठा को बढ़ाएँ। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। अगर आप जीवनसाथी के अलावा किसी और को अपने ऊपर असर डालने का मौक़ा दे रहे हैं, तो जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करें-गे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। किसी ख़बसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अध्यात्म की सहायता लेने का सही समय है, क्योंकि मानसिक तनाव को मार भगाने के लिए यह सबसे बेहतरीन विकल्प है। ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। संयम और साहस का दामन थामे रखें। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आर्थिक जीवन की स्थिति आज अच्छी नहीं कही जा सकती आज आपको आपको बचत करने में मुश्किलें आ सकती हैं। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगे

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अगर आप अपने साथी के नज़रिए को नज़रअंदाज़ करेंगे, तो वह अपना आपा खो सकता/सकती है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी- लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। नवजात शिशु की ख़राब तबियत परेशानी का सबब बन सकती है। इस ओर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। डॉक्टर से भली-भांति सलाह लें, क्योंकि ज़रा-सी लाप-रवाही बीमारी को बद से बदतर बना सकती है। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 अक्टूबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी दोपहर 12:25 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद प्रातः 06:16 तक
योग : वृद्धि दोपहर 01:13 तक
करण : वणिज दोपहर 12:25 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:00 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:06 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:58 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 05:52 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- पूर्णिमा व्रत, शरद पूर्णिमा , रात्रि लक्ष्मी-इन्द्र पूजन , कोजागरी पूर्णिमा , भद्रा दोपहर 12:25 से रात्रि 10:54 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वंचितो तक सुनिश्चित हो रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : भजनलाल

जयपुर, 05 अक्टुबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षक ज्ञान के वाहक हैं, जो राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। उनकी शिक्षा ही समाज को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के शिक्षक भारत को ज्ञान में विश्वगुरु, संस्कृति में समृद्ध, मूल्यों में अग्रणी और चरित्र में श्रेष्ठ बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। शर्मा रविवार को जयपुर के जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के 9वें अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1988 में स्थापित हुआ अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ऐसा मंच है जहां 'राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक, शिक्षक के हित में समाज' का त्रिसूत्रीय वाक्य साकार होता है। महासंघ ने राष्ट्रीयता और भारतीय दर्शन की भावना पर किया प्रभावी कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि महासंघ ने समाज में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अलख जगाने का काम किया है। राष्ट्रीयता और भारतीय दर्शन की भावना से ओतप्रोत होकर इस संगठन से जुड़े शिक्षक प्री-प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि महासंघ राष्ट्रभक्ति और चारित्रिक मूल्यों का संचार करते हुए संस्कारवान युवाओं का निर्माण कर रहा हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। हमारी सरकार ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता स्थापित की, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के समय में केवल पेपरलीक ही हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच वर्ष में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। जिसमें से लगभग 91 हजार युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए सत्र 2024-25 से राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिये जाने वाला शुल्क पूर्णतः माफ किया है। यह निर्णय समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, हमने वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शुल्क माफी, छात्रवृत्तियां और विशेष प्रावधान भी किए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से भाषायी विद्यालय प्रारम्भ करने जा रही है। इसके अन्तर्गत प्रदेश में ही विभिन्न विदेशी भाषाओं की परीक्षाएं आयोजित होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 10 लाख 51 हजार साइकिलों का वितरण किया गया है। साथ ही, 88 हजार 724 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट मय इंटरनेट कनेक्शन निःशुल्क वितरित किए हैं। इससे युवा सक्षम बनेंगे।

उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि महासंघ से जुड़े शिक्षक राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं। वे समाज को अंधकार से उजियारे की ओर ले जा रहे है। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा विभाग शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार और उन्नयन के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहा है। पॉलिटेक्निक कॉलेजों को आधुनिकतम बनाया जा रहा है।

स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। राजस्थान पहले शिक्षा के क्षेत्र में 11वें स्थान पर था, जो राज्य सरकार के प्रयासों से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। हम सरकारी विद्यालयों में निजी विद्यालयों की तुलना में अधिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य भी कर रहे है।

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता ने कहा कि महासंघ शिक्षक हितों के साथ साथ शिक्षा, समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्पूर्ण भूमिका रहा है। यह देश को दिशा दिखाने का काम कर रहा है जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिवेशन की स्मारिका 'शिक्षक-राष्ट्र के लिए', कैलेण्डर तथा 'शैक्षिक मंथन विकसित भारत-2047' पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

अर्थव्यवस्था की मजबूती में स्वर्णकार समाज का अहम योगदान : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 05 अक्टुबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महाराजा अजमीढ़ चंद्रवंशी परंपरा के महान शासक होने के साथ ही उच्च कोटि के कलाकार भी थे। उन्होंने आभूषण और कलाकृतियां बनाने की कला को अपनी प्रजा और वंशजों के लिए एक गौरवशाली व्यवसाय में बदलने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्वर्णकार समाज महाराजा अजमीढ़ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए देश की कला, संस्कृति और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम योगदान दे रहा है। शर्मा रविवार को जयपुर के अग्रवाल कॉलेज में श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार सभा द्वारा आयोजित महाराजा अजमीढ़ जयंती महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सोने को तराशकर उसमें प्राण फूंकने की जो कला स्वर्णकार समाज के पास है, वह दुनिया के अन्य किसी समाज में देखने को नहीं मिलती। उनके द्वारा बनाए जाने वाले आभूषण भारतीय संस्कृति की पहचान हैं। श्री शर्मा ने कहा कि जयपुर विशेष रूप से रत्न एवं आभूषणों के एक वैश्विक केंद्र के रूप में विख्यात है। यहां के कारीगरों द्वारा तैयार किए गए रत्न और सुंदर आभूषण अंतरराष्ट्रीय बाजार में जयपुर को विशेष पहचान दिलाते हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ ही, लाखों लोगों को रोजगार मिल रहा है।

भजनलाल शर्मा ने 128 ब्लू लाइन बसों को दिखाई हरी झंडी

जयपुर, 05 अक्टुबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अमर जवान ज्योति पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की आधुनिक एवं सुविधायुक्त 128 ब्लू लाइन बसों का शुभारम्भ करते हुए उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही, उन्होंने 'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' ग्रामीण परिवहन सेवा का शुभारम्भ और वोल्वो, स्केनिया तथा एसी बसों में केटरिंग सुविधा की भी शुरूआत की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशवासियों के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवा को अधिक सुदृढ़, सुरक्षित और सुविधायुक्त बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की आधुनिक एवं सुविधायुक्त ब्लू लाइन बसें शुरू की गई है। ये बसें प्रदेश भर के 23 आगारों को आवंटित की गई हैं।

इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में उठे पत्रकारों की पेंशन, चिकित्सा और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे

जयपुर, 05 अक्टुबर (एजेंसियां)। इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन (खगण) की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की दो दिवसीय बैठक शनिवार को जयपुर में संपन्न हुई। दो दिवसीय इस बैठक में देश के 28 राज्यों के वरिष्ठ, युवा और महिला पत्रकारों ने हिस्सा लिया और पत्रकारों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। अब इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन का आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन अब आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में जनवरी के अंतिम सप्ताह अथवा फरवरी के प्रथम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। बैठक में पत्रकारों पर बढ़ते हमलों, झूठे मुकदमों को लेकर चिंता जाहिर करते हुए पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने और रेलवे में पत्रकारों को देय 50 प्रतिशत छूट की सुविधा बहाल किए जाने, पत्रकारों को इलाज के लिए कैशलैस चिकित्सा सुविधा लागू किए जाने, पत्रकारों की पेंशन, सम्मान निधि के नियमों को सरल बनाते हुए गैर मान्यता प्राप्त पत्रकारों को भी यह सुविधा दिए जाने को लेकर प्रस्ताव पारित किए गए। राष्ट्रीय महासचिव बलविंदर सिंह जम्मू, पूर्व अध्यक्ष एवं स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य एसएन सिन्हा ने पत्रकारों की समस्याओं और उनके समाधान के सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में खगण ने स्क्राइब न्यूज मैग्जीन को द्विभाषी बनाने और इससे अधिकतम जर्नलिस्टों को जोड़ने की जरूरत बताई, क्योंकि संभवतः यह देश में पहला प्रकाशन है जो पत्रकारों के लिए पत्रकारों द्वारा निकाला जा रहा है। इसमें सभी राज्यों की इकाइयों द्वारा किए गए कार्य प्रकाशित किए जाएंगे। सभी राज्य इकाइयों से कहा गया है कि वे पत्रकारों के प्रोफेशन से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाएं, उन पर नियमित रूप से सेमिनार, वर्कशॉप और ट्रेनिंग प्रोग्राम करें, ताकि इस पेशे में आने वाले नए युवा पत्रकार साथियों को सही गाइडेंस मिल सके।

अधिवेशन के पहले दिन राजस्थान के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा और राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी स्वागत सत्र के विशेष अतिथि रहे। खगण के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी ने यूनियन की राज्यों की इकाइयों के साथ पत्रकार आवासीय योजना, बसों में गंतव्य स्थल तक निशुल्क यात्रा सुविधा का विस्तार, राजस्थान जर्नलिस्ट हेल्थ स्कीम में आउटडोर सुविधा भी उपलब्ध कराए जाने, तहसील स्तर तक एक्रीडेशन सुविधा का विस्तार करने, दिल्ली में बीकानेर हाउस, राजस्थान हाउस और प्रदेश के सर्किट हाउसों में रियायती दर पर ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराए जाने, जयपुर में मीडिया सेंटर बनाकर को वर्किंग स्पेस सुविधा उपलब्ध कराए जाने समेत कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

खेल केवल प्रतियोगिता ही नहीं, युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का है उत्सव : पंवार

चंडीगढ़, 05 अक्टुबर (एजेंसियां)। फतेहाबाद के रतिया विधानसभा क्षेत्र के गांव फूला में रविवार को सांसद खेल प्रतियोगिता के तहत विधानसभा स्तर के खेलों का शुभारंभ प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने की। इस प्रतियोगिता में रतिया, नागपुर और फतेहाबाद खंड के गांवों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिता केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारे युवाओं की ऊर्जा, शक्ति और प्रतिभा का उत्सव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलेगा भारत, तो खिलेगा भारत का आह्वान करके खेलों को राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बनाया है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों से देश में नई खेल संस्कृति का विकास हुआ है। उन्होंने बताया कि सांसद खेल प्रतियोगिता-2025 का शुभारंभ देशभर में 21 सितंबर को किया गया था, जो 25 दिसंबर तक विभिन्न स्थानों पर आयोजित होगी। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने इस अवसर पर घोषणा की कि जिला फतेहाबाद के सभी 258 गांवों में खेतों के दो-दो दस एकड़ तक के रास्ते पक्के किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार विकास के हर क्षेत्र में समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने गांव फूला के स्टेडियम कार्य के लिए जिला परिषद से 21 लाख रुपये, गांव के जोहड़ का जीर्णोद्धार, महिला संस्कृत केंद्र की स्थापना, इंडोर जिम और गांव फूला के खेतों के पाँच रास्ते पक्के करने की भी घोषणा की।

पटवारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

चंडीगढ़, 05 अक्टुबर (एजेंसियां)।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (उइ) गुरुग्राम ने भ्रष्टाचार के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी शमशेर सिंह, हल्का पटवारी बालावास जाट, तहसील बावल, जिला रेवाड़ी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 13(1)(इ) सहपठित 13(2)(इ) के तहत माननीय न्यायालय रेवाड़ी में चालान पेश किया है। ब्यूरो के अनुसार, शिकायतकर्ता ने 5 अगस्त 2025 को दी गई अपनी शिकायत में बताया था कि उसके पिता का 19 जनवरी 2024 को निधन हो गया था। पिता के नाम दर्ज भूमि का विरासत इंतकाल उसके और उसके भाई के नाम दर्ज कराने के बदले पटवारी शमशेर सिंह ने ₹20,000 की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह पहले ही ₹9,000 नकद दे चुका था, लेकिन आरोपी ने शेष ₹11,000 की मांग की थी।

भिवानी में शुरू हुई प्रदेश स्तरीय महिला शक्ति शतरंज चैंपियनशिप

भिवानी, 05 अक्टुबर (एजेंसियां)। भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) से मान्यता प्राप्त और भारत सरकार से आयकर छूट प्राप्त हरियाणा शतरंज एसोसिएशन (एचसीए) की ओर से शनिवार को हलवासिया विद्या विहार सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भिवानी में प्रदेश स्तरीय महिला शक्ति शतरंज चैंपियनशिप की शुरुआत हुई। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारत सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत किया गया है। चैंपियनशिप का उद्घाटन महाभारत के भीष्म पितामह शक्तिमान मुकेश खन्ना के नेतृत्व में हुआ। नेशनल खिलाड़ियों ने दिखाई शह-मात की रणनीति

चैंपियनशिप के पहले दिन अंडर-13, अंडर-19 और ओपन वर्ग में कई रोमांचक मुकाबले हुए। महिला खिलाड़ियों ने शतरंज की बिसात पर दमदार चालें चलकर शानदार प्रदर्शन किया। कई नेशनल खिलाड़ियों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को शह-मात देते हुए सेमीफाइनल और फाइनल दौर में प्रवेश किया। बापोड़ा की पूनम ने डोमेश को, सीमा ने निशांत को, केएम स्कूल के विहान आचार्य ने साक्षी को, हिमेश ने विनायक को, वैश्य मॉडल स्कूल के प्रणय ने आर्यन को और अंशुल ने कृषिव को मात दी।

मुख्यमंत्री मस्त हैं और प्रदेश त्रस्त है, खराब हालात जगजाहिर : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 05 अक्टुबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि मुख्यमंत्री मस्त हैं और प्रदेश त्रस्त है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार को एक साल पूरा होने वाला है, सीएम नायब सैनी एक साल के कार्यकाल की कोई पांच बड़ी उपलब्धियां जनता को बताएं। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सीएम पूरे दिन हैलीकॉप्टर पर यात्राएं करने में व्यस्त रहते हैं और उनके मंत्री यह कहते है कि सीएम जब जमीन पर उतरेंगे तब उन्हें प्रदेश के खराब हालातों का पता चलेगा। रविवार को रोहतक में जेजेपी की जिला स्तरीय बैठक के बाद दुष्यंत चौटाला पत्रकारों से रूबरू थे। इससे पहले बैठक में जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, दुष्यंत चौटाला व जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूती के मूलमंत्र दिए। पत्रकार वार्ता के दौरान दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज प्रदेश की खराब कानून व्यवस्था जगजाहिर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अपराध

पर लगाम लगने की बजाय दिनों-दिन अपराध बढ़ा है। पूर्व डिप्टी सीएम ने प्रदेश के खराब हालातों के लिए सीएम को ठहराया और कहा कि लाडो लक्ष्मी योजना में एक लाख रुपए आय की शर्त लगाकर सरकार ने 75 प्रतिशत गरीब महिलाओं को योजना से वंचित कर दिया है। इसी तरह बीपीएल कार्ड से गरीब लोगों को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों को भी सरकार की ओर से कोई राहत नहीं मिली। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि मंडियों में किसानों की फसलें एमएसपी पर नहीं बिक रही है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज शिक्षण संस्थानों को भारतीय जनता पार्टी का ट्रेनिंग का अड्डा बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कार्यक्रमों को शिक्षण संस्थानों में अनुमति देती है और छात्र संगठनों के कार्यक्रमों पर रोक लगाती है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री जब हरियाणा आते है तो प्रदेशभर में छात्र नेताओं को हिरासत में ले लिया जाता है यानी कि भाजपा युवाओं की बात सुनने से परहेज करती है।

बेंगलूरु में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के घर से शुरू हुआ सर्वेक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार का सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण नौ दिन की देरी के बाद शनिवार को ग्रेटर बेंगलूरु में शुरू हुआ और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने इसका शुभारंभ किया। शिवकुमार ने सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर आए सर्वेक्षणकर्ताओं को अपने और अपने परिवार के बारे में जानकारी देकर सर्वेक्षण का शुभारंभ किया। यह जानकारी मोबाइल ऐप में भरी गई। इस दौरान सर्वर में समस्या पाई गई। इस पर शिवकुमार ने नगर आयुक्त समेत अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने सवाल किया कि अगर मेरे बारे में जानकारी मिलने में इतना समय लग रहा है तो

बाकी आम लोगों का क्या हाल होगा। उन्होंने अधिकारियों से इस समस्या को दूर करने और सर्वेक्षण को बिना किसी समस्या के सुचारू रूप से चलाने का आग्रह किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त भी उपस्थित थे। जो लोग सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण में जानकारी नहीं देना चाहते हैं, उन्हें एक अलग फॉर्म पर हस्ताक्षर करके स्वेच्छा से यह घोषणा करने का अवसर दिया गया है कि वे सर्वेक्षण में भाग नहीं लेना चाहते हैं। इसके लिए एक विशेष फॉर्म तैयार किया गया है। प्रत्येक वार्ड में मस्टरिंग सेंटर शुरू कर दिए गए हैं। सर्वेक्षणकर्ता सुबह 9 बजे इन केंद्रों पर पहुँचे। सभी को पहचान पत्र वितरित किए गए और उपस्थिति दर्ज की गई। वहाँ, मोबाइल फोन में ऐप्स डाउनलोड किए गए और आवश्यक उपकरण दिए गए। फिर राजस्व अधिकारी सर्वेक्षणकर्ताओं को निर्धारित स्थान पर ले गए और सर्वेक्षण शुरू हुआ। प्रभारी अधिकारी वार्ड स्तर पर मौजूद थे और फोन पर आवश्यक निर्देश दे रहे थे। सर्वेक्षण के लिए 12 सर्वेक्षणकर्ताओं पर एक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया था। वार्ड स्तर पर प्रभारी अधिकारी और विधानसभा क्षेत्र के लिए एक केएसएस अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रत्येक मतदान केंद्र को वार्ड स्तर पर एक अलग इकाई के रूप में चिह्नित किया गया है। राजस्व अधिकारी और बिल संग्रहकर्ता, जिनके पास स्थानीय स्तर पर प्रत्येक घर की जानकारी है, सर्वेक्षण की निगरानी करेंगे। खाद्य प्रबंधन इकाई के कर्मचारियों की मदद ली जा रही है। जीबीए मुख्यालय द्वारा प्रत्येक निगम को सर्वेक्षणकर्ता नियुक्त किए गए थे। इससे कई भ्रम पैदा हुए हैं। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सर्वेक्षण के लिए चिकित्सा कर्मचारियों की मदद नहीं ली जा रही है। जनगणना के दौरान, परिवार के मुखिया से 40 प्रश्न और शेष सदस्यों से 20-20 प्रश्न पूछे जाते हैं। बताया जाता है कि प्रत्येक घर की गणना में 20 से 30 मिनट का समय लगता है।

अत्याचार के शिकार लोगों के लिए मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करने का निर्देश

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिला उपायुक्त नितीश के. ने अधिकारियों को अत्याचार के शिकार लोगों के परिवारों को मुआवजा देने के लिए कार्रवाई करने को कहा है, क्योंकि ज्यादातर पीड़ितों को तो यह भी नहीं पता कि कर्नाटक सरकार के नियमों के अनुसार वे मुआवजे के हकदार हैं। रायचूर में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अत्याचार नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय जागरूकता और निगरानी समिति की अध्यक्षता करते हुए, उपायुक्त ने कहा कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के पीड़ितों के परिवार अत्याचार साबित होने पर मुआवजे और सरकारी नौकरी के हकदार हैं। उन्होंने कहा अधिकारियों को ऐसे परिवारों से संपर्क करना चाहिए और जरूरी कानूनी

औपचारिकताएँ पूरी करने के लिए जरूरी दस्तावेज इकट्ठा करने चाहिए, और अगर संबंधित पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई के लिए आरोप पत्र जमा करने में कोई देरी हो रही है, तो समिति के सदस्यों का ध्यान भी आकर्षित करना चाहिए। नितीश ने अधिकारियों को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अत्याचारों पर क्षेत्रीय आयुक्त को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के लिए एक महीने का समय दिया। उपायुक्त ने अधिकारियों को रायचूर शहर के बाहरी इलाके में एक चिन्हित आवासीय क्षेत्र में घर बनाने के लिए 3 लाख के नकद लाभ के बारे में जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया। जब सदस्यों ने यह मुद्दा उठाया, तो उन्होंने अधिकारियों को विशेष रूप से कब्रिस्तानों को अतिक्रमण से बचाने के लिए उनके चारों ओर एक दीवार बनाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सरकारी नौकरी पाने के लिए फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। पुलिस अधीक्षक जी. पुट्टमदैया, निगम आयुक्त जुबिन महापात्र, आईएएस (परिवीक्षाधीन) अधिकारी पुरुराज सिंह, रवींद्र जलदार, के.ई. कुमार, हेमराज अस्कीहाल, रविकुमार अस्कीहाल, रघुवीर नाइक, पवन किशोर पाटिल, बसवराज, टी. सुधामा और अन्य उपस्थित थे।

बम की धमकी वाले ईमेल मिलने के बाद एफआईआर दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक उच्च न्यायालय और इजराइल महावाणिज्य दूतावास, बेंगलूरु को बम की धमकी वाले ईमेल मिलने के बाद बेंगलूरु शहर पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की हैं। ये ईमेल बाद में फर्जी पाए गए। पुलिस के अनुसार, 6 आरडीएक्स आईईडी लगाए गए हैं, शुक्रवार की नमाज के बाद विस्फोट होंगे' कहने वाले ये ईमेल 19 सितंबर को भेजे गए थे। भेजने वाले ने खुद को तुगलक पत्रिका के दिवंगत संपादक चो. रामास्वामी बताया था। तोड़फोड़-रोधी जाँच के बाद, दोनों ईमेल फर्जी पाए गए। कर्नाटक उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल और इजराइल महावाणिज्य दूतावास, दक्षिण भारत, बेंगलूरु के युवल बी. की शिकायतों के आधार पर, शहर पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत मामले दर्ज किए हैं। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में कर्नाटक उच्च न्यायालय को भी इसी तरह की कई फर्जी बम धमकियाँ मिली थीं।

डंपिंग यार्ड में आग लगी, भारी नुकसान

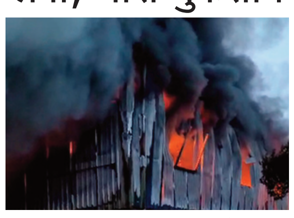

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी नगर पालिका के अलेवूर स्थित डंपिंग यार्ड में शुक्रवार को भीषण आग लग गई, जिससे भारी नुकसान हुआ। यह यार्ड, जहाँ शहर का कचरा एकत्र और संसाधित किया जाता है, इस घटना में बुरी तरह प्रभावित हुआ। स्थानीय निवासियों की मदद से अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। सूत्रों के अनुसार, आग अपशिष्ट पदार्थों से लगने का संदेह है। हालाँकि नुकसान की सही सीमा का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्टों से भारी नुकसान का संकेत मिलता है।

गणनाकर्ताओं द्वारा उपजाति पूछने से मंत्री सोमन्ना नाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के स्थायी आयोग द्वारा किए गए शैक्षिक और सामाजिक सर्वेक्षण के दौरान, जब गणनाकर्ताओं ने पूछा कि आपकी उपजाति क्या है, तो मैने कहा कि उन्हें इसकी क्या जरूरत है?

गणनाकर्ता सोमन्ना के विजयनगर स्थित आवास पर गए। उन्होंने जाति जनगणना सर्वेक्षण से जुड़े सवालों का ठीक से जवाब नहीं दिया। साथ ही, जब उनसे पूछा गया कि उपजाति क्या है, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी क्या जरूरत है? जब उनसे पूछा

गया कि आपकी शादी के समय आपकी उम्र कितनी थी, तो उन्होंने कहा आपको इसकी क्या जरूरत है? यह सब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया वोटों के लिए कर रहे हैं। कई अन्य सवालों के जवाब में उन्होंने यह कहकर अपनी नाराजगी जताई कि वे इस सवाल का जवाब नहीं दे पा रहे हैं कि वे कहाँ काम करते हैं। सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार को आप किस वर्ग में रखते हैं? उनकी आय कितनी है? अगर राजस्व विभाग यह पूछेगा, तो वे जवाब देंगे। हम करदाता हैं। सिद्धरामैया ने एक ऐसा काम बनाया है जो उपयोगी नहीं है। यह एक अवैज्ञानिक सर्वेक्षण है। उन्होंने लगभग 1 घंटा 4 मिनट तक मेरी जानकारी ली है। इसमें तकनीकी खामियाँ हैं। वे इस बात से नाराज हैं कि एक और कांताराजू समिति की रिपोर्ट जारी की जाएगी। सरकार इसमें कुछ हासिल नहीं कर पाएगी। अवैज्ञानिक जनगणना से जानकारी प्राप्त नहीं की जा सकती। अधिकारियों को सही जानकारी नहीं है। अधिकारियों द्वारा पूछी गई जानकारी अनावश्यक थी। इससे लोग भ्रमित हो रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सर्वेक्षण को सरल बनाया जाना चाहिए। इसे पूरा होने में कम से कम 6 महीने लगेंगे। यह कांताराजू समिति से भी बदतर होगा। इस सरकार को जाति के अलावा किसी और चीज की जरूरत नहीं है। आपके मन में यह है कि किस समाज को गलत ठहराना है। कांग्रेस खुद सिद्धरामैया के बारे में बात कर रही है। अगर आप इसे ऐसे ही करते रहेंगे, तो इसमें एक साल लग जाएगा। अभी सर्वेक्षण रद्द कर दीजिए। राज्य भर में सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण शुरू हो गए हैं, और गणनाकार नेताओं के घर जाकर भी सर्वेक्षण कर रहे हैं। आरोप लगे हैं कि सर्वेक्षण सूची अनावश्यक प्रश्नों से भरी है। शनिवार को डीसीएम डी.के. शिवकुमार भी नाराज हुए।

चाहे कोई भी आपत्ति करे, सर्वेक्षण नहीं रुकेगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग के सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण का विरोध करने का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने सलाह दी है कि सभी के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना उचित है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना सहित कोई भी आपत्ति व्यक्त कर सकता है और माँग भी कर सकता है। लेकिन सर्वेक्षण फिर भी होगा।

हमारी सरकार एक नया सर्वेक्षण करवा रही है क्योंकि कहा गया था कि पिछला सर्वेक्षण सही नहीं था।

उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि अब इसका विरोध करना व्यर्थ है। सर्वेक्षण में कुछ निजी जानकारी के प्रश्न हैं। उनका उत्तर देने की आवश्यकता नहीं है। न्यायालय ने भी इस मुद्दे को स्पष्ट कर दिया है। मैंने अधिकारियों को भेड़, मुर्गी, घड़ी, अंगूठियां, फ्रिज, सोना के बारे में न पूछने का भी निर्देश दिया है, ये सभी निजी मामले हैं। मुझे नहीं पता कि वे इस पर कैसे विचार करेंगे। सभी को नए सर्वेक्षण में भाग लेना चाहिए। यदि सर्वेक्षण निर्धारित अवधि के भीतर पूरा नहीं हुआ, तो मैं समय विस्तार के बारे में उत्तर नहीं दे पाऊँगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आयोग और विभाग को इस पर फैसला लेना चाहिए। डी.के. शिवकुमार ने शिवमोग्गा के चार गाँवों द्वारा सर्वेक्षण का बहिष्कार करने और मंत्री जमीर अहमद खान द्वारा दिए गए इस बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि सिद्धरामैया अगले दो साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे। उन्होंने यह कहकर बात छोड़ दी कि वह निजी काम से दूसरे राज्य की यात्रा पर जा रहे हैं और सोमवार को लौटेंगे।

कंटेनर लॉरी पुल से टकराई, बड़ा हादसा टला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर खंबाडकोण में गुरुवार को एक कंटेनर लॉरी के पुल से टकराने से एक बड़ा हादसा टल गया। टक्कर के कारण, वाहन के नदी में गिरने की आशंका थी। सौभाग्य से, लॉरी पुल पर ही रुक गई, जिससे चालक और क्लीनर खतरे से बच गए। घटना के समय कंटेनर लॉरी मेंगलूरु से गोवा जा रही थी।

मंत्री गुंडू राव ने राज्य में कफ सिरप की भी निगरानी करने के निर्देश दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि राज्य के औषधि नियंत्रण अधिकारियों को राज्य में भी कफ सिरप की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और अन्य जगहों पर कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामलों को देखते हुए राज्य में आवश्यक कार्रवाई की गई है। कोल्ड्रीफ कफ सिरप हमारे राज्य में आपूर्ति नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह जांचने के निर्देश दिए गए हैं कि कहीं इसे निजी तौर पर तो नहीं खरीदा गया था। एहतियात के तौर पर, राज्य में अन्य ब्रांड के कफ सिरप के नमूने एकत्र कर जाँच के लिए भेज दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद और जानकारी मिल पाएगी। यह सिरप तमिलनाडु के कुछ ही जिलों में आपूर्ति किया गया है और प्रयोगशाला रिपोर्टों से पुष्टि हुई है कि इस दवा से समस्याएँ पैदा हुई हैं। परिणामस्वरूप, दवा का निर्माण बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कोल्ड्रीफ सिरप की बिक्री पर पूरे देश में प्रतिबंध लगा दिया गया है और लोगों को इस बारे में जागरूक किया गया है।

अगले साल से बीदर जिले के भालकी में वचना विश्वविद्यालय होगा शुरू: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अगले साल से बीदर जिले के भालकी में वचना विश्वविद्यालय शुरू करने का वादा किया है। विश्वगुरु बसवन्ना को कर्नाटक सांस्कृतिक नेता घोषित किए जाने की वर्षगांठ के अवसर पर शहर के पैलेस ग्राउंड परिसर में लिंगायत मठाधिपति संघ और सभी बसवपारा संगठनों द्वारा आयोजित एक महीने तक चलने वाले कन्नड़ बसव संस्कृति अभियान के समापन समारोह में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि अगर बसवन्ना के संबंध में कोई भी समस्या है, तो हमारी सरकार तुरंत जवाब देगी। उन्होंने कहा कि बसव कल्याण में अनुभव मंडप का निर्माण धीमी गति से चल रहा है और यह अगले साल तक पूरा हो जाएगा। बेंगलूरु मेट्रो का नाम बसवन्ना के नाम पर रखने की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र सरकार की एक संयुक्त परियोजना है। हमारा हिस्सा 87 प्रतिशत है, जबकि केंद्र

सरकार का हिस्सा 13 प्रतिशत है। भले ही हमारा हिस्सा अधिक हो, लेकिन कोई भी निर्णय लेने के लिए केंद्र सरकार की पूर्व स्वीकृति आवश्यक है। अगर यह हमारा अपना पूर्ण पैमाने का प्रोजेक्ट होता, तो मैं अभी इसकी घोषणा कर देता। मैं अभी केंद्र को प्रस्ताव प्रस्तुत करूँगा। जाति के कारण कोई बुद्धिमान नहीं बनता। मैंने ऐसी जाति में जन्म लेने के लिए आवेदन नहीं किया था। जाति व्यवस्था थी, इसलिए मैं कुरुबा समुदाय में पैदा हुआ। यहाँ तक कि पट्टाभद्रों ने भी जाति के कारण शूद्रों को शिक्षा से दूर रखा। जाति के कारण कोई महान नहीं बनता। इस तरह देखें तो, वाल्मीकि ने रामायण लिखी, मछुआरों ने महाभारत लिखी और दलित समुदाय से डॉ. अंबेडकर ने संविधान लिखा। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी के पिता की जागीर नहीं होती। अगर अवसर मिले, तो सभी सफल होंगे। समाज में सहिष्णुता और सह-अस्तित्व होना चाहिए। इन्हें व्यक्तिगत जीवन में लागू किया जाना चाहिए। समाज में अनेक धर्म हैं। कोई भी ऐसे धर्म में जन्म लेने के बारे में नहीं सोचता। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर समाज को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। बसव तत्व के अनुयायियों को एक समतामूलक समाज के निर्माण का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब मैं पहले कार्यकाल में मुख्यमंत्री था, तो मैंने भाग्य श्रृंखला योजनाएँ लागू करके समानता लाने की कोशिश की और जब मैं दूसरे कार्यकाल में मुख्यमंत्री बना, तो मैंने गारंटी लागू करने की कोशिश की। उन्होंने कहा अगड़ी जातियों के लिए जाति सम्मेलन आयोजित करना अनावश्यक है। लेकिन पिछड़े समुदायों के लिए जाति सम्मेलन आयोजित करना और संगठित होना जरूरी है। उन्होंने कहा हमारी जाति व्यवस्था जड़ता से भरी है। जाति को गतिशीलता दी जानी चाहिए। इसके लिए आर्थिक शक्ति दी जानी चाहिए। हम सभी शूद्र हैं। चाहे कोई भी जाति हो, सभी शूद्र एक समान हैं। बसवन्ना ने गतिहीन जाति व्यवस्था का विरोध करके एक नए धर्म की स्थापना की। मैं बसवन्ना का प्रशंसक हूँ। बसव तत्व में मेरी आस्था और निष्ठा है। मेरा मानना है कि बसव तत्व शाश्वत और प्रासंगिक है, न केवल तब न आज बल्कि भविष्य में भी। बसवन्ना ने जीवन भर सह अस्तित्व और सहिष्णुता का उपदेश दिया। उन्होंने कहा मैं भी इसका पालन करूँगा। मैंने बसव जयंती के दिन मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और उसी दिन सभी को समान अवसर प्रदान करने की बसवन्ना की इच्छा को पूरा करने का निर्णय लिया। मैंने अनेक आशीर्वादों और गारंटियों के माध्यम से सभी जातियों और धर्मों के गरीबों को अवसर प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि सभी सरकारी कार्यालयों में बसवन्ना का चित्र रखना अनिवार्य कर दिया गया है। मैं कानून का छात्र होने के समय से ही बसवन्ना का अनुयायी रहा हूँ। अंबेडकर ने भी अपने संविधान में बसवन्ना की इच्छाओं को व्यक्त किया था। इसलिए, संविधान और समर्पण की संस्कृति एक हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार संविधान की प्रस्तावना पढ़ने का अभियान चला रही है। हमारी कई जातियां और कई धर्म हैं। हम सभी शूद्र हैं। जो चतुर्वर्ण व्यवस्था में चौथे स्थान पर हैं। शूद्रों को यह समझना चाहिए कि उनकी जाति चाहे जो भी हो, हम सब एक हैं।

आई लव मुहम्मद' बैनर विवाद जिलों से जिलों तक फैल रहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आई लव मुहम्मद बैनर विवाद जिलों से जिलों तक फैल रहा है, जिससे झड़पें हो रही हैं। यह बैनर विवाद सबसे पहले राज्य के बेन्ननगरी दावणगेरे में सामने आया और अब बेलगावी और कलबुर्गी जिलों तक फैल गया है।

कुछ दिन पहले, दावणगेरे के कार्ल मार्क्स नगर में 'आई लव मुहम्मद' बैनर लगाने को लेकर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच पथराव हुआ था। यह झड़प तब हुई जब कुछ शरारती तत्वों ने सोशल मीडिया पर झूठी खबर फैला दी कि इस संदेश वाले बैनर फाड़ दिए गए हैं।

बाद में, पुलिस ने स्थिति स्पष्ट की। बेलगावी शहर के खड़क गली स्थित महबूब सुभानी दरगाह पर उरुस जुलूस के दौरान हिंदुओं और उनके घरों पर पथराव किया गया। स्थानीय लोगों द्वारा जुलूस के निर्धारित मार्ग से अलग रास्ता अपनाने और 'आई लव मुहम्मद' का नारा लगाने पर आपत्ति जताए जाने के बाद पथराव किया गया। इस घटना के कारण बेलगावी शहर में तनाव व्याप्त है। पुलिस इलाके में गश्त कर रही है और स्थिति नियंत्रण में है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री के गृह निर्वाचन क्षेत्र सेदम तालुका के उदगी गाँव की मुख्य सड़क पर 'आई लव मुहम्मद' का एक बैनर लगा मिला, जिस पर विभिन्न हिंदू संगठनों ने कड़ा रोष व्यक्त किया है। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश के कानपुर से शुरू हुआ और पूरे देश में फैल चुका 'आई लव मुहम्मद' का बैनर और नारा अब कर्नाटक के कई जिलों में फैल गया है और पुलिस के लिए सिरदर्द बन गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com